{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 19 अगस्त 2026
श्रावण शुक्ल 07 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 325
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 77,235.46
निफ्टी - 24,154.90
सोना - 1,64,849
चांदी - 2,50,000
डॉलर - 95.78

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

दीक्षांत में सीजेआई चीफ गेस्ट नहीं होंगे

मुंबई। मुंबई के टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) के 86वें दीक्षांत समारोह में अब सीजेआई सूर्यकांत चीफ गेस्ट नहीं होंगे। 22 अगस्त को होने वाले समारोह में उनकी जगह टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. सीएस प्रमेश मुख्य अतिथि होंगे। पहले सीजेआई सूर्यकांत को मुख्य अतिथि बनाया गया था और उन्हें दीक्षांत समारोह में भाषण देना था। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब हैदराबाद की नालसार यूनिवर्सिटी में 450 से ज्यादा छात्रों ने सीजेआई सूर्यकांत को दीक्षांत समारोह का मुख्य अतिथि बनाए जाने का विरोध किया था। इसके बाद काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने लॉ यूनिवर्सिटी के पूरे बैच के छात्रों को वकील के तौर पर एनरोल करने से रोकने का निर्देश दिया था। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा, जिसके बाद बीसीआई ने अपना आदेश वापस ले लिया था।

फांसी सिस्टम खत्म करने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मौत की सजा देने के लिए फांसी की मौजूदा व्यवस्था खत्म करने की याचिका खारिज कर दी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई आधार नहीं है, जिसके कारण फांसी को असंवैधानिक घोषित किया जाए। याचिका में फांसी को क्रूर, अमानवीय और दर्दनाक बताया गया था। इसकी जगह जहरीले इंजेक्शन, गोली मारने जैसे चार वैकल्पिक तरीकों से मौत की सजा देने की मांग की गई थी। कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिका खारिज करने का मतलब यह नहीं है कि भविष्य में संवैधानिक समीक्षा का रास्ता बंद हो गया है। अगर ठोस वैज्ञानिक, मेडिकल या अनुभवजन्य सबूत सामने आते हैं, तो इस मुद्दे की दोबारा जांच की जा सकती है।

जेपी नड्डा की एम्स में हुई एंजियोप्लास्टी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा की दिल्ली एम्स में एंजियोप्लास्टी हुई है, 17 अगस्त को एम्स के कार्डियोलॉजी विभाग के डॉक्टरों ने इसको किया है। फिलहाल जेपी नड्डा की हालत स्थिर है। नड्डा को कुछ दिनों पहले दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था। बीते दिनों उनकी एंजियोग्राफी भी हुई थी। इसके बाद डॉक्टरों ने अब एंजियोप्लास्टी की है। नड्डा डॉक्टरों की निगरानी में हैं। दिल्ली एम्स ने यह जानकारी साझा की है। एम्स ने बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा की एंजियोप्लास्टी हुई है। इस प्रोसीजर में हार्ट की तंग या बंद नसों को चौड़ा करने के लिए किया जाता है, इसमें एक पतली ट्यूब (कैथेटर) और गुब्बारे का उपयोग किया जाता है। इसके जरिए हार्ट में स्टेंट डालकर नसों के ब्लॉकेज को खत्म किया जाता है।

कुछ ना कहना

आप नेता सत्येन्द्र जैन गिरफ्तार

दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के टेंडर में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार का मामला

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के टेंडर में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के मामले में एंटी करप्शन ब्रांच (एसीबी) ने मंगलवार को दिल्ली की केजरीवाल सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे सत्येंद्र जैन समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें तत्कालीन डीजेबी सीईओ और आईएएस अधिकारी उदित प्रकाश राय, बोर्ड के पूर्व संविदा सलाहकार अंकित श्रीवास्तव, एएन एंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर नागेंद्र यादव, यूरोटेक एनवायरमेंट प्राइवेट लिमिटेड के मालिक राजा कुमार कुर्रा और सृजनहार के प्रोपराइटर पंकज वर्मा शामिल हैं।

ई-मेल और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों से खुला खेल...

जांच एजेंसी का दावा है कि निजी पक्षों और सरकारी अधिकारियों के बीच लगातार संपर्क था। इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के विश्लेषण में प्रतिबंधात्मक टेंडर शर्तों, कॉरिजेंडम और अन्य दस्तावेजों के आदान-प्रदान की बात सामने आई है। एसीबी के अनुसार, बाद में इन्हीं में से कुछ शर्तों को डीजेबी के एसटीपी टेंडर में शामिल किया गया।

तत्कालीन सीईओ के खातें में पहुंचाई गई रिश्वत की रकम...

एसीबी ने दावा किया कि तत्कालीन डीजेबी सीईओ उदित प्रकाश राय और उनके रिश्तेदारों के बैंक खातों में एएन एंटरप्राइजेज के जरिये करीब 1.52 करोड़ रुपये पहुंचे। जांच में इस रकम को रिश्वत बताया गया है। एजेंसी के मुताबिक, इस रकम का इस्तेमाल अचल संपत्ति खरीदने में किया गया। एएन एंटरप्राइजेज के खाते में यह रकम यूरोटेक से जुड़ी संस्थाओं के जरिये पहुंचने की बात भी जांच में सामने आई है।

सरकारी खजाने पर वितीय बोझ पड़ा

एसीबी के प्रमुख सयुंक्त पुलिस आयुक्त विक्रमजीत सिंह के मुताबित, मामला एसटीपी के उन्नयन और क्षमता बढ़ाने के लिए जारी टेंडरों में बड़े पैमाने पर अनियमितता, टेंडर शर्तों में हेरफेर और आपराधिक साजिश से जुड़ा है। जांच में सामने आया कि टेंडर में ऐसी तकनीकी शर्तें शामिल की गईं, जिनसे एक खास तकनीक और उसके प्रदाता यूरोटेक को तौर पर फायदा हुआ। इससे प्रतिस्पर्धा सीमित हुई और सरकारी खजाने पर वित्तीय बोझ पड़ा। एसीबी ने इस मामले में 11 मई 2024 को एफआईआर दर्ज की थी। इसमें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के साथ धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और आपराधिक साजिश की धाराएं लगाई गई हैं। एजेंसी का दावा है कि मामले में पैसों के लेन-देन और अपराध से अर्जित रकम की जांच जारी है।

अरविंद केजरीवाल की प्रतिक्रिया

आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सत्येंद्र जैन की गिरफ्तार पर कहा कि सत्येंद्र को एक बार फिर बीजेपी ने गिरफ्तार करवा दिया है। अभी कुछ वक्त पहले इन लोगों ने उनको जेल में डालकर उनकी जो दुर्दशा की थी, वह सबको याद है। पिछला केस भी फर्जी था और यह केस भी फर्जी साबित होगा। आखिर कब तक बीजेपी की ये तानाशाही चलती रहेगी? जिसे मन करता है, झूठे आरोप लगाकर जेल में डाल देते हैं। इनका झूठ एक बार फिर देश के सामने आएगा, लेकिन जेल में बिताए उस वक्त और मानसिक प्रताड़ना की भरपाई कौन करेगा?

बीजेपी के पाप का घड़ा अब भर चुका है। ये चाहे जितनी तानाशाही कर लें, अब मोदी सरकार का अंत तय है। पूरी आम आदमी पार्टी और देश की जनता सत्येंद्र जैन के साथ मजबूती से खड़ी है।

सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली पुलिस का हलफनामा-

सीजेपी का संसद मार्च गैरकानूनी था, प्रदर्शनकारियों ने कई जगह बैरिकेड तोड़े, इसके बावजुद अत्यधिक-गैरकानूनी बल प्रयोग नहीं हुआ, सीजेआई ने दिया आदेश

पुलिस ज्यादती के आरोपों की जांच करेगी पूर्व जज और सीबीआई चीफ वाली कमेटी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली छात्रों और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अत्यधिक या गैरकानूनी बल प्रयोग के आरोपों से इनकार कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में यह जानकारी दी है। पुलिस का कहना है कि 20 जुलाई को शुरू हुआ प्रदर्शन शांतिपूर्ण था लेकिन बैरिकेड तोड़े जाने और प्रदर्शनकारियों के संसद की ओर बढ़ने की कोशिश के बाद स्थिति हिंसक हो गई। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इन आरोपों समेत अन्य मुद्दों की जांच के लिए उच्च स्तरीय कमेटी के गठन की बात रही है। इस समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व न्यायाधीश करेंगे। शीर्ष अदालत ने कहा कि समिति में एक पूर्व हाई कोर्ट के जज और एक रिटायर्ड पुलिस महानिदेशक भी सदस्य होंगे। इसके अलावा इस कमेटी में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के पूर्व निदेशक तथा अन्य सदस्य शामिल होंगे। समिति 20 जुलाई के प्रदर्शन के दौरान महिला प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाए जाने के आरोपों की भी जांच करेगी। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने कहा कि समिति में शामिल किए जाने वाले अन्य सदस्यों के बारे में अलग-अलग पक्षों से सुझाव मिलने के बाद उसके गठन का आदेश बुधवार को जारी किया जाएगा। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि वह दिल्ली में 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा के वीडियो फुटेज और सीसीटीवी रिकॉर्डिंग जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति को सौंपने का निर्देश देगी। यह समिति उन महिला प्रदर्शनकारियों की शिकायतों और आरोपों की भी जांच करेगी जिन्हें दिल्ली और अन्य इलाकों में विरोध मार्च के दौरान निशाना बनाए जाने की खबरें थीं। बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से उन प्राथमिकी की जानकारी मांगी जिनमें छात्र प्रदर्शनकारियों को आरोपी बनाया गया है और जिन्हें रद्द किया जाना है।

आर्थिक स्थिति सुधारने की कवायद...राज्य सरकार ने कार्मिक विभाग को लिखा पत्र

हिमाचल में घटेगा आईएएस, आईपीएस और आईएफएस का कैडर

शिमला। हिमाचल प्रदेश में आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अफसरों का कैडर कम किया जाएगा। राज्य सरकार ने आईएएस काडर 153 से घटाकर 130 और आईएफएस का 118 से 83 करने का फैसला किया है। इसी तरह आईपीएस का कैडर भी 96 अधिकारियों से कम किया जाएगा। राज्य सरकार ने अधिकारियों का कैडर कम करने के लिए केंद्र सरकार के कार्मिक विभाग को पत्र भेजा है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में अफसरों की संख्या कम करेगी। इससे एक अधिकारी पर करीब 200 करोड़ रुपये की बचत होगी। जितने अधिकारी कम करेंगे, सरकार के उतने ज्यादा पैसे बचेंगे। उस पैसे से लोगों की सेवा कर सकेंगे।

सीएम ने कहा कि हिमाचल प्रदेश को अधिकारियों की फौज की जरूरत नहीं है। सरकार में उतने ही अधिकारी होने चाहिएं, जितने जरूरी हों और जो सरकार की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर सकें। वह व्यक्तिगत तौर पर आईएएस अधिकारियों की संख्या घटाकर 100 या 110 तक रखना चाहते हैं। कुछ आईएएस अधिकारियों की नाखुशी को देखते हुए फिलहाल यह संख्या 130 तक रखने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ अधिकारी ऐसा भी मान रहे हैं कि उनके पास पर्याप्त काम नहीं है, ऐसे में उनका टैलेंट भी खराब हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों की संख्या कम करने का उद्देश्य प्रशासनिक खर्च घटाने के साथ-साथ उनकी कार्यक्षमता का बेहतर इस्तेमाल करना है।

केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए तुरंत कर रहे रिलीव

सीएम ने कहा कि प्रशासनिक खर्च कम करने के लिए फील्ड अफसरों के लिए उपलब्ध 56 गाड़ियों की संख्या घटाकर 30 की जाएगी। सरकार सभी सरकारी वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलने की दिशा में भी काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने वाले अधिकारियों की फाइलें रोक दी जाती थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं किया जा रहा है। प्रतिनियुक्ति के लिए इच्छुक अधिकारियों को तुरंत मंजूरी दी जा रही है। उन्हें रिलीव भी किया जा रहा है।

पीएम केयर्स फंड का कॉर्पस 8,452 करोड़ रुपये पहुंचा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नागरिक सहायता एवं आपात स्थिति राहत कोष यानी पीएम केयर्स फंड का कॉर्पस वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर रिकॉर्ड 8,452 करोड़ रुपये पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में यह राशि 7,173 करोड़ रुपये थी। इस तरह एक साल में फंड के कॉर्पस में 1,279 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। 2024-25 और 2023-24 के ऑडिट स्टेटमेंट सार्वजनिक होने के बाद फंड की वित्तीय स्थिति सामने आई है। पीएम केयर्स फंड की शुरुआत कोविड-19 महामारी के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर आपात परिस्थितियों में राहत और सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। महामारी के बाद भी इस फंड का उपयोग विभिन्न आपात जरूरतों और सहायता योजनाओं में किया जा रहा है। ऑडिट स्टेटमेंट के मुताबिक, फंड के कुल 8,452 करोड़ रुपये के कॉर्पस में से 6,641 करोड़ रुपये फिक्स्ड डिपॉजिट में रखे गए हैं।

चुनाव के दौरान पकड़ी गई नकदी की जांच एक साल में अनिवार्य

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव के दौरान जब्त की गई नकदी और संदिग्ध सामान की जांच को लेकर अहम निर्देश जारी किए हैं। कोर्ट ने कहा कि चुनाव के दौरान पकड़ी गई नकदी से जुड़े मामलों की जांच एक साल के भीतर पूरी करना अनिवार्य होगा। यह आदेश चुनाव आयोग और राज्य सरकारों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में नकदी का इस्तेमाल मतदाताओं को प्रभावित करने और निष्पक्ष चुनाव की भावना पर प्रहार करता है। कोर्ट ने चुनाव आयोग और राज्य सरकारों को निर्देश दिया कि वे ऐसे मामलों की जांच में तेजी लाएं। इसके साथ ही चुनाव अपराधों से जुड़े मामलों की निगरानी और रिपोर्टिंग की व्यवस्था को भी मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं।

जब मैं विधायक बना तो अमित शाह बच्चे थे, वह हमें देशभक्ति सिखा रहे- खड़गे

पणजी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि जब मैं पहली बार विधायक बना था, तब अमित शाह बच्चे थे और आज हमें देशभक्ति सिखा रहे हैं। अमित शाह अक्सर सोनिया गांधी और गांधी परिवार की आलोचना करते हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी धर्म विरोधी है, क्योंकि जब मैं उत्तराखंड गया तो दो दिन बाद मंच का शुद्धिकरण कराया गया। यह शुद्धिकरण रामलीला मैदान में किया गया था, जहां खड़गे ने 8 अगस्त को भाषण दिया था। उन्होंने यह बात दक्षिण गोवा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कही।

बता दें अमित शाह ने 16 अगस्त को कहा था कि कांग्रेस पार्टी मुख्यालय पर वंदे मातरम का गान हो रहा था। बीच में ही कांग्रेस की नेत्री सोनिया जी ने कांग्रेस अध्यक्ष को गान रोकने को कहा। बता दें राज्य के 12 मंत्रियों में से 10 पूर्व कांग्रेस नेता हैं, जो पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए हैं। गद्दारों को वोट मत दीजिए। अगर आप उन्हें वोट देंगे, तो आप भी गद्दार बन जाएंगे। बड़े शहरों के अमीर लोग गोवा में जमीन खरीद रहे हैं।

पूरे देश में बदलेगा सिस्टम : छात्रों की हड़ताल खत्म होने पर राहुल ने जताई खुशी, कहा- सबने संयम से काम लिया

नई दिल्ली। झारखंड के छात्रों और राज्य सरकार के बीच सोमवार रात सहमति बन गई। अब इस मामले पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि छात्रों ने अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी है। यह खबर सुनकर अच्छा लगा।

कांग्रेस नेता ने क्या कहा?

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा,मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी और झारखंड सरकार ने बातचीत का रास्ता चुना और समाधान निकाला। छात्रों ने संयम बरता और अपनी बात रखी। यही सही तरीका है, जब छात्र सवाल उठाएं, तो उन्हें जवाब मिलना चाहिए। हम देश के हर छात्र के साथ खड़े हैं। हम इस रिकवरी सिस्टम को पूरी तरह बदल देंगे। ताकि हर छात्र को अपनी मेहनत का पूरा फल मिले और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का अधिकार मिले। यह सिस्टम पूरे देश में बदलेगा। अब एक ऐसा ढांचा तैयार किया जाएगा जो छात्रों को आगे बढ़ाए। न कि उन्हें पीछे रोके।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर क्या आरोप लगाया?

इसके साथ ही कांग्रेस ने मंगलवार को मोदी सरकार पर जाति जनगणना को बाधित करने का आरोप लगाया। इसके साथ ही पूछा कि 2027 की जनगणना में जाति चयन के लिए ड्रॉप-डाउन मेनू क्यों शामिल नहीं किया गया है। वहीं, केंद्र ने सितंबर 2021 में सर्वोच्च न्यायालय में अपने हलफनामे में इसकी सिफारिश की थी।

विपक्षी दल ने क्या दावा किया?

विपक्षी दल ने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने 30 अप्रैल, 2025 को जाति जनगणना की घोषणा करके पूरी तरह से यू-टर्न लिया था। इसके साथ ही अब वे अपने पहले के यू-टर्न पर भी यू-टर्न ले रहे हैं। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 21 सितंबर, 2021 को मोदी सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में एक हलफनामा दायर कर जाति जनगणना की याचिका को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया था।

जयराम रमेश ने एक्स पर क्या कहा?

रमेश ने एक्स पोस्ट में लिखा, हालांकि, हलफनामे के पैरा 12 (डी) में निम्नलिखित कहा गया है 2011 की जनगणना से पहले जाति का कोई रजिस्टर तैयार नहीं किया गया था।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण-एसआईटी ने चंपत राय और अनिल मिश्रा को दी क्लीन चिट

लखनऊ। अयोध्या स्थित राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और पूर्व सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा को बड़ी राहत मिली है। मंदिर में चढ़ावे के प्रबंधन में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) की अंतिम रिपोर्ट में दोनों को किसी भी तरह की गड़बड़ी में शामिल नहीं पाया गया है।

जानकारी के मुताबिक यूपी गृह विभाग ने सोमवार देर शाम को एसआईटी की फाइनल रिपोर्ट आगे की कार्रवाई के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सौंप दी है। राम मंदिर में दान और चढ़ावे के प्रबंधन को लेकर सवाल उठने के बाद चंपत राय और अनिल मिश्रा ने 27 जून को अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद एसआईटी ने दोनों से पूछताछ कर चढ़ावा संग्रह और उसके प्रबंधन से जुड़े पूरे मामले की जांच की।

सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान चंपत राय ने कथित अनियमितताओं में किसी भी प्रकार की संलिप्तता से इनकार किया। उन्होंने जांचकर्ताओं को बताया कि संदिग्ध चोरी की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने स्वयं शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और गिरफ्तारियां हुईं। चंपत राय ने यह भी बताया कि चढ़ावे के संग्रह में पारदर्शिता बनाए रखना और किसी भी तरह की अनियमितता को रोकना उनकी जिम्मेदारी का हिस्सा था। कथित गड़बड़ी की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों के माध्यम से कार्रवाई कराई। मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध पर उत्तर प्रदेश सरकार ने 13 जून को तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया था। लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत को जांच टीम का अध्यक्ष बनाया गया था। रेंज के पुलिस महानिरीक्षक किरण एस. और विशेष सचिव (वित्त) नील रतन कुमार इसके सदस्य थे।

गुजरात हाईकोर्ट का अनोखा फैसला

1,700 पेड़ लगाओ, तीन साल पालो, तभी रहेगी जमानत!

जंगल के रक्षक ही बने कटाई के आरोपी, दो फॉरेस्ट गार्ड को मिली पर्यावरण संरक्षण की शर्त पर नियमित जमानत

अहमदाबाद। भावनगर जिले के पालिताणा तालुका से पर्यावरण संरक्षण और न्यायपालिका के बीच संतुलन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण सामने आया है। गुजरात हाईकोर्ट ने राजस्थली बीट के संरक्षित वन क्षेत्र में कथित अवैध वृक्ष कटाई के मामले में गिरफ्तार दो फॉरेस्ट गार्ड को नियमित जमानत तो दी, लेकिन इसके साथ ऐसी पर्यावरणीय शर्त लगाई, जो ग्रीन ज्यूडिशियरी की दिशा में मिसाल मानी जा रही है।

अदालत ने आरोपी फॉरेस्ट गार्ड कल्पेश डाभी और करशन गोहिल को अपने खर्च पर कुल 1,700 पौधे लगाने और तीन वर्षों तक उनकी देखभाल करने का निर्देश दिया है।

मामला भावनगर वन वृत्त के अंतर्गत आने वाली पालिताणा फॉरेस्ट रेंज के राजस्थली बीट क्षेत्र का है। यहां संरक्षित जंगल में बड़े पैमाने पर अवैध रूप से पेड़ों की कटाई किए जाने का मामला सामने आया था। प्रारंभिक जांच में करीब 1,690 देशी और पुराने पेड़ों के काटे जाने की बात सामने आई।

वन संपदा की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे फॉरेस्ट गार्ड कल्पेश डाभी और करशन गोहिल की भूमिका संदिग्ध पाए जाने के बाद दोनों के खिलाफ संबंधित वन कानूनों तथा सरकारी कर्तव्य में लापरवाही के आरोपों के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

जेल से रिहाई के लिए दोनों कर्मचारियों ने गुजरात हाईकोर्ट में नियमित जमानत याचिका दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने अपराध की गंभीरता के साथ-साथ प्राकृतिक संपदा को हुए नुकसान को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी विशेष शर्त लगाई।

अदालत के निर्देश के मुताबिक दोनों फॉरेस्ट गार्ड को संयुक्त रूप से 1,700 पौधे अपने निजी खर्च पर लगाने होंगे। दोनों को बराबर संख्या में पौधे लगाने होंगे और जमानत मिलने के 15 दिनों के भीतर राजस्थली बीट क्षेत्र में पौधारोपण पूरा करना होगा।

अदालत ने केवल पौधे लगाने की शर्त ही नहीं रखी, बल्कि उनकी जिम्मेदारी भी आरोपियों पर तय की है। लगाए गए पौधों की अगले तीन वर्षों तक खाद, पानी और सुरक्षा सहित पूरी देखभाल अपने खर्च पर करनी होगी।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि महज पौधे लगा देना पर्याप्त नहीं होगा। सक्षम वन अधिकारियों को समय-समय पर मौके पर जाकर पौधारोपण और पौधों की देखभाल का निरीक्षण करना होगा तथा इसकी मॉनिटरिंग रिपोर्ट अदालत के समक्ष प्रस्तुत करनी होगी।

अदालत ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि यदि पौधों के रोपण, उनके संरक्षण, विकास या सिंचाई में किसी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता सामने आती है, तो आरोपियों को मिली जमानत तत्काल प्रभाव से रद्द की जा सकती है।

सागर में 3 करोड़ नकदी मिलने से हड़कंप, रिटायर्ड इंजीनियर पर आरोप

सागर। मध्य प्रदेश के सागर में पुलिस को हथियार तलाशने के दौरान एक घर से 3 करोड़ 2 लाख 14 हजार 500 रुपए की भारी नकदी मिली है, इस बरामदगी से हड़कंप मच गया है। तिली तिराहा निवासी सौरभ अहिरवार के घर से अलमारी में रखे चार बैगों से बरामद रकम अब आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू), लोकायुक्त और आयकर विभाग की जांच के दायरे में आ गई है। सागर पुलिस ने जब्त रकम और दोनों युवकों के बयान की जानकारी इन एजेंसियों को भेज दी है।

मामले की शुरुआत सौरभ के सोशल मीडिया पर बंदूक के साथ फोटो डालने से हुई थी, जिसके बाद पुलिस हथियारों की तलाश में उसके घर पहुंची थी। सौरभ अपने भाई अंकित और मां के साथ रहता है और दोनों भाई किराए की टैक्सी चलाते हैं। अलमारी की तलाशी के दौरान पुलिस को 500-500 रुपए के कुल 60,429 नोट मिले, जिनकी गिनती में 5 से 6 घंटे का समय लगा। पुलिस पूछताछ में सौरभ ने बताया कि करीब 8-10 महीने पहले पीडब्ल्यूडी के रिटायर्ड सुपरिटेंडेंट इंजीनियर रमेश अहिरवार सागर आए थे। उन्होंने एक अलमारी खरीदकर उसके घर पर रखवाई थी और उसके साथ चार ट्रॉली बैग व एक मिड बैग भी दिया था। सौरभ के अनुसार, अहिरवार ने कहा था कि इसमें उनके जरूरी कागजात हैं और उन्हें नहीं खोलना है। इसके बाद वे अलमारी में ताला लगाकर भोपाल लौट गए। हालांकि, पीडब्ल्यूडी में सुपरिटेंडेंट इंजीनियर रहे अहिरवार ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर कहा कि बरामद रकम उनकी नहीं है और उन्होंने सौरभ को कोई अलमारी नहीं दी।

श्री शिव साईं मन्दिर में निभाई गई 17 वर्षों से चली आ रही परम्परा

सावन मास पर महिलाओ ने मिट्टी से किया रुद्र का निर्माण, पंचामृत, रुद्रभिषेक, सहित विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भगवान शिव की भक्ति का माह, सावन मास अब अपने अंतिम चरण में है। इस अवसर पर जगह जगह विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन कर भगवान शिव की आराधन की जा रही है। इसी क्रम में श्रावण मास पर नगर में जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजनो का दौर जारी है।जिसमें प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष से भी नगर के श्री शिव सांई मंदिर में राधे महिला मंडल के द्वारा पिछले 17 वर्षों से चली आ रही परम्परा का निर्वहन किया गया।जहां जिले भर से पहुची महिलाओ ने सामुहिक रूप से पार्थिव पूजन, भगवान शिव का मिट्टी से रुद्रा निर्माण, पंचामृत, रुद्राभिषेक, हवन पूजन सहित विभिन्न कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।तो वही भंडारा सहित अन्य कार्यक्रमों के साथ अन्य धार्मिक अनुष्ठान कराए गए।

सुबहा 10 बजे से 03 बजे तक चला पार्थिक पूजन

श्री शिव सांई मंदिर ट्रस्ट के तत्वाधान में सावन मास के पावन अवसर पर राधे महिला मंडल के द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भगवान शिव का पार्थिव पूजन का आयोजन किया गया।जिसमें महिलाओं द्वारा 10 अगस्त से हर दिन पार्थिव शिव लिंग का निर्माण कर पूजा की जा रही है।जिसका समापन 18 अगस्त मंगलवार को विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान के साथ किया गया। समापन अवसर पर भगवान शिव का पार्थिव पूजन व अभिषेक किया गया। इसके बाद हवन पूजन व राधे महिला मंडल द्वारा महाआरती व श्री शिव सांई मंदिर ट्रस्ट द्वारा महाप्रसाद का वितरण किया गया ।

समापन पर इन कार्यक्रमों के हुए आयोजन

मंगलवार 18 अगस्त को कार्यक्रम समापन पर आयोजकों द्वारा पार्थिव शिव लिंग की विशेष पूजा अर्चना सामूहिक रूप से रुद्रभिषेक सहित अन्य कार्यक्रमो के आयोजन किए गए।जहा रुद्रभिषेक यज्ञ का आयोजन कर विधि विधान से दूध, जल, सहित अन्य पूजन सामग्री चढ़ाकर भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना की गई।वही भगवन शिव की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की मनोकामना के साथ ही जिला व देश की सुख-समृद्धि की सामुहिक रूप से कामनाए की गई। इसके तुरंत बाद राधे महिला मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्री शिव साईं मंदिर ट्रस्ट द्वारा महाप्रसाद वितरण का आयोजन कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

जन कल्याण विश्व कल्याण और विश्व शांति के लिए किया जाता है आयोजन- वैष्णव

श्री शिव साई मंदिर में आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर की गई चर्चा के दौरान श्री शिव सांई मंदिर ट्रस्ट के पुजारी पं. महंत दास वैष्णव ने बताया कि भगवान शिव का रूद्राभिषेक करने से घर में सुख शांति व समृद्धि का वातावरण रहता है। भगवान देवादिदेव महादेव की कृपा बनी रहती है। इसी के तहत प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी राधे महिला मंडल की महिलाओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए है।जिसके तहत रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि राधे महिला मंडल के प्रयासों से 2009 से यहां सावन मास पर पार्थिव पूजन किया जाता है। इस वर्ष यह आयोजन 10 से 18 अगस्त तक चला।जिंसमे जिले के प्रत्येक क्षेत्र से महिलाएं माता बहने यहां आकर भगवान का मिट्टी से रूद्र निर्माण करते हैं। जो सुबह 10बजे से 3 बजे तक चला। उसके बाद भगवान शिव का पूजन किया जाता है।वही पंचामृत व पूर्ण रुद्राभिषेक ब्राह्मणों द्वारा संपन्न कराया जाता है। श्री शिव साई मंदिर ट्रस्ट द्वारा मंदिर में यह कार्यक्रम विश्व कल्याण, विश्व जन कल्याण और विश्व शांति को दृष्टिगत रखते हुए किया जाता है।जो इस साल भी किया गया है। इसके साथ ही सभी जिलेवासियों की सुख समृद्धि की प्रार्थनाएं की जाती है वही अच्छा वर्षा होने, खेती में फसल अच्छी होने और सभी की उन्नति की कामना को लेकर यह कार्यक्रम हर साल किया जाता है। जो आगे भी जारी रहेगा।

बालाघाट में औषधि दुकानों पर बड़ी कार्यवाही, 3 मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निलंबित और 26 के निरस्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर कुमार सत्यम के निर्देशानुसार तथा उपसंचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन बालाघाट के मार्गदर्शन में जिलेभर के औषधि विक्रय संस्थानों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कडी में 18 अगस्त को खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जिले में औषधि दुकानों के संचालन में अनियमितताएं पाए जाने पर कार्यवाही करते हुए 3 मेडिकल स्टोर के ड्रग लाइसेंस निर्धारित अवधि के लिए निलंबित किए गए तथा 26 मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निरस्त किए गए हैं। उपसंचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कई दुकानों में नियमों के उल्लंघन और विभिन्न अनियमितताएं सामने आईं। जिसमें औषधियों के क्रय-विक्रय से संबंधित दस्तावेजों का उचित मिलान नहीं होना, एक्सपायरी हो चुकी दवाओं को नियमानुसार अलग नहीं रखना, औषधि विक्रय के लिए आवश्यक योग्य व्यक्ति की अनुपस्थिति तथा शीत-श्रृंखला में रखी जाने वाली दवाओं का निर्धारित तापमान पर उचित संधारण नहीं किए जाने जैसी अनियमितताएं पाई गईं। जिसके पश्चात संबंधित फर्म संचालकों को कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर जवाब एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। किंतु संतोषजनक जवाब और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए।

कार्यवाही के फलस्वरूप विभाग द्वारा जय भोले मेडिकल, कुम्हारी बालाघाट का लाइसेंस 10 दिवस के लिए निलंबित किया गया है। इसी तरह उपवंशी मेडिकल स्टोर्स, मिरगपुर का लाइसेंस 7 दिवस तथा महेंद्र मेडिकल एंड जनरल स्टोर, भटेरा रोड बालाघाट का लाइसेंस 3 दिवस के लिए निलंबित किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निलंबन अवधि के दौरान संबंधित मेडिकल स्टोर द्वारा औषधियों का क्रय अथवा विक्रय किया जाना पूर्णतः अवैधानिक माना जाएगा। ऐसा पाए जाने पर संबंधित संचालक के विरुद्ध प्रशासनिक अथवा न्यायालयीन कार्रवाई की जा सकती है।

जिले के 26 मेडिकल स्टोर के ड्रग लायसेंस निलंबित

खाद्य विभाग द्वारा जिले के 26 मेडिकल स्टोर के ड्रग लाइसेंस निरस्त किए गए हैं। इनमें डहरवाल मेडिकल बकोड़ा, अमूल फार्मेसी कायदी, चौके फार्मेसी घोटी, हर्ष फार्मेसी बालाघाट, मां ललिता फार्मेसी लांजी, राहुल फार्मेसी नवेगांव, साईबाबा मेडिकल बालाघाट, अर्पणा विनायक मेडिकल टेडवा, सिद्धिविनायक मेडिकल बिसोनी, आई मेडिकल घोटी, मोदी बंधू मेडिकल चंगोटोला, स्वाति मेडिकल कटंगी, बीजी मेडिकल बालाघाट, नित फार्मेसी बालाघाट, गोयल मेडिकल वारासिवनी, बाम्बे फार्मेसी कटंगी, अक्षय मेडिकोज बिसोनी, रिसब मेडिकल किरनापुर, बालाजी फार्मेसी भरवेली, शिवम् फार्मेसी सुसवा, भारती मेडिकल तिरोड़ी, जयअम्बे मेडिकल गोंगलाई, लकी फार्मेसी भरवेली, धरा फार्मेसी वारासिवनी, सीताराम मेडिकल बालाघाट एवं न्यू हिन्द फार्मेसी भरवेली शामिल हैं।

8 माह से पंचायत कार्यालय से अनुपस्थित सहायक सचिव को हटाने की मांग

डोंगरिया पंचायत के उपसरपंच सहित ग्रामीणों ने जनसुनवाई में कलेक्टर को सौंपा शिकायत पत्र, कार्रवाई नहीं होने पर जताई नाराजगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत डोंगरिया के उपसरपंच सहित ग्रामीणों ने मंगलवार को बालाघाट कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचकर पंचायत के सहायक सचिव धनराज बाजनघाटे को तत्काल हटाकर अन्य सहायक सचिव की पदस्थापना

किए जाने की मांग की है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सहायक सचिव लंबे समय से ग्राम पंचायत कार्यालय में उपस्थित नहीं हो रहे हैं।बावजूद इसके उनके विरुद्ध अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

ग्रामीणों द्वारा जनसुनवाई में प्रस्तुत शिकायत में उल्लेख किया गया है कि सहायक सचिव धनराज बाजनघाटे की लगातार अनुपस्थिति को लेकर ग्राम पंचायत डोंगरिया की ग्रामसभा में इसी वर्ष 24 जनवरी एवं 26 जनवरी 2026 को प्रस्ताव पारित किए गए थे। प्रस्ताव में बताया गया कि सहायक सचिव लगभग आठ माह से अधिक समय से पंचायत कार्यालय में अनुपस्थित हैं। ग्रामसभा द्वारा उन्हें ग्राम पंचायत डोंगरिया से हटाकर किसी अन्य पंचायत में स्थानांतरित किए जाने की मांग की गई थी।ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत द्वारा इस मामले की जानकारी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं कलेक्टर को लगातार दी जाती रही है लेकिन इसके बावजूद आज तक सहायक सचिव के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है।

17 अगस्त को फिर पारित हुआ प्रस्ताव

ग्रामीणों के अनुसार मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर 17 अगस्त को ग्रामसभा में पुनः प्रस्ताव पारित किया गया है। इसमें सहायक सचिव के विरुद्ध ठोस कार्रवाई करते हुए उन्हें ग्राम पंचायत डोंगरिया से हटाने की मांग की गई है। इसी प्रस्ताव के आधार पर उपसरपंच एवं ग्रामीणों ने जनसुनवाई में कलेक्टर के समक्ष अपनी शिकायत रखते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की।

25 से 30 बार शिकायत का दावा

ग्राम पंचायत डोंगरिया के उपसरपंच दयाराम बाजनघाटे ने बताया कि सहायक सचिव धनराज बाजनघाटे पिछले वर्ष दिसंबर माह से पंचायत में नियमित रूप से नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें पंचायत से हटाने के लिए कलेक्टर एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के समक्ष करीब 25 से 30 बार शिकायत की जा चुकी है लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।उपसरपंच ने कहा कि पंचायत के कामकाज एवं ग्रामीणों को मिलने वाली शासकीय योजनाओं से संबंधित कार्य प्रभावित न हों इसके लिए पंचायत में अन्य सहायक सचिव की पदस्थापना आवश्यक है। उन्होंने कलेक्टर से मांग की है कि मामले की जांच कर सहायक सचिव धनराज बाजनघाटे को ग्राम पंचायत डोंगरिया से तत्काल हटाया जाए तथा उनके स्थान पर अन्य सहायक सचिव की पदस्थापना की जाए।ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि जनसुनवाई में प्रस्तुत शिकायत और ग्रामसभा के प्रस्तावों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन इस मामले में शीघ्र उचित कार्रवाई करेगा।

अतिक्रमण मुक्त की जाए गांव की शासकीय भूमि, भूमि का निस्तार में हो उपयोग

चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर, ग्रामीणों ने सौपा ज्ञापन निस्तारी रास्ता खुलवाने की भी मांग, लालबर्रा के ग्राम मोहगांव धपेरा का मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम मोहगांव धपेरा के ग्रामीणों ने गांव की शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त किए जाने की मांग की है।अपनी इसी मांग को लेकर उन्होंने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में ज्ञापन सौपा है।एक दर्जन के करीब ग्रामीणों द्वारा सौपे गए इस ज्ञापन में ग्रामीणों ने शासकीय चारागाह एवं अन्य मद की भूमि पर किए गए कथित अतिक्रमण को हटाने और निस्तारी रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मामले की जांच कर अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की है।ग्रामीणों ने बताया कि मोहगांव धपेरा में अधिकांश परिवार कृषि कार्य के साथ-साथ दुग्ध व्यवसाय और पशुपालन से जुड़े हैं। गांव के मवेशियों के लिए शासकीय मद में दर्ज छोटे झाड़ जंगल एवं घास मद की भूमि का लंबे समय से चारागाह के रूप में उपयोग किया जाता रहा है।चरवाहे भी इसी भूमि पर मवेशियों को चराने के लिए ले जाते हैं।लेकिन उक्त भूमि पर गांव के कुछ लोगो द्वारा अवैध तौर पर कब्जा किया गया है।जिससे मवेशियों को चराने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिन्होंने वहां से तत्काल अतिक्रमण हटाकर चारागाह की उक्त भूमि को अतिक्रमण मुक्त किए जाने की मांग की है।

बाड़ी बनाकर फसल लगाने का आरोप

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव के कुछ लोगों द्वारा शासकीय भूमि पर कथित रूप से अवैध बाड़ी बनाकर फसल लगा दी गई है। इसके चलते चारागाह की भूमि का रकबा लगातार कम हो रहा है।ग्रामीणों के अनुसार अतिक्रमण के कारण न केवल मवेशियों के लिए चराई की समस्या उत्पन्न हो रही है, बल्कि गांव के लोगों के आवागमन के लिए उपयोग होने वाला निस्तारी रास्ता भी बाधित हो गया है।ग्रामीणों ने बताया कि मवेशी नदी से पानी पीने के बाद इसी शासकीय भूमि की ओर चरने के लिए जाते हैं, लेकिन अतिक्रमण के चलते उन्हें पर्याप्त चारा उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। इससे पशुपालकों के सामने मवेशियों के पालन-पोषण की समस्या खड़ी हो रही है।

मवेशी चराने वालो को दी जा रही धमकियां

जनसुनवाई में दिए गए आवेदन में ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि जब चरवाहा मवेशियों को शासकीय भूमि पर चराने के लिए ले जाता है, तो कथित अतिक्रमणकारी उसे रोकते हैं। ग्रामीणों के अनुसार चरवाहे को जान से मारने की धमकियां भी दी जाती है।

सीमांकन कर अतिक्रमण हटाने की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन से शासकीय चारागाह, छोटे झाड़ जंगल एवं घास मद की भूमि का विधिवत सीमांकन कराने की मांग की है। इसके साथ ही शासकीय भूमि पर की गई कथित अवैध बाड़ी और फसल को हटाकर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा निस्तारी रास्ते को भी खुलवाने की मांग की गई है।ग्रामीणों ने कलेक्टर से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने तथा ग्रामीणों एवं उनके मवेशियों के आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का आग्रह किया है।

1 वर्ष पूर्व भी किए थे शिकायत, आज तक नही हुई सुनवाई- अक्षय

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्रामीण अक्षय नागपुरे ने बताया कि इस संबंध में ग्रामीणों की ओर से जनसुनवाई केंद्र में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि प्रशासन मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द जांच कर आवश्यक कार्रवाई करेगा। उन्होंने बताया कि यहां कोई पहला मामला नहीं है जब अतिक्रमण हटाने की मांग ग्रामीणों द्वारा की गई हो बल्कि इसके पूर्व भी अधिकारियों को ज्ञापन सौपा जा चुका है, वही 1 वर्ष पूर्व जनसुनवाई में भी ग्रामीणों द्वारा उक्त मांग को लेकर ज्ञापन सौपा गया था लेकिन आज दिनांक तक इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

कार्यालय जनपद पंचायत किरनापुर जिला बालाघाट (म.प्र.)

प्रेस विज्ञप्ति

कार्यालय जनपद पंचायत किरनापुर जिला बालाघाट (म.प्र.) में स्थित काम्पलेक्स में नव-निर्मित दुकान क्रमांक 01 से 22 तक की ई-टेण्डर निलामी की कार्यवाही की जा रही है। जिसमें निर्धारित शर्तों के अनुसार नीलामी की कार्यवाही में सम्मिलित होने वाले समस्त निविदाकार को सूचित किया जाता है कि प्रमाणित दस्तावेजों सहित mptenders पोर्टल (https://mptenders.gov.in) पर ऑनलाईन निविदाये दिनांक 18/08/2026 से दिनांक 18/09/2026 को सायं 05:30 बजे तक समस्त आवश्यक जानकारी सहित ऑनलाईन टेण्डर कर सकते है। निविदाये दिनांक 22/09/2026 को अपरान्ह 11:00 बजे जनपद पंचायत कार्यालय किरनापुर में खोली जावेगी । निविदा सामग्री का विवरण ऑनलाईन पोर्टल (https://mptenders.gov.in) पर उल्लेखित होगा। जनपद पंचायत काम्पलेक्स में निर्मित दुकानों से संबंधित निविदा संबंधी अन्य जानकारी / विवरण कार्यालीयन समय में जनपद पंचायत कार्यालय किरनापुर से देखी की जा सकती है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत किरनापुर
जिला बालाघाट(म.प्र)

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जिला बालाघाट

नया कलेक्ट्रेट भवन परिसर दूरभाष क्रमांक- 07632 239222
ईमेल- balaghat.rmsa@gmail.com

क्रमांक/एसएसए/बालिका छात्रावास/2026-27/463 बालाघाट दिनांक 17/08/2026

विज्ञापन

जिले के राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान अंतर्गत संचालित कस्तुरबा गांधी बालिका छात्रावास बैहर के वार्डन पद हेतु आवेदन पत्र 25/08/2026 तक आमंत्रित किये जाते है। बालिका छात्रावास में वार्डन पद हेतु इच्छुक महिला अभ्यार्थी जो बैहर स्थानीय स्तर पर कार्यरत है वे अपना आवेदन इस कार्यालय में दिनांक 25/08/2026 सांयकाल 5 बजे तक कार्यालयीन समय पर कर सकते है। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिला शिक्षा अधिकारी
जिला बालाघाट(म.प्र)

हम सब की लाडली प्यारी बिटिया
छवि
को प्रथम जन्मदिवस पर
अनंत शुभकामनाएं
-शुभेच्छु-
रामेश्वर शिववंशी-श्रीमती सुशीला शिववंशी दादा-दादी
धर्मेंद्र शिववंशी-श्रीमती रोशनी शिववंशी पापा-मम्मी एवं
समस्त शिववंशी ग्राम अमोली लालबर्रा।

हम सब की लाडले प्यारे बेटे
कुशाग्र
को प्रथम जन्मदिवस पर
अनंत शुभकामनाएं
-शुभेच्छु-
गणेश माले-श्रीमती सरिता माले दादा-दादी
मयंक माले-श्रीमती रेणुका माले पापा-मम्मी तन्मय
माले-चाचा एवं समस्त माले ग्राम पांढ़रवानी लालबर्रा।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
बुधवार 19 अगस्त 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

डबल मनी मामले में पुलिस ने जारी की नौवीं सूची, 1504 निवेशकों के नाम हुए सार्वजनिक

17 अगस्त की देर रात 200 और निवेशकों के नाम जारी, सूची में नाम आने के बाद भी बड़ी संख्या में लोग नहीं पहुंच रहे हेल्प डेस्क

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बहुचर्चित डबल मनी मामले में पुलिस की जांच लगातार आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में 17 अगस्त की देर रात पुलिस ने निवेशकों की नौवीं सूची जारी कर दी है। इस सूची में 200 नए निवेशकों के नाम शामिल किए गए हैं। इसके साथ ही अब तक सार्वजनिक किए गए निवेशकों की कुल संख्या बढ़कर 1504 हो गई है। पुलिस ने एक बार फिर सूची में शामिल सभी लोगों से अपील की है कि वे अपने चेक, निवेश से जुड़े दस्तावेज और अन्य आवश्यक अभिलेखों के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बनाए गए हेल्प डेस्क पर पहुंचकर जांच में सहयोग करें। डबल मनी मामले में पुलिस एक-एक कर निवेशकों की पहचान कर रही है और सूची के माध्यम से उनके नाम सार्वजनिक किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि निवेशकों से सीधे जानकारी और दस्तावेज प्राप्त होने के बाद ही पूरे मामले की परतें खुल सकेंगी और निवेश की वास्तविक स्थिति सामने आ सकेगी। यही कारण है कि पुलिस लगातार लोगों से आगे आने और जांच में सहयोग करने की अपील कर रही है। पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पहली सूची में 113 निवेशकों के नाम शामिल किए गए थे। इसके बाद लगातार चार सूचियों में 150-150 निवेशकों के नाम सार्वजनिक किए गए। इसके बाद छठी सूची में 191 निवेशकों के नाम जारी किए गए, जबकि सातवीं, आठवीं और अब नौवीं सूची में 200-200 निवेशकों के नाम शामिल किए गए हैं। इस प्रकार अब तक कुल 1504 निवेशकों की पहचान कर उनके नाम सार्वजनिक किए जा चुके हैं। हालांकि, पुलिस के सामने अब एक नई चुनौती भी खड़ी हो गई है। सूची में नाम शामिल होने के बावजूद बड़ी संख्या में निवेशक अब तक पुलिस अधीक्षक कार्यालय में स्थापित हेल्प डेस्क तक नहीं पहुंचे हैं। इससे जांच की प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, सूची में शामिल कुछ निवेशक शासकीय विभागों से जुड़े हो सकते हैं। हालांकि, इस संबंध में पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। जानकारों का मानना हैं कि यदि सूची में शामिल निवेशक समय पर अपने दस्तावेज जमा नहीं करते हैं तो जांच की प्रक्रिया लंबी खिंच सकती है। वहीं, पुलिस भी लगातार यह स्पष्ट कर रही है कि जिन लोगों के नाम सूची में शामिल किए जा रहे हैं, केवल उन्हीं लोगों को हेल्प डेस्क पर पहुंचना चाहिए, जबकि अन्य निवेशकों को अपने नाम सार्वजनिक होने का इंतजार करना होगा। डबल मनी मामले में लगातार नए नाम सामने आने से जिले में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। लोगों की नजर अब पुलिस की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई है। यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले दिनों में पुलिस कितनी और सूचियां जारी करती है और इस मामले में जांच किस दिशा में आगे बढ़ती है। वहीं, हजारों निवेशकों की उम्मीदें भी अब पुलिस जांच और प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

खत्म होने का नाम ही नही ले रही बाघ की दहशत

बाघ के हमले में युवक गंभीर घायल, लाठी से वार कर बचाई जान, जंगल की ओर जा रहे संतोष मेश्राम पर अचानक झपटा बाघ, सिर और हाथ में आई गंभीर चोटें,चल रहा उपचार, 19 दिनों में यह चौथी घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर जोन अंतर्गत खापा परिक्षेत्र के ग्राम करेली में उस समय हड़कंप मच गया, जब जंगल की ओर जा रहे करीब 30 वर्षीय युवक पर अचानक बाघ ने हमला कर दिया। बाघ के हमले में युवक के सिर और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। घायल युवक की पहचान संतोष मेश्राम के रूप में की गई है। घटना के बाद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।आपको बताएं कि बैहर क्षेत्र के बाघ के हमले का यह कोई पहला मामला नहीं है बल्कि क्षेत्र में आए दिनों बाघ का आतंक देखने को मिल रहा है जिससे निजात दिलाने की मांग स्थानीय ग्रामीणों द्वारा की जा रही है।

खेत जाते समय जंगल के पास किया हमला

जानकारी के अनुसार,सोमवार सुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच संतोष मेश्राम अपने घर से खेत की ओर जा रहा था। वह जंगल के समीप पहुंचा ही था कि अचानक बाघ ने उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से युवक संभल नहीं पाया और बाघ ने उसे घायल कर दिया।

लाठी से बाघ के सिर पर किया वार

बताया गया कि बाघ के हमले के दौरान संतोष ने हिम्मत नहीं हारी। उसके हाथ में मौजूद लाठी से उसने बाघ के सिर पर वार कर दिया। युवक के प्रतिरोध के बाद बाघ उसे छोड़कर जंगल की ओर चला गया। इसके बाद घायल संतोष किसी तरह अपनी जान बचाकर घर पहुंचा।जिनके परिजनों ने उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया है।जहाँ उनका उपचार जारी है

युवक की हालत स्थिर ,खतरे से बाहर

उधर घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों द्वारा वन विभाग को मामले की सूचना दी गई।उक्त सूचना मिलने पर विभागीय कर्मचारी बैहर अस्पताल पहुचे, जहा उन्होंने मामले में नियमानुसार कार्यवाही व मुआवजा देने का भरोसा दिलाया।चिकित्सकों के अनुसार युवक के सिर और हाथ में चोटें आई हैं। फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

लगातार बाघ की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत

गौरतलब है कि बैहर क्षेत्र के जंगल और उससे लगे ग्रामीण इलाकों में लगातार बाघ की मौजूदगी और हमले की घटनाओं से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि जंगल से लगे क्षेत्रों में बाघों की लगातार आवाजाही के बावजूद सुरक्षा को लेकर प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। लोगों का आरोप है कि लगातार घटनाओं के बाद भी वन विभाग की कार्रवाई समझ से परे है।

जिले में बाघ के हमले की 19 दिन में चौथी घटना

हालांकि, कान्हा से सटे करेली गांव में बाघ के हमले की यह पहली घटना है, लेकिन जिले में लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से ग्रामीण दहशत में हैं। वे वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं और बाघों के हमलों को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। इससे पूर्व 2 अगस्त को पर्रापुर के बैगाटोला में घर में सो रही महिला सुगनीबाई पर बाघ ने हमला किया था। जिसमें महिला की मौत हो गई थी। जबकि दूसरी घटना 7 अगस्त की है। वहीं जिले के खैरलांजी में 10 अगस्त को जंगल की ओर मवेशी चराने गए देवकराम बाघमारे और दो मवेशियों पर बाघ ने हमला किया था। जिसमें बुजुर्ग देवकराम सहित मवेशियों की मौत हो गई थी।

सिर में चोट के कारण निगरानी में रखा गया है,हालत स्थिर-डॉ.कौशल

चर्चा के दौरान बैहर अस्पताल के डॉ. कौशल कुमार ने बताया कि संतोष के सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोटें आई हैं, जहां टांके लगाए गए हैं। उसके हाथों पर भी बाघ के हमले के निशान हैं। फिलहाल मरीज की हालत स्थिर है, लेकिन सिर में चोट के कारण उसे निगरानी में रखा गया है। न्यूरोलॉजिकल समस्याओं की जांच के बाद ही उसेअस्पताल से छुट्टी दी जाएगी

समय रहते उठाए जाए उचित कदम-ग्रामीणजन

स्थानीय ग्रामीणों ने आए दिनों हो रही इन घटनाओं पर अपनी नाराजगी जताई है।ग्रामीणों ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की।उन्होंने वन विभाग से जंगल से लगे गांवों में निगरानी बढ़ाने, बाघ की गतिविधियों पर नजर रखने और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में कोई बड़ी जनहानि हो सकती है।

भरवेली के मुख्य बाजार से शराब दुकान हटाने की मांग, विधायक मुंजारे ने किया आकस्मिक निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मॉयल नगरी भरवेली के मुख्य बाजार में संचालित शराब दुकान को हटाकर अन्यत्र स्थानांतरित किए जाने की मांग अब लगातार जोर पकड़ती जा रही है। मुख्य बाजार जैसे भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक क्षेत्र में शराब दुकान संचालित होने को लेकर स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों में नाराजगी बनी हुई है। पिछले कई दिनों से लोग शराब दुकान को बाजार क्षेत्र से हटाने की मांग उठा रहे हैं। इसी मामले को गंभीरता से लेते हुए विधायक अनुभा मुंजारे ने मंगलवार को शराब दुकान का आकस्मिक निरीक्षण कर मौके की स्थिति का जायजा लिया। आकस्मिक निरीक्षण के दौरान विधायक को शराब दुकान के आसपास साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिली। दुकान के बाहर गंदगी पसरी हुई दिखाई दी। वहीं स्थानीय लोगों द्वारा लगाए जा रहे आरोपों के अनुसार शराब दुकान के आसपास अवैध रूप से अहाते संचालित किए जा रहे हैं और लोगों को दुकान के बाहर ही बैठाकर शराब पिलाई जा रही है। बाजार क्षेत्र में इस तरह की गतिविधियां संचालित होने को लेकर स्थानीय नागरिकों ने विधायक के सामने अपनी नाराजगी भी जाहिर की। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि भरवेली का मुख्य बाजार अत्यंत व्यस्त और सार्वजनिक क्षेत्र है, जहां दिनभर बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे स्थान पर शराब दुकान संचालित होने से आम नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और परिवारों को बाजार आने-जाने के दौरान असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि शराब दुकान के आसपास खुले में शराबखोरी और गंदगी की स्थिति बाजार के सामाजिक वातावरण पर भी विपरीत प्रभाव डाल रही है। मुंजारे ने सरकार और प्रशासन की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक ओर लोगों को नशे से दूर रहने के लिए 'नशे से दूरी है जरूरी' जैसे जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर भरवेली के मुख्य बाजार में शराब दुकान संचालित हो रही है। जब स्थानीय माताएं-बहनें और नागरिक लगातार शराब दुकान हटाने की मांग कर रहे हैं, तब उनकी आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनभावनाओं को देखते हुए प्रशासन को इस मामले में केवल आश्वासन देने के बजाय ठोस निर्णय लेना चाहिए। विधायक ने कहा कि यदि सरकार वास्तव में नशामुक्त और बेहतर सामाजिक वातावरण बनाने की दिशा में गंभीर है तो भरवेली के मुख्य बाजार से शराब दुकान को हटाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शराब दुकान के स्थान को लेकर स्थानीय लोगों की आपत्ति लगातार सामने आ रही है और इसे केवल एक सामान्य शिकायत मानकर टाला नहीं जा सकता। बाजार में महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और परिवारों की आवाजाही को देखते हुए दुकान के स्थान पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। विधायक अनुभा मुंजारे ने यह भी बताया कि भरवेली की इस समस्या को उनके द्वारा विधानसभा में भी प्रमुखता से उठाया गया है। बजट एवं मानसून सत्र 2026 के दौरान प्रश्नकाल, शून्यकाल और ध्यानाकर्षण सूचना के माध्यम से सरकार से इस संबंध में जवाब मांगा गया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा के माध्यम से भी सरकार का ध्यान भरवेली के मुख्य बाजार में संचालित शराब दुकान और स्थानीय नागरिकों की मांग की ओर आकर्षित कराया गया है। अब सरकार और जिला प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह जनता की परेशानी को गंभीरता से लेते हुए इस दिशा में निर्णय ले। उन्होंने कहा कि शराब दुकान को मुख्य बाजार से हटाने की मांग किसी एक व्यक्ति की नहीं बल्कि बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों और माताओं-बहनों की मांग है। ऐसे में प्रशासन को मौके की वास्तविक स्थिति का परीक्षण कर जनहित में निर्णय लेना चाहिए। विधायक ने उम्मीद जताई कि सरकार और जिला प्रशासन भरवेलीवासियों की भावनाओं को समझते हुए शराब दुकान को मुख्य बाजार से अन्यत्र स्थानांतरित करने की दिशा में जल्द आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

मत्स्य समितियों में 238 सदस्यों के निष्कासन का मामला अटका, सहकारिता विभाग पर उठे गंभीर सवाल

जिला स्तरीय समिति के फैसले के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई, मछुआरा समाज ने सात दिन में निर्णय नहीं होने पर आंदोलन की दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा विकासखंड की मत्स्य सहकारी समितियों में 238 सदस्यों के निष्कासन की कार्रवाई लंबित रहने का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। जिला स्तरीय समिति द्वारा निर्णय लिए जाने के बावजूद महीनों बाद भी कार्रवाई नहीं होने से मछुआरा समाज में नाराजगी बढ़ती जा रही है। इस पूरे मामले को लेकर लालबर्रा से पहुंचे मछुआरा समाज के प्रतिनिधियों ने कलेक्टर को शिकायत सौंपते हुए सहकारिता विभाग के प्रभारी उपायुक्त पर पद के दुरुपयोग, जिला स्तरीय समिति के निर्णय की अनदेखी और अपात्र सदस्यों को संरक्षण देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ताओं ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

18 अगस्त को जनसुनवाई में लालबर्रा निवासी शेखर जैसवाल ने बताया कि वह कई वर्षों से मत्स्य समितियों में अपात्र सदस्यों के मामले को लेकर लगातार आवेदन और शिकायत करते आ रहे हैं, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हो सका है। उनका कहना है कि प्रशासनिक स्तर पर स्पष्ट निर्णय होने के बाद भी कार्रवाई नहीं होना कई सवाल खड़े करता है। शिकायत के अनुसार 8 जून 2026 को जिला पंचायत अध्यक्ष की अध्यक्षता में जिला स्तरीय निष्कासन समिति की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में उन सदस्यों की सदस्यता समाप्त करने पर विचार किया गया था, जिन्होंने निर्धारित समय सीमा के भीतर जाति प्रमाण पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज जमा नहीं किए थे। समिति ने 238 सदस्यों को समितियों से निष्कासित करने का निर्णय लिया था, लेकिन आरोप है कि संबंधित विभाग ने आज तक इस निर्णय को अमल में नहीं लाया। पूरा मामला लालबर्रा विकासखंड की चार मत्स्य सहकारी समितियों से जुड़ा हुआ है। इनमें बोरी, टेकाड़ी, पांढरवानी और बहेगांव समितियां शामिल हैं। इन चारों समितियों में कुल 409 सदस्य दर्ज हैं। इनमें से 171 सदस्यों ने अपने जाति प्रमाण पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज विभाग के समक्ष प्रस्तुत कर दिए थे, जबकि 238 सदस्य बार-बार अवसर दिए जाने के बावजूद आवश्यक प्रमाणक जमा नहीं कर सके। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि मत्स्य विभाग द्वारा 15 जुलाई 2025, 22 जुलाई 2025 और 23 फरवरी 2026 को संबंधित समितियों के अध्यक्षों, सचिवों और सदस्यों को पत्र जारी कर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद संबंधित सदस्यों द्वारा प्रमाण पत्र जमा नहीं किए गए। मामले का सबसे महत्वपूर्ण पहलू वंशानुगत मछुआरों की पहचान से जुड़ा हुआ है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि मत्स्य नीति 2008 के अनुसार वंशानुगत मछुआरा समुदाय को प्राथमिकता देने का स्पष्ट प्रावधान है। ऐसे में समिति में शामिल सदस्यों की पात्रता का निर्धारण करना आवश्यक है। उनका आरोप है कि कई अपात्र और फर्जी सदस्य समितियों में शामिल हैं, जिससे वास्तविक और पात्र मछुआरों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि जिला स्तरीय समिति ने सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर पात्रता की जांच करने के निर्देश दिए थे। इसका उद्देश्य वास्तविक वंशानुगत मछुआरों की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता देना था, लेकिन विभागीय स्तर पर कार्रवाई नहीं होने से पूरी प्रक्रिया अधर में लटक गई है। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि मत्स्य विभाग पहले ही 238 सदस्यों की सदस्यता समाप्त करने की अनुशंसा कर चुका है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि भविष्य में संबंधित सदस्य आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करते हैं तो नियमानुसार उन्हें दोबारा सदस्य बनाए जाने पर विचार किया जा सकता है। इसके बावजूद कार्रवाई नहीं होना प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। मछुआरा समाज का आरोप है कि सहकारिता विभाग के प्रभारी उपायुक्त जिला स्तरीय समिति के निर्णय को लागू करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। इसे प्रशासनिक लापरवाही और नियमों की अवहेलना बताते हुए शिकायतकर्ताओं ने कलेक्टर से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।मामले को लेकर मछुआरा समाज ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि सात दिनों के भीतर निष्कासन की कार्रवाई नहीं की गई और दोषियों के खिलाफ जांच शुरू नहीं हुई, तो समाज आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होगा। अब सबकी नजर प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हुई है। सवाल यह है कि जिला स्तरीय समिति के स्पष्ट निर्णय के बावजूद आखिर 238 सदस्यों के निष्कासन की कार्रवाई अब तक क्यों नहीं हुई और इसके लिए जिम्मेदार कौन है।

पेंशनर्स की 12 सूत्रीय मांगों पर सरकार को चेताया, सौंपा ज्ञापन

लंबित समस्याओं का जल्द निराकरण नहीं हुआ तो संघर्ष करेंगे पेंशनर्स, महंगाई राहत से लेकर ओपीएस लागू करने तक उठाई मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रमुख पेंशन संगठन ने पेंशनर्स की लंबित समस्याओं को लेकर शासन से शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है। संगठन के पदाधिकारी शिवशंकर गंगेले ने कहा कि पेंशनर्स लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर शासन का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, लेकिन अब भी कई महत्वपूर्ण मांगों का निराकरण नहीं हो पाया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 12 सूत्रीय मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो पेंशनर्स को मजबूर होकर संघर्ष का रास्ता अपनाना पड़ेगा। शिवशंकर गंगेले ने बताया कि पेंशनर्स की सबसे प्रमुख मांग जुलाई 2019 से केंद्रीय तिथि के अनुसार महंगाई राहत का नियमित भुगतान किए जाने की है। केंद्र के अनुरूप राहत नहीं मिलने से जुलाई 2019 से दिसंबर 2025 तक 90 माह की बकाया एरियर राशि का भुगतान किया जाए। इसके साथ ही जुलाई 2025 का 3 प्रतिशत बकाया एरियर, जनवरी 2026 से 2 प्रतिशत राहत राशि तथा जुलाई 2026 से 3 प्रतिशत महंगाई राहत का भुगतान भी किया जाए। उन्होंने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर के 31 अक्टूबर 2025 के निर्णय के अनुसार छठवें वेतन आयोग की अवधि 1 जनवरी 2006 से 31 अगस्त 2008 तक के 32 माह के एरियर का 6 प्रतिशत ब्याज सहित भुगतान किया जाना चाहिए। वहीं 1 जनवरी 2016 से पहले सेवानिवृत्त पेंशनर्स का केंद्र सरकार के 12 मई 2017 के परिपत्र एवं संबंधित पत्रों के अनुसार काल्पनिक वेतन निर्धारण कर सातवें वेतन आयोग की अवधि 1 जनवरी 2016 से 31 मार्च 2018 तक के 27 माह के एरियर का भुगतान करने की मांग भी की गई है। संगठन ने शासकीय कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के लिए नि:शुल्क उपचार की व्यवस्था लागू करने, पेंशन प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए जिला एवं संभागीय स्तर पर पेंशन कार्यालय पुन: शुरू करने की मांग रखी है। पेंशनर्स को हिमाचल सरकार की तर्ज पर अतिरिक्त पेंशन देने की मांग भी की गई है। इसके तहत 65 वर्ष पर 5 प्रतिशत, 70 वर्ष पर 10 प्रतिशत, 75 वर्ष पर 15 प्रतिशत और 80 वर्ष की आयु से 20 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन दिए जाने की मांग है। विद्युत मंडल के पेंशनर्स को पेंशन की गारंटी देने और जिला कोषालय के माध्यम से पेंशन भुगतान की व्यवस्था करने की मांग भी संगठन ने उठाई है। इसके अलावा सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चतुर्थ समयमान वेतनमान का लाभ देने तथा पेंशन सारांशीकरण की अवधि 15 वर्ष से घटाकर 11 वर्ष 9 माह करने की मांग की गई है। शिक्षकों को पात्रतानुसार अर्जित अवकाश के नगदीकरण का लाभ देने के साथ पेंशनर्स कल्याण मंडल, पेंशनर्स फोरम तथा संभागीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा समिति का गठन करने की मांग भी रखी गई है। वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम के तहत समितियों का गठन कर उनकी नियमित बैठकें आयोजित कराने की मांग की गई है। श्री गंगेले ने कहा कि पेंशन, एनपीएस और यूपीएस की जगह पुरानी पेंशन योजना यानी ओपीएस लागू की जानी चाहिए। उन्होंने शासन से सभी मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र निर्णय लेने की अपील की है। संगठन का कहना है कि लगातार मांगों की अनदेखी होने की स्थिति में प्रदेशभर के पेंशनर्स आंदोलनात्मक कदम उठाने के लिए बाध्य होंगे।

जनभागीदारी समिति के सदस्यों ने महाविद्यालय पहुंचकर प्राचार्या से मुलाकात कर बैठक करवाने की मांग की

प्रभारी प्राचार्या ने निर्णय के लिए मांगा एक सप्ताह का समय, जल्द बैठक होनी चाहिए

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में जनभागीदारी समिति की बैठक लंबे समय से नहीं होने का मुद्दा एक बार फिर सामने आया है। करीब 20 माह से समिति की बैठक आयोजित नहीं होने के बाद अब समिति के सदस्य बैठक बुलाये जाने की मांग को लेकर सक्रिय हो गये हैं। मंगलवार को जनभागीदारी समिति के तीन सदस्य किशोर पालीवाल जनपद उपाध्यक्ष लालबर्रा, हिमालय पटेल एवं डामेन्द्र धानेश्वर महाविद्यालय पहुंचे और प्रभारी प्राचार्या प्रो. संगीता मेश्राम से मुलाकात की और विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर जल्द जनभागीदारी की बैठक करवाने एवं महाविद्यालय की व्यवस्थाओं सुधार करने की मांग की है ताकि छात्र-छात्राओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। समिति सदस्यों ने प्रभारी प्राचार्या के समक्ष अपनी बात रखते हुए महाविद्यालय की वर्तमान परिस्थितियों पर चर्चा के लिए जनभागीदारी समिति की बैठक शीघ्र आयोजित करवाने का आग्रह किया। इस पर प्रभारी प्राचार्या ने समिति के वर्तमान स्वरूप को लेकर व्यावहारिक कठिनाई सामने रखी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जनभागीदारी समिति डिजॉल्व हो चुकी है, ऐसे में बैठक किस आधार पर आयोजित होगी, उसका एजेंडा कौन तय करेगा और बैठक की अध्यक्षता अथवा संचालन किस प्रकार होगा, यह स्पष्ट होना आवश्यक है। जिस पर जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने बताया कि इस संबंध में उनकी अनुविभागीय अधिकारी, वारासिवनी से चर्चा हो चुकी है। उन्होंने प्रभारी प्राचार्या को सुझाव दिया कि बैठक आयोजन को लेकर आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए कलेक्टर बालाघाट से पत्राचार किये जाने की बात कही। वहीं समिति सदस्य डामेन्द्र धानेश्वर ने भी सुझाव दिया कि यदि जनभागीदारी समिति की बैठक आयोजित करने को लेकर किसी प्रकार का प्रशासनिक अथवा

प्रक्रियात्मक असमंजस है तो महाविद्यालय की अग्रणी संस्था जेएसटी कॉलेज बालाघाट के प्राचार्य से लिखित मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सकता है, ताकि आगे की कार्यवाही स्पष्ट प्रक्रिया के तहत की जा सके।

महाविद्यालय की समस्याओं पर चर्चा के लिए बैठक जरूरी

समिति सदस्यों ने प्रभारी प्राचार्या को बताया कि महाविद्यालय स्तर पर कई विषय ऐसे हैं, जिन पर सामूहिक चर्चा और निर्णय की आवश्यकता है। उनका कहना था कि जनभागीदारी समिति महाविद्यालय और स्थानीय समाज के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है, इसलिए समिति की बैठक नियमित रूप से होना महाविद्यालय के हित में आवश्यक है। वहीं सदस्यों ने इस दौरान जेएसटी कॉलेज बालाघाट के प्राचार्य द्वारा गत 25 जून को जारी किये गये एक पत्र का भी उल्लेख किया। बताया गया कि उक्त पत्र के माध्यम से जिले के शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों को शासन के पूर्व निर्देशों के अनुरूप जनभागीदारी समिति की बैठक आयोजित करने के संबंध में निर्देशित किया गया था। वहीं सभी पक्षों की बात ध्यानपूर्वक सुनने के बाद प्रभारी प्राचार्या प्रो. संगीता मेश्राम ने बैठक आयोजित किये जाने अथवा नहीं किये जाने के संबंध में आवश्यक विचार-विमर्श एवं मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए लगभग एक सप्ताह का समय मांगा है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी गत 14 अगस्त को जनभागीदारी समिति के सदस्य सरोवर टेम्भरे, हिमालय पटेल एवं डामेन्द्र धानेश्वर महाविद्यालय पहुंचे थे। उनका उद्देश्य समिति की बैठक आयोजित करवाने के संबंध में संबंधित पक्ष से चर्चा करना था, लेकिन उस समय प्रभारी प्राचार्या प्रो. संगीता मेश्राम के अवकाश पर होने के कारण चर्चा आगे नहीं बढ़ सकी थी। इसके बाद मंगलवार को समिति सदस्यों ने पुनः महाविद्यालय पहुंचकर इस विषय को प्रभारी प्राचार्य के समक्ष रखा। फिलहाल निगाहें प्रभारी प्राचार्या के अगले कदम पर टिकी हैं। उनके द्वारा मांगा गया एक सप्ताह का समय इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि इसके बाद जनभागीदारी समिति की बैठक को लेकर स्थिति कितनी स्पष्ट होती है और महाविद्यालय की अन्य समस्याओं के समाधान के लिए क्या पहल सामने आती है। वहीं जनभागीदारी समिति के सदस्यों ने जल्द बैठक आयोजित करवाने की मांग प्रभारी प्राचार्या से की है।

बकोड़ा में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस, मेधावी छात्र-छात्राएं हुए सम्मानित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत बकोड़ा में गत दिवस राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रातः 7.30 बजे पंचायत भवन बकोड़ा में महात्मा गांधी सहित अन्य शहीदों के छायाचित्रों के समक्ष सरपंच श्रीमती पुष्पा

नागेश्वर, उपसरपंच श्रीनिवास कावरे, पंचगणों एवं स्थानीय गणमान्य नागरिकों द्वारा पूजा-अर्चना की गई। तत्पश्चात सरपंच श्रीमती पुष्पा नागेश्वर के द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं तिरंगे झंडे को सलामी दी गई। जिसके बाद सामूहिक राष्ट्रगान का गायन किया गया और सरपंच श्रीमती नागेश्वर ने सभी को स्वतंत्रता दिवस पर्व की शुभकामनाएं दी। इसी तरह बकोड़ा स्थित शासकीय पीएम श्री हाई स्कूल में भी स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न होने के बाद स्कूल से छात्र-छात्राओं के साथ प्रभात फेरी निकाली गई। जो ग्राम भ्रमण करते हुए सांई मंदिर चौक पहुंची। सांई मंदिर चौक पर केशव देशमुख जी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। जिसके बाद रैली पीएम श्री हाई स्कूल पहुंची जहां मुख्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सरपंच श्रीमती पुष्पा नागेश्वर तथा विशेष अतिथि उपसरपंच श्रीनिवास कावरे, बेनीराम चुरहे, सोहन कावरे, धनीराम बाहेश्वर एवं नन्दकिशोर बंशपाल रहे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल प्राचार्य श्री अंगूरे ने की। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के द्वारा गीत, भाषण एवं नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दिये एवं उत्कृष्ट प्रस्तुती देने वाले छात्र-छात्राओं को अतिथियों के हस्ते पुरस्कृत किया गया। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने सभी को राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए अच्छी पढ़ाई कर आगे बढ़ने हेतु उचित मार्गदर्शन दिया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

कार्यक्रम के दौरान मेधावी विद्यार्थियों को सरपंच प्रतिनिधि श्रीराम नागेश्वर के द्वारा नकद राशि एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

इस दौरान कक्षा 10 वीं की छात्रा रीना/धनीराम बाहेश्वर ने 92.6 प्रतिशत अंक लेकर स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, स्वाति/अशोक माते ने 91.6 प्रतिशत से उत्तीर्ण हुई है। दोनों छात्राओं को उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने पर सरपंच प्रतिनिधि श्रीराम नागेश्वर द्वारा 2500-2500 रूपये की प्रोत्साहन राशि एवं शील्ड प्रदान की गई है। वहीं कक्षा 8 वीं में यामिनी/राजेन्द्र हरदे ने 84 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण हुए है जिन्हे भी नगद राशि एवं शील्ड प्रदान कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इसके अतिरिक्त सरपंच श्रीमती पुष्पा नागेश्वर के द्वारा पंचायतकर्मी रमेश नागेश्वर, दीनाराम बाहेश्वर, नंदकिशोर बागड़े का श्रीफल व शाल भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

खेत की मेढ़ से फिसलकर गिरने से किसान की मौत

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 12 किमी. दूर ग्राम पंचायत बांदरी के अंतर्गत आने वाले ग्राम बोट्टा में एक दुःखद हादसा सामने आया है। यहां 50 वर्षीय किसान अशोक नागेश्वर की खेत की मेढ़ से पैर फिसलने के कारण कीचड़ व पानी में डूबने से अकाल मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मेढ़ की कीचड़ में पैर फिसलने से हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बोट्टा निवासी 50 वर्षीय अशोक नागेश्वर खेती-किसानी के साथ मजदूरी का कार्य करता था। वे मंगलवार सुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच घर के पीछे स्थित खेत में मवेशियों के लिए घास लेने गया था, बारिश के कारण खेत की मेढ़ (पार) पर कीचड़ रहा होगा और उसकी ऊंचाई भी अधिक थी। वहीं खेत जाते समय मेढ पर चलने के दौरान अचानक उनका पैर फिसल गये, जिससे वे अनियंत्रित होकर नीचे पानी से भरी बंदिया (खेत) में मुंह के बल जा गिरे। खेत में कीचड़ और अत्यधिक पानी भरा होने के कारण वे समय पर उठ नही पाये। जिसके बाद सुबह करीब 11 बजे तक जब अशोक घर वापस नहीं लौटा तो उनकी बहू मकान के पीछे खेत की ओर गई तो अपने ससुर को खेत में गिरा देखकर वह घबरा गई और तत्काल परिजनों को सूचना दी। जिसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की खबर फैलते ही घटना स्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। वहीं खेत में गिरने से

किसान की मौत हो जाने की जानकारी लालबर्रा पुलिस को दी गई। जिसके बाद थाना प्रभारी के निर्देश पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने के बाद शव बरामद कर शव को लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आये जहां चिकित्सकों द्वारा पोस्टमार्टम किये जाने के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। बताया जा रहा है कि किसान अशोक नागेश्वर मंगलवार की सुबह खेत घास के लिए मकान के पीछे स्थित खेत गया था, खेत जाते समय पैर फिसलने से वह मेढ़ किनारे बंदिया में मुंह के भरोसे गिर गया और बंदिया में पानी भरा हुआ था एवं कीचड़ होने से वह उठ भी नही पाया और पानी में अधिक समय तक डुबे रहने से उसकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। वहीं घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो चुका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

परिजनों को दिलवाया जायेगा योजना का लाभ - व्यंकटराव

बांदरी सरपंच व्यंकटराव राहंगडाले ने बताया कि बोट्टा निवासी किसान अशोक नागेश्वर मंगलवार की सुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच मकान के पीछे स्थित खेत में घास के लिए गये थे, तभी पैर फिसलने से वह मेढ़ से सीधे खेत में गिर गये। बंदी में कीचड़ व अधिक पानी होने के कारण उनके हाथ-पैर फंस गये और वे खुद को संभाल नहीं पाये। अधिक समय तक पानी में रहने के चलते उनकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। श्री राहंगडाले ने बताया कि पुलिस ने पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है एवं मामले की जांच कर रही है। मृतक परिवार का मुखिया था, मृतक के परिजनों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलवाया जायेगा।

पनबिहरी प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी सेवा केंद्र में योग तपस्या भट्टी कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी स्थित प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र में मंगलवार को एक दिवसीय 'योग तपस्या भट्टी' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत ब्रम्हाकुमारी माधुरी दीदी, ब्रम्हाकुमारी उर्वशी दीदी, ब्रम्हाकुमारी उज्जवला दीदी एवं उपस्थित श्रध्दालुओं द्वारा परमपिता परमात्मा के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण के साथ की गई। प्रातः 10.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक चले इस योग तपस्या भट्टी कार्यक्रम में श्रध्दालुओं ने गहन योग-साधना की। इस योग तपस्या भट्ठी कार्यक्रम के दौरान ब्रम्हाकुमारी माधुरी दीदी ने उपस्थित भाई-बहनों को परमपिता परमेश्वर का परिचय दिया। साथ ही संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका आदरणीया दादी प्रकाशमणि जी की जीवनगाथा एवं उनकी तपस्या के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सभी को धार्मिक आस्था से जुड़ने तथा सत्य के मार्ग पर चलते हुए स्वस्थ एवं व्यसनमुक्त जीवन जीने की प्रेरणा दी।

10 करोड़ लोगों को नशा मुक्ति से जोड़ने का संकल्प

वहीं प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि जी की पावन स्मृति में 'नशा मुक्त भारत अभियान - विकसित भारत की ओर एक सशक्त कदम' के तहत गत 6 अगस्त से 20 अगस्त तक 10 करोड़ लोगों को नशा मुक्ति की प्रतिज्ञा दिलवाने का महाअभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत सेवा केन्द्र में उपस्थित सभी भाई-बहनों को स्वयं हर प्रकार के नशे से दूर रहने तथा समाज के अन्य लोगों

को भी व्यसनमुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करने का संकल्प दिलवाया गया। चर्चा में ब्र.कु. उर्वशी दीदी ने बताया कि आगामी 25 अगस्त को विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाये जाने वाले कार्यक्रम से पूर्व दादी प्रकाशमणि जी की शिक्षाओं और श्रेष्ठ जीवन प्रेरणाओं को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में लालबर्रा सेवा केन्द्र में प्रातः 10.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक विशेष योग तपस्या भट्टी कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें क्षेत्र के लगभग 60 से 70 भाई-बहनों ने सहभागिता कर शांति की अनुभूति की और आत्मिक उन्नति का संकल्प लिया। आगे बताया कि भारत सरकार के सहयोग से ब्रम्हाकुमारी सेवा केन्द्र के द्वारा पूरे देश में 6 अगस्त से 20 अगस्त तक नशामुक्त भारत का महाअभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 10 करोड़ लोगों को नशामुक्त करने की प्रतिज्ञा दिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अंतर्गत ब्रम्हाकुमारी बहने एवं भाई प्रतिदिन स्कूलों, कॉलेजों, उद्योगों, जेलों और सार्वजनिक स्थानों पर जाकर युवाओं को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं। साथ ही यह भी बताया कि यदि हमें भारत को एक सशक्त और विकसित राष्ट्र बनाना है, तो सबसे पहले नशीली चीजों का सेवन बंद करना होगा। जब तक नशा खत्म नहीं होगा, तब तक परिवार, समाज और राष्ट्र का कल्याण संभव नहीं है।

बुजुर्गों का सम्मान करने की अपील

ब्र.कु उर्वशी दीदी ने योग तपस्या भट्टी कार्यक्रम के दौरान आम जनता को संदेश देते हुए कहा कि घर के बड़े-बुजुर्गों का सम्मान करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने एक प्रेरक विचार साझा करते हुए कहा कि जब से समाज में बुजुर्गों का सम्मान कम हुआ है, तब से दुआओं की जगह दवाइयों का सहारा बढ़ना शुरू हो गया है। उन्होंने विश्व में विशिष्ट पहचान रखने वाली दादी प्रकाशमणि जी के पदचिन्हों पर चलकर श्रेष्ठ जीवन बनाने का आव्हान किया है। इस अवसर पर ब्र.कु. बहन-भाई बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

घोटी में परम पूज्य परमात्मा एक सेवक मंडल का विशेष चर्चा बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। परम पूज्य परमात्मा एक सेवक मंडल, वर्धमान नगर नागपुर के अंतर्गत आने वाले ग्राम घोटी में 18 अगस्त को परम पूज्य परमात्मा एक सेवक मंडल का भव्य धार्मिक एवं संगठनात्मक पर विशेष चर्चा बैठक संपन्न हुई। यह बैठक परमात्मा एक सेवक मंडल के सेवक पुरनलाल तितरमारे, श्यामलाल तितरमारे एवं तनोज लानगे के निवास स्थान पर नियम-मर्यादा के अनुसार मासिक नवां हवन पूजन संपन्न होने के बाद विशेष चर्चा बैठक प्रारंभ हुई। बैठक में मानव धर्म के संदेश, समाज में एकता, सत्य, मर्यादा, प्रेम और निःस्वार्थ सेवा भाव को आगे बढ़ाने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। साथ ही सभी से कहा गया कि गलत व्यसनों से दुर रहकर स्वस्थ जीवन जीने प्रेरित किया। वहीं बैठक संपन्न होने के बाद सभी को महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला एवं पुरूष सेवक-सेविकाएं उपस्थित रहे।

पाण्डेवाड़ा में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पांडेवाड़ा में देश के 80 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय पर्व बड़े उमंग एवं देशभक्ति के वातावरण में धूमधाम मनाया गया। इस अवसर पर 15 अगस्त को प्रातः 7.30 बजे पंचायत भवन में सरपंच एवं शासकीय स्कूलों में संस्था प्रमुख के द्वारा विधि-विधान से पूजा अर्चना कर ध्वजारोहण किया गया तत्पश्चात तिरंगे झंडे को सलामी दी गई एवं सामूहिक राष्ट्रगान का गायन किया गया। जिसके बाद देश की स्वतंत्रता के लिये अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रध्दापूर्वक याद करते हुए उन्हें नमन किया गया। इस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्कूल के

छात्र-छात्राओं के द्वारा देशभक्ति गीत, भाषण, कविता एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों के माध्यम से देशप्रेम और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। इस अवसर पर सरपंच युवराज सोनवाने, जनपद सदस्या श्रीमति इन्द्रकला राहंगडाले, इंजीनियर कृपाशंकर राउत, संजय गेडाम, छन्नूलाल शरणागत, दुर्गाजी पटले, माया गजभिये एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं, पंचायत के प्रतिनिधि ग्रामीण जन एवं बड़ी संख्या में स्कूल के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

देवगांव में हर घर जल योजना का बुरा हाल

पाइपलाइन में गड़बड़ी से १० वार्डों में पानी का संकट, ग्रामीणों आक्रोशित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत देवगांव में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी हर घर नल हर घर जल योजना प्रशासनिक लापरवाही और बदहाली का शिकार होकर रह गई है। गांव के एक.दो नहीं बल्कि वार्ड क्रमांक १ से लेकर १० तक के ग्रामीण पानी की समस्या से परेशान हैं। कुछ गलियों में तो पानी ही नहीं पहुंच पा रहा है जहां काफी समस्या बनी हुई हैं।

तकनीकी खराबी से १० वार्ड में बनी है पानी की समस्या

प्राप्त जानकारी के अनुसार जल संकट की मुख्य वजह पानी की टंकी से जोड़ी गई पाइपलाइन का गलत लेवल स्तर होना बताया जा रहा है। लेवल सही नही होने के कारण टंकी से छोड़ा गया पानी पाइपलाइन के आखिरी छोर और ऊंचाई वाले इलाकों तक पहुंच ही नहीं पाता। तकनीकी त्रुटियों के चलते योजना अपने उद्देश्यों पर खरी नहीं उतर पा रही है। वर्ष २०२० में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के तहत देवगांव में नल जल योजना स्वीकृत हुई थी। योजना का निर्माण कार्य कछुआ गति से चला। कभी सिर्फ पिलर खड़े कर छोड़ दिए गए तो कभी ढांचा बनाकर काम रोक दिया गया। जैसे तैसे वर्ष २०२३ में टंकी का निर्माण पूरा हुआ लेकिन इसके तुरंत बाद टंकी से पानी का रिसाव लीकेज शुरू हो गया। लंबे समय तक ठीक करने की जहमत विभाग ने उठाई। स्वतंत्रता दिवस २०२४ के अवसर पर ग्राम पंचायत के द्वारा गांव में पानी का औपचारिक वितरण तो शुरू कर दिया गया लेकिन तकनीकी खामियों को सुधारे बिना शुरू की गई इस आपूर्ति ने ग्रामीणों की परेशानियां बढ़ा दीं। जब भी टंकी से पानी छोड़ा जाता है तो शुरुआती घरों तक ही पानी सीमित रह जाता है। वार्ड १ से १० के अधिकांश परिवारों को या तो बहुत कम पानी मिलता है या फिर नल सूखे ही रह जाते हैं। बारिश के मौसम में जहां एक ओर जलस्त्रोत प्रदूषित होने का खतरा बना रहता है वहीं दूसरी ओर शुद्ध पेयजल नही मिलने से ग्रामीण काफी परेशान हैं। दैनिक आवश्यकताओं के लिए लोगों को दूर दराज स्थित कुओं और हैंडपंपों से पानी ढोने पर मजबूर होना पड़ रहा है। पीने के शुद्ध पानी के लिए ग्रामीण आसपास के निजी ट्यूबवेल या अन्य दूरस्थ नलों के चक्कर काटने को विवश हैं। इस समस्या को लेकर वे कई बार ग्राम पंचायत और जिम्मेदार अधिकारियों को लिखित व मौखिक शिकायतें कर चुके हैं। इसके बावजूद अब तक इस तकनीकी त्रुटि को सुधारने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। प्रशासन की इस उदासीनता से ग्रामीणों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि पाइपलाइन के लेवल और टंकी की खामियों में तत्काल सुधार कर सभी १० वार्डों में सुचारू रूप से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

नल जल योजना से पानी नही मिलने से ग्रामीणों में आक्रोश है-कपिल राउत

ग्रामीण कपिल राउत ने बताया कि नल जल की समस्या ऐसी है कि वार्ड नंबर १ से १० तक बराबर पानी वितरण नहीं हो रहा है व्यवस्था कहीं कहीं गड़बड़ गई है। टंकी में आधा पानी भरता है बाकी गिरता रहता है बहता रहता है मोटर चालू रख दी जाती है यह समस्या ६ महीने से बनी हुई है। इसका निराकरण होना चाहिए और सुधार किया जाना चाहिए ओवरफ्लो यहां ऊपर से दिया गया है पूरी टंकी बराबर नहीं भर पाती होगी जिससे लोगों के घर पानी नहीं पहुंचता है।

पंचायत की लापरवाही का दंश झेल रहे ग्रामीण-विकास चूरहे

विकास चूरहे ने बताया कि नल जल योजना में विभाग के द्वारा जो टंकी बनाकर पाइपलाइन का विस्तार किया गया है। वह व्यवस्थित नहीं किया गया है इसके पहले टंकी में पानी भरते समय वह आधी भरती थी ओवरफ्लो ऊपर से होता है मोटर बंद होते ही पानी वापस हो जाता था। अभी उसे सुधरे तो अब ऊपर में खुला रखा हुआ है भविष्य में तकलीफ हो सकती है कोई कुछ पानी में डाल दे तो पूरा गांव प्रभावित होगा उसे बंद करना चाहिए। ग्राम के कई घर है जहां पर पानी नहीं पहुंच रहा है पानी की मोटर पूरी रात चालू रहती है बंद करना भूल जाते हैं इस पर ध्यान देना चाहिए।

इनका कहना हैं

पहले जो आधी टंकी भरने की समस्या थी उसका सुधार हो गया है अभी पानी टंकी पूरी भरी जाती है। कुछ स्थानों पर ऊंचाई के कारण पानी नहीं पहुंच पा रहा है जिसमें सुधार के लिए विभाग से चर्चा की जा रही है। वहीं ओवरफ्लोर का ऊपर से जो ढक्कन खुला है उसे भी बंद करने का कार्य कर दिया जायेगा।

राजकुमार कावरे
सरपंच देवगांव

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने आम नागरिको व नपा प्रशासन के बीच दूरी को किया कम

नगर में दिनभर विचरण करने वाले आवारा पशुओ व आवारा कुत्तो को तत्काल पकडने के दिये निर्देश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर पालिका परिषद का जनता दरबार आम नागरिको और नपा प्रशासन के बीच की दुरी को कम करने का प्रभावी माध्यम बन गया है। नगरवासीयो ने अपनी व्यक्तिगत और वार्ड सहित नगर की समस्याओं को सीधे पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, मुख्य अधिकारी सूर्यप्रकाश उके, उपयंत्री श्रीमती अंशिका चौहान के समक्ष रखकर समाधान की दिशा में कदम बढाये। जनता दरबार में आज सबसे पहले सोशल मिडिया और नागरिको की शिकायत पर सड़को पर आवारा पशुओं के जमघट व आवारा कुत्तो की बढती संख्या को गंभीरता से लिया गया। तत्काल नपा की टीम को बुलवाकर बकायदा निर्देश प्रदान किये गये। जिसमें आज रात्रि से इस कार्यवाही को शुरू कर बकायदा विडियो बनाकर अधिकारीयों को प्रेषित करने की बात कही गयी। और यह भी निर्देश प्रदान किये गये की किसी भी प्रभावशाली व्यक्ति की आवारा गाय या अन्य पशु हो उसे किसी भी हाल में किसी के भी फोन पर नही छोडा जायें। उसे सीधे स्थानीय गौशाला भेजकर सुरक्षित किया जाये। इसी तरह वार्ड नंबर एक से किरण सोनवाने, अरूणा गोस्वामी, सांता पटले, गरिमा बोपचे ने आकर शिकायत दर्ज करायी की पिछले दस वर्षो से उनके मकान का टेक्स नही लिया जा रहा है। विषय को विस्तार से समझने के बाद ज्ञात हुआ की इस तरह के मकानो को पटटा ही प्रदान नही हुआ है। अत सबसे पहले अनुविभागीय अधिकारी राजस्व व जिलाधीश कार्यालय से इनके पटटे की कार्यवाही कंहा तक पहुंची है, इसका संज्ञान लिया गया। इसी तरह वार्ड १४ से एम एल चावके सहित अन्य ने शिकायत दर्ज करायी की श्रीमाता अस्पताल के पीछे धर्मसिंह कुम्हरे से लेकर रिंकू परते के मकान तक १५० फीट लंबी नाली का निर्माण कार्य बेहद आवश्यक है। क्योंकि पक्की नाली के अभाव में कच्ची नाली का पानी जमीन से रिसकर कुओं व टयूबवेलो में जाने से यहां के निवासीयों के स्वास्थ्य के विषय मे गंभीर खतरा उत्तपन्न कर रहा है। इस विषय पर नपा परिषद ने गंभीरता दिखाकर समाधान के विषय में निर्देश प्रदान कर दिये है। नपा ने सहायक मत्स्य अधिकारी को बुलवाकर नगर में बनने वाले ६ फिश पार्लर के विषय में आवश्यक कार्यवाही को अंजाम दिया। गौरतलब है की पहले ही ३ फिश पार्लर को निर्माण किया जा चुका है, आज दरबार में नपा के ठेकेदारो को विभिन्न निर्माण कार्य शुरू कराने के कडक निर्देश प्रदान किये गये है। गौरतलब है की पिछले तीन माह से रेत की कमी को लेकर कयी छोटे बडे विकास कार्य प्रभावित हुये है। किंतू आज नपा ने सभी ठेकेदारो को अंतिम निर्देश देकर हरहाल में विकास व निर्माण कार्यो को शुरू कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने की बात कही है। इसी तरह सडक निर्माण, डिवाईडर, पानी वाली जगहो पर चिल्ली का छिडकाव सहित अनेको छोटी बडी समस्या का समाधान करने के विषय में नपा परिषद ने महत्तवपूर्ण निर्णय लिये है।

सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल ने मनाया सावन तीज सिंजारा महोत्सव

राधा कृष्ण की जीवंत झांकी रही आकर्षण का केंद

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल के द्वारा सावन तीज सिंजारा महोत्सव का आयोजन श्री रामदेव बाबा मंदिर में उत्साह के साथ मनाया गया। जिसमें सभी राजस्थानी महिलाओं ने सावन तीज का झूला पहले राधा कृष्णा स्वरूप को झुलाकर स्वयं भी इसमें शामिल होने का कार्य किया। कार्यक्रम में बेहद उत्साह के बीच विभिन्न प्रकार की गतिविधीयों को शामिल कर उसमें सफ्ल होने वाले प्रतियोगियों को पुरूस्कृत भी किया गया। मण्डल की अध्यक्ष किरण शर्मा ने बताया की सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल के द्वारा पिछले कई माह से राजस्थान की संस्कृति और त्योहारों को बढावा देने के उद्वेश्य से कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस साल भी हमने सावन तीज सिंजारा महोत्सव के माध्यम से नयी पीढि को राजस्थानी संस्कृति से अवगत कराने का प्रयास किया है। जिसमें सभी के उत्साह को देखकर और सहभागीता को देखकर प्रतित हो रहा है की समाज का यह प्रयास बेहद सफल रहा है। कार्यक्रम में गीत, नृत्य, गेम्स आदि एक्टीविटी से कार्यक्रम को एक नयी सफ लता मिलते देखी गयी। सफ्ल प्रतियोगियों को पुरुस्कृत भी किया गया। विशेषकर सासु मां और बहुओं का फैशन शो और मम्मी के साथ बिटिया के न्रत्य ने सभी को प्रभावित भी किया। कार्यक्रम में राधा कृष्ण की जीवंत झांकी ने सभी का मन मोहकर आकर्षण का केंद्र बनने का कार्य किया। इस दौरान किरण शर्मा ,श्रीमती प्रियंका शर्मा, पुष्पा शर्मा, संगीता अग्रवाल, भावना अग्रवाल, सरिता अग्रवाल,राधिका खंडेलवाल,रीना खंडेलवाल, सीमा खण्डेलवाल,नेहा खंडेलवाल ,चारू शर्मा, रेखा खंडेलवाल, प्रीति शर्मा,तुलसी शर्मा,राखी खंडेलवाल, लक्ष्मी शर्मा, पदमा चौहान, अनू अग्रवाल, ईशानी,आशा खण्डेलवाल, गीता खण्डेलवाल,माया खण्डेलवाल,शोभा खंडेलवाल मौजूद रही।

श्री शीतला माता मंदिर में शिव महापुराण कथा का शुभारंभ

मंदिर से निकली भव्य कलश यात्रा, कथा का संगीतमय हुआ वाचन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नं.१२ स्थित प्राचीन सिद्ध पीठ श्री शीतला माता मंदिर में श्रावण मास के पावन अवसर पर शिव महापुराण कथा का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के पहले दिन १८ अगस्त को प्रात: मंदिर प्रांगण से एक विशाल एवं भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में ५१ श्रद्धालु महिलाओं ने अपने सिर पर कलश धारण कर नगर भ्रमण किया। यह शोभायात्रा श्री शीतला माता मंदिर से प्रारंभ होकर नगर की विभिन्न गलियों से भ्रमण कर गोलीबारी चौक होते हुए जैन मोहल्ला एवं कसार गली से होती हुई पुन: मंदिर प्रांगण पहुंची। जहां मंत्रोच्चार के साथ यात्रा का समापन किया गया। यात्रा के दौरान जगह जगह श्रद्धालुओं के द्वारा भव्य स्वागत किया गया और भक्तिमय भजनों से संपूर्ण वातावरण शिवमय हो गया। कलश यात्रा एवं पूजन के पश्चात दोपहर २ बजे शिव महापुराण कथा का प्रारंभ हुआ। कथा के प्रथम दिवस प्रयागराज उत्तर प्रदेश से पधारे कथा वाचक पं. चंद्रभूषण तिवारी शास्त्री महाराज ने पूजन, कलश यात्रा के महत्व तथा देवराज नामक ब्राह्मण की कथा का मार्मिक वर्णन किया। इसमें संगीतमय श्री शिव पुराण कथा का वाचन किया गया यह धार्मिक आयोजन १८ अगस्त से २५ अगस्त तक प्रतिदिन दोपहर २ बजे से शाम ५ बजे तक आयोजित किया जाएगा। इसमें १९ अगस्त को नारद की तपस्या का वर्णन एवं मोह तथा पश्चाताप की कथा ,२० अगस्त को बिंदुक और चंचुला की कथा ,२१ अगस्त को भगवान शिव एवं सती चरित्र की कथा, २२ अगस्त सती वृन्दा के चरित्र की कथा ,२३ अगस्त को शिव.पार्वती विवाह की कथा ,२४ अगस्त को द्वादश ज्योतिर्लिंग की कथा, २५ अगस्त को हवन एवं महाप्रसादी वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया की प्राचीन सिद्ध पीठ श्री शीतला माता मंदिर में आयोजित यह शिव महापुराण कथा संपूर्ण वारासिवनी नगर के लिए अत्यंत सौभाग्य और गर्व का विषय है। श्रावण मास के इस पावन अवसर पर नगर की सुख.शांति, समृद्धि और जन कल्याण की कामना को लेकर इस विशाल धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया है। कथा के प्रथम दिवस १८ अगस्त २०२६ को जिस प्रकार ५१ माताओं.बहनों ने पूर्ण भक्ति भाव से सिर पर कलश धारण कर भ्रमण किया,उसने पूरे नगर को भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया है। प्रयागराज से पधारे पूज्य कथा व्यास पं. चंद्रभूषण तिवारी शास्त्री महाराज के श्रीमुख से शिव महापुराण का श्रवण करना हम सभी के लिए एक दुर्लभ अवसर है। इस अवसर पर वारासिवनी एवं आसपास के सभी क्षेत्रों के धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से हार्दिक अपील करता हूँ कि १८ अगस्त से २५ अगस्त २०२६ तक प्रतिदिन दोपहर २ बजे से शाम ५ बजे तक मंदिर प्रांगण में पधारकर कथा अमृत का पान करें। साथ ही २५ अगस्त को आयोजित पूर्णाहुति हवन एवं महाप्रसादी वितरण में सम्मिलित होकर इस भव्य आयोजन को सफ ल बनाने की अपील शीतला माता मंदिर समिति ने की हैं।

गौवंश वध मामले में फरार चौथा आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय ने भेजा जेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। तिरोड़ी थाना अंतर्गत ग्राम गुड़रूघाट में हुए चर्चित गौवंश वध मामले में तिरोड़ी पुलिस ने मामले के चौथे और अंतिम फरार आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कियाए जहां से उसे भी न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। इसके साथ ही इस पूरे मामले में शामिल सभी चार आरोपियों की गिरफ्तारी पूर्ण हो चुकी है। प्राप्त जानकारी अनुसार ९ अगस्त की सुबह सूचना मिली थी कि गांव के शिव मंदिर शमशानघाट के पास नाली में एक गाय का कटा हुआ सिर और बोरी में मांस भरा पड़ा है। ग्रामीणों की मौजूदगी में तिरोड़ी पुलिस ने संदेही आरोपी धनेन्द्र पिता थानसिंह मराठे उम्र ३५ वर्ष निवासी गुड़रूघाट के घर दबिश दी थी। जहाँ ताजा मांस बरामद हुए थे। पुलिस ने सूचनाकर्ता दिलीप बिसेन की शिकायत पर आरोपियों के विरुद्ध म.प्र. गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम २००४ की धारा ४,५,९ तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा ३२५ एवं ३,५ के तहत अपराध दर्ज किया गया था जिसमें तीन आरोपी गिरफ्तार कर दिए थे । मामले की जांच कर रही तिरोड़ी पुलिस टीम लगातार फरार आरोपी की तलाश में दबिश दे रही थी। १८ अगस्त को पुलिस ने कार्यवाही करते हुए रामनाथ पिता जयपाल मराठे उम्र ५२ वर्ष निवासी गुड़रूघाट को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद आरोपी को कटंगी न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से न्यायालय के आदेश पर उसे जेल भिजवा दिया गया। पुलिस के द्वारा की गई कार्यवाही के तहत धनेन्द्र पिता थानसिंह मराठे उम्र ३५ वर्ष निवासी गुड़रूघाट,राजू पिता हीरालाल राहंगडाले उम्र ३८ वर्ष निवासी टेकाड़ी, अभिषेक पिता धर्मेंद्र मेश्राम उम्र १९ वर्ष निवासी मिरगपुर, रामनाथ पिता जयपाल मराठे उम्र ५२ वर्ष निवासी गुड़रूघाट सभी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया हैं।

महाकालेश्वर भगवान को समर्पित भजन की संगीतमय प्रस्तुति का पूर्व केबिनेट मंत्री ने किया लोकार्पण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भाजपा कार्यालय में वरिष्ठ नागरिक मंच के तत्वावधान में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ,शिव दयाल पटले ,सुरेंद्र बिसेन,प्रणय श्रीवास्तव की मौजूदगी में उज्जैन के महाकालेश्वर भगवान को समर्पित एवं प्रणय श्रीवास्तव के द्वारा रचित अनूप सिंह राठौर नई दिल्ली के द्वारा स्वरबद्ध संगीतमय प्रस्तुति का आन लाइन लोकार्पण सम्पन्न हुआ। पूर्व केबिनेट प्रदीप जायसवाल के द्वारा प्रणय श्रीवास्तव द्वारा किए जा रहे विश्व स्तरीय उल्लेखनीय साहित्यिक कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल स्वर्णिम भविष्य के लिए शुभ कामनाएं दी गईं। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रणय श्रीवास्तव ने समाजसेवी स्व. अमृतलाल जायसवाल के रोचक संस्मरण सुनाते हुए वारासिवनी के साहित्यिक सांस्कृतिक इतिहास की जानकारी दी। इस दौरान विक्की एडे ने ,सुरेंद्र बिसेन,डी एल एडे ,हीरा सिंह चंदेल, मनीराम बिसेन प्रदीप खंडेलवाल, मनोहर सिंह ठाकुर,मनोहर बोकडे, रामेश्वर मसकरे,सुरेंद्र बिसेन, शिवदयाल पटले, गणेश चूरहे, जावेद खान, अशोक दुबे, संतोष आड़े, धरमु जोशी, विनोद् मिश्रा उपस्थित रहे।

अपनी लेखनी से लोकमंगल के कारक बने तुलसीदास

रामचरित मानस के जरिये समूची मानव जाति को श्रीराम के आदर्शों से जोड़ते हुए श्रीराम को जन-जन के राम बना देने वाले गोस्वामी तुलसीदास को जन-जन के कवि कहा जाता है। तुलसीदास को आखिर गोस्वामी क्यों कहा जाता है, यह जानना दिलचस्प है। दरअसल गोस्वामी का अर्थ है, इंद्रियों का स्वामी अर्थात् जिसने अपनी इंद्रियों को वश में कर लिया हो यानी जितेन्द्रिय। तुलसीदास जी पत्नी के धिक्कारने पर सांसारिक मोहमाया से विरक्त होकर संन्यासी अर्थात् जितेन्द्रिय या गोस्वामी हो गए थे। इसी परिप्रेक्ष्य में तुलसीदास जी को गोस्वामी की उपाधि से विभूषित किया जाने लगा। महान् ग्रंथ 'श्री रामचरित मानस' के रचयिता और मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त तुलसीदास जी की जयंती विक्रमी संवत् के अनुसार हर साल श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी को मनाई जाती है, जो इस वर्ष 19 अगस्त को मनाई जा रही है। विक्रमी संवत् 1554 में उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के राजापुर नामक गांव में जन्मे तुलसीदास ने जीवन की मुसीबतों से हार मानने के बजाय तमाम कठिनाईयों का डटकर मुकाबला किया। तुलसीदास जी का विवाह दीनबंधु पाठक की अत्यंत विदुषी पुत्री रत्नावली से हुआ था। तुलसीदास रत्नावली पर अत्यंत मुग्ध थे और उससे बहुत प्रेम करते थे। एक दिन की बात है, रत्नावली अपने मायके गई हुई थी लेकिन तुलसीदास को उसकी याद सता रही थी। रात का समय था, मूसलाधार बारिश हो रही थी, ऐसे मौसम में भी तुलसीदास उफनती नदी को पार कर पत्नी से मिलने देर रात उसके मायके जा पहुंचे। रत्नावली अपने पति तुलसीदास के इस कृत्य पर बहुत लज्जित हुई और ताना मारते हुए तुलसीदास को कहा कि जितना प्रेम हाड़-मांस के मेरे इस शरीर से कर रहे हो, यदि उतना ही प्रेम प्रभु श्रीराम से किया होता तो भवसागर पार हो गए होते। लज्जित अवस्था में पत्नी द्वारा मारे गए ताने ने तुलसीदास के जीवन की दिशा बदल डाली। उसके बाद उनके मन में वैराग्य उत्पन्न हो गया और वे भगवान राम की भक्ति में रम गए। उसी दौरान एक दिन स्वामी नरहरिदास उनके गांव आए, जिन्होंने तुलसीदास को दीक्षा देते हुए आगे के जीवन की राह दिखाई। उसके बाद तुलसीदास ने रामकथा में ही सुखद समाज की कल्पना करते हुए इसे आदर्श जीवन का मार्ग दिखाने का माध्यम बना लिया। गुरु नरहरिदास से शिक्षा-दीक्षा लेने के बाद ही उन्हें रामचरित मानस लिखने की प्रेरणा मिली। गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित इसी 'रामचरित मानस' को आज भी देशभर में एक महान् ग्रंथ के रूप में बड़े ही आदर और सम्मान से साथ देखा जाता है। तुलसीदास जी ने वैसे अपने जीवनकाल में कवितावली, दोहावली, हनुमान बाहुक, पार्वती मंगल, रामलला नहछू, विनयपत्रिका, कवित्त रामायण, बरवै रामायण, वैराग्य संदीपनी इत्यादि कुल 12 पुस्तकों की रचना की किन्तु उन्हें सर्वाधिक ख्याति रामचरित मानस के जरिये ही मिली। हालांकि जब उन्होंने रामचरित मानस की रचना की थी, उस जमाने में संस्कृत भाषा का प्रभाव बहुत ज्यादा था, इसलिए आंचलिक भाषा में होने के कारण शुरूआत में इसे मान्यता नहीं मिली थी लेकिन सरल भाषा में होने के कारण कुछ ही समय बाद यह ग्रंथ जन-जन में बहुत लोकप्रिय हुआ। गोस्वामी तुलसीदास भारतीय भक्ति साहित्य के ऐसे अमर कवि हैं, जिनकी वाणी ने भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा और लोकमंगल की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का अद्वितीय कार्य किया। अनेक विद्वान तुलसीदास को महर्षि वाल्मीकि का अवतार भी मानते हैं।

लालकिले से निकला एक शब्द..सौ सवाल! दिमागी नक्सल कौन?

दिमागी नक्सल से दिमागी नक्सल पार्टी तक -क्या शब्दों के मायाजाल में उलझ गई राजनीति ?

वैश्विक स्तरपर जीभ डैण,जीभ जंवाई- भारतीय लोक-संस्कृति का यह दोहा केवल वाणी की मर्यादा का संदेश नहीं देता, बल्कि राजनीति समाज और कूटनीति में शब्दों की असाधारण शक्ति को भी समझाता है। एक शब्द किसी को सम्मान दिला सकता है और वही शब्द दूसरे संदर्भ में विवाद,राजनीतिक ध्रुवीकरण और सार्वजनिक बहस का कारण बन सकता है।माननीय पीएम के 15 अगस्त 2026 के लालकिले के भाषण में प्रयुक्त दिमागी नक्सल शब्द अब इसी शब्द-शक्ति का ताजा उदाहरण बन गया है।15 अगस्त को पीएम ने लालकिले की प्राचीर से नक्सलवाद पर सरकार की कार्रवाई का उल्लेख करते हुए कहा कि हथियार उठाने वाले नक्सलवाद के खिलाफ देश ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है,लेकिन अब ऐसीदिमागी नक्सली मानसिकता को भी पहचानने और अलग- थलग करने की आवश्यकता है।उनका तर्क था कि चुनौती केवल बंदूक उठाने वाले व्यक्ति से नहीं है,बल्कि उस वैचारिक समर्थन से भी है जो हिंसक माओवादी विचारधारा को सामाजिक या बौद्धिक आधार प्रदान कर सकता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यहीं से शब्द राजनीति का नया अध्याय शुरू हुआ।पीएम के बयान को सत्ता पक्ष ने हिंसक नक्सलवाद के वैचारिक समर्थकों के संदर्भ में प्रस्तुत किया,जबकि विपक्ष ने इसे सरकार के आलोचकों, बुद्धिजीवियों औरलोकतांत्रिक असहमति रखने वालों को एक ही श्रेणी में डालने का प्रयास बताया।प्रमुख विपक्षी पार्टी के वरिष्ठ नेता नेपलटवार करते हुए कहा कि उन्हें दिमागी नक्सल होने पर गर्व है। उनकी टिप्पणी ने उस शब्द को,जिसे पीएम ने चेतावनी के रूप में इस्तेमाल किया था,विपक्ष की ओर से राजनीतिक व्यंग्य और प्रतिरोध के प्रतीक में बदल दिया। साथियों बात अगर हमदिमागी नक्सल आखिर है क्या- और विवाद इतना बड़ा क्यों ?इसको समझने की करें तोयहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दिमागी नक्सल कोई स्थापित संवैधानिक, वैधानिक या कानूनी श्रेणी नहीं है। यह राजनीतिक विमर्श में इस्तेमाल किया गया एक राजनीतिक शब्द है। इसलिए इसके अर्थ का निर्धारण उसी संदर्भ से होगा जिसमें इसे बोला गया।पीएम के समर्थक इसे उन लोगों के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं जो माओवादी हिंसा, संविधान- विरोधी हिंसक राजनीति अथवा देश की अखंडता के विरुद्ध गतिविधियों को वैचारिक समर्थन देते हैं। दूसरी ओर विपक्ष पूछ रहा है कि क्या सरकार की आलोचना असहमति, वैकल्पिक विचार या किसी सरकारी नीति का विरोध अपने-आप दिमागी नक्सलवाद बन जाएगा?यही वह महीन रेखा है जहां लोकतंत्र और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप एक-दूसरे से टकराते हैं। लोकतंत्र में सरकार का विरोध और हिंसक विद्रोह का समर्थन एक ही बात नहीं है। किसी नीति की आलोचना करना, न्यायालय में सरकार के निर्णय को चुनौती देना, संसद में विरोध करना या शांतिपूर्ण आंदोलन करना लोकतांत्रिक अधिकारों का हिस्सा है। इसके विपरीत हिंसक संगठन की गतिविधियों को समर्थन देना बिल्कुल अलग प्रश्न है। इसलिए 'दिमागी नक्सल' जैसे व्यापक शब्द की परिभाषा जितनी स्पष्ट होगी, विवाद उतना ही सीमित रहेगा। साथियों बात अगर हम प्रमुख विपक्षी नेता का गर्व वाला जवाब,राजनीतिक पलटवार या शब्द को हथियार बनाने की रणनीति? इसको समझने की करें तो उनकी प्रतिक्रिया ने विवाद को दूसरी दिशा दे दी। यदि किसी व्यक्ति को दिमागी नक्सल कहकर राजनीतिक रूप से कलंकित करने का प्रयास किया जा रहा हो, तो उसका उसी शब्द को उलटकर अपने पक्ष में इस्तेमाल करना राजनीतिक भाषण-कला की पुरानी रणनीति है। उनका का संदेश मूलत: यह था कि वे पीएम द्वारा बनाए गए उस वैचारिक फ्रेम को स्वीकार नहीं करते जिसमें आलोचना करने वालों को नक्सली कहकर देखा जाए। लेकिन सत्ता पक्ष ने इस पलटवार को स्वीकार नहींकिया। सत्ताधारी पक्ष के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनपर पर पलटवार करते हुए दिमागी नक्सल की अपनी राजनीतिक व्याख्या प्रस्तुत की और आरोप लगाया कि वैचारिक स्तर पर देश- विरोधी एजेंडे को समर्थन देने वाले लोग इस श्रेणी में आ सकते हैं। इसके साथ ही एक केंद्रीय ने पूर्व पीएम के पुराने नक्सलवाद संबंधी बयान का हवाला देकर प्रमुख विपक्षी पार्टी को घेरने की कोशिश की। उस बयान में पूर्व पीएम ने नक्सलवाद को भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बताया था। इस राजनीतिक पलटवार का संदेश साफ था, सत्ताधारी पार्टी प्रमुख विपक्षी पार्टी से पूछ रही है कि जब उसके अपने पूर्व पीएम नक्सलवाद को गंभीर राष्ट्रीय चुनौती मानते थे, तो आज दिमागी नक्सल शब्द पर इतनी आपत्ति क्यों? साथियों बात अगर हम विपक्ष का तर्क भी कम महत्वपूर्ण नहीं इस एंगल से इसको समझने की करें तो विपक्ष का सवाल लोकतांत्रिक दृष्टि से गंभीर है। उसका कहना है कि लालकिला केवल सरकार का मंच नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का संवैधानिक प्रतीक है।इसलिए स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में प्रयुक्त शब्दों का प्रभाव सामान्य राजनीतिक सभा में बोले गए शब्दों से कहीं अधिक होता है। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि 'दिमागी नक्सल' जैसे शब्द के जरिए आलोचकों और वैचारिक विरोधियों को कलंकित करने की कोशिश की जा रही है।यहीं भारतीय संस्कृति का वह पुराना संदेश फिर सामने आता है, बोलत बोलत बड़े बिखात। बोलने से पहले शब्द का अर्थ,उसका संदर्भ और उसकेसंभावित परिणामों को समझना आवश्यक है। क्योंकि आज का राजनीतिक शब्द केवल सभा में समाप्त नहीं होता; वह टीवी स्क्रीन,सोशल मीडिया,मीम, हैशटैग और लाखों लोगों की राजनीतिक बातचीत में प्रवेश कर जाता है। साथियों बात अगर हम दिमागी नक्सल पार्टी, शब्द से सोशल मीडिया ब्रांड तक इसको समझने की करें तो इस विवाद का सबसे दिलचस्प पहलू इसका सोशल मीडिया प्रभाव है। प्रधानमंत्री के बयान के बाद 'दिमागी नक्सल पार्टी' नाम से एक पैरोडी/सैटिरिकल सोशल मीडिया पहचान के उभरने की चर्चा शुरू हुई। इसे किसी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए; उपलब्ध रिपोर्टों में इसके वास्तविक राजनीतिक संगठन होने की पुष्टि नहीं है। इसका महत्व इसलिए है कि उसने पीएम के शब्द को ही व्यंग्य में बदल दिया।यहां भारतीय राजनीति में हाल का कॉकरोच जनता पार्टी उदाहरण विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है। सीजेपी की शुरुआत सोशल मीडिया व्यंग्य और नीट - 2026 परीक्षा विवाद से जुड़े छात्र आंदोलन के संदर्भ में हुई थी। रिपोर्टों के अनुसार, एक कथित अपमानजनक टिप्पणी/मीम से शुरू हुआ यह अभियान धीरे-धीरे जंतर-मंतर के प्रदर्शन और व्यापक छात्र आंदोलन में बदल गया।मई 2026 के मध्य में सुप्रीम कोर्ट की एक सुनवाई के दौरान, सीजेआई द्वारा बेरोजगार युवाओं और व्यवस्था की आलोचना करने वाले कुछ वर्ग को कथित तौर पर कॉकरोच(समाज के परजीवी) कहा गया था।मीम में रूपांतरणइसटिप्पणी के सामने आते ही सोशल मीडिया (विशेषकर इंस्टाग्राम और एक्स) पर युवाओं ने इसे अपमानित महसूस करने के बजाय खुद पर ढाल बनाया।कॉकरोच जनता पार्टी प्रमुख द्वारा 16 मई 2026 को एक व्यंग्यात्मक राजनीतिक /युवा मंच के रूप में कॉकरोच जनता पार्टी की स्थापना की गई, जिसका नारा वॉइस ऑफ द लेडी एंड अनएम्प्लाड रखा गया। इसके डिजिटल मीम्स, एआई- जनरेटेड इमेजरी और रील्स कुछ ही दिनों में लाखों-करोड़ों युवाओं तक पहुंच गए।बाद में सीजेपी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को प्रमुख मांग बनाया। सरकार के साथ बातचीत में भी यह मांग रखी गई और 25 जुलाई 2026 को शिक्षामंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। हालांकि किसी आंदोलन की एकमात्र वजह इस्तीफा थी, ऐसा निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा,उसके पीछे परीक्षा विवाद, छात्रों का आंदोलन, राजनीतिक दबाव और अन्य परिस्थितियां भी थीं।डिजिटल युग में कोई व्यंग्यात्मक शब्द या प्रतीक यदि व्यापक जन-असंतोष से जुड़ जाए तो वह तेजी से राजनीतिक पहचान सटिका से बन सकती है। साथियों बात अगर हम क्या दिमागी नक्सल भी सत्ता के लिए शब्दों का मायाजाल बन सकता है? इसको समझने की करें तो, यही इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रश्न है। किसी सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती केवल विरोधी विचार नहीं होते; चुनौती यह भी होती है कि उसके द्वारा चुने गए शब्दों का अर्थ उसके नियंत्रण से बाहर जाकर किस रूप में इस्तेमाल होने लगता है।'दिमागी नक्सल' शब्द का उद्देश्य यदि हिंसक माओवादी विचारधारा के वैचारिक समर्थन को चिन्हित करना है, तो उसे स्पष्ट, प्रमाण- आधारित और सीमित परिभाषा के साथ प्रस्तुत करना अधिक प्रभावी होगा। लेकिन यदि यही शब्द सरकार के प्रत्येक आलोचक, पत्रकार, बुद्धिजीवी, छात्र, सामाजिक कार्यकर्ता या विपक्षी नेता के लिए इस्तेमाल होने लगे, तो इसका अर्थ कमजोर होगा और राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ेगा।उलटा असर भी संभव है। जिस प्रकार चिदंबरम ने 'दिमागी नक्सल' शब्द को अपने ऊपर लेकर उसे राजनीतिक व्यंग्य में बदल दिया, उसी प्रकार सोशल मीडिया उस शब्द को मीम, पैरोडी और डिजिटल आंदोलन का प्रतीक बना सकता है। तब सरकार द्वारा बनाया गया राजनीतिक फ्रेम सरकार के विरुद्ध ही राजनीतिक हथियार बन सकता है। साथियों बाते कर हम असली बहस 'नक्सल' शब्द पर नहीं, लोकतांत्रिक सीमारेखा पर है इसको समझने की करें तो भारत ने वास्तविक सशस्त्र नक्सलवाद के विरुद्ध लंबी और कठिन लड़ाई लड़ी है। सुरक्षा बलों की कार्रवाई और माओवादी हिंसा में कमी को एक राष्ट्रीय सुरक्षा उपलब्धि के रूप में देखा जा सकता है। लेकिन सशस्त्र नक्सलवाद और वैध लोकतांत्रिक असहमति के बीच अंतर करना लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त है।इसीलिए पीएम के समर्थकों का प्रश्न है,यदि कोई व्यक्ति हिंसक माओवादी विचारधारा का समर्थन करता है तो उसकी विचारधारा की आलोचना क्यों न की जाए? और विपक्ष का प्रश्न है,यदि कोई व्यक्ति सरकार की आलोचना करता है तो उसे नक्सलवादी मानसिकता का प्रमाणपत्र कौन और किस आधार पर देगा? इन दोनों प्रश्नों के बीच ही इस विवाद का वास्तविक समाधान छिपा है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

नशे पर चोट: स्वास्थ्य के लिए सरकार का बड़ा फैसला

-कांतिलाल मांडोत

नशा केवल व्यक्ति के शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि धीरे-धीरे उसके परिवार, आर्थिक स्थिति, सामाजिक प्रतिष्ठा और जीवन-मूल्यों को भी कमजोर कर देता है। तंबाकू, गुटखा, पान मसाला और शराब जैसे व्यसन शुरुआत में भले ही छोटे लगें, लेकिन समय के साथ यही आदतें मनुष्य के जीवन पर भारी पड़ने लगती हैं। नशे की गिरफ्त में आया व्यक्ति अपनी मेहनत की कमाई का बड़ा हिस्सा ऐसे पदार्थों पर खर्च करता है, जिनसे उसे स्वास्थ्य के अतिरिक्त कोई स्थायी लाभ नहीं मिलता। इसके विपरीत परिवार की जरूरतें अधूरी रह जाती हैं, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है और घर में तनाव का वातावरण बनने लगता है। यही कारण है कि नशे के खिलाफ सामाजिक जागरूकता के साथ सरकारों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत में तंबाकू का सेवन लंबे समय से गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बना हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार देश में करोड़ों लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। इसमें सिगरेट और बीड़ी के साथ-साथ गुटखा, खैनी, जर्दा, पान मसाला और अन्य धुआं रहित तंबाकू उत्पाद शामिल हैं। इन पदार्थों में मौजूद निकोटिन व्यक्ति को धीरे-धीरे निर्भरता की ओर ले जाता है। शुरुआत अक्सर शौक या साथियों के दबाव में होती है, लेकिन बाद में यही आदत छोड़ना कठिन हो जाती है। तंबाकू के सेवन से मुंह, गले और फेफड़ों सहित शरीर के विभिन्न अंगों पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं। भारत में हर वर्ष बड़ी संख्या में लोगों की मौत तंबाकू से जुड़ी बीमारियों के कारण होती है। धुआं रहित तंबाकू के कारण मुंह के कैंसर का खतरा भी गंभीर चिंता का विषय है। नशे की समस्या केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। इसका सीधा संबंध परिवार और समाज की आर्थिक स्थिति से भी है। दैनिक मजदूरी करने वाला व्यक्ति यदि अपनी दिनभर की कमाई का एक हिस्सा शराब या तंबाकू पर खर्च कर देता है तो उसका परिवार भोजन, शिक्षा और इलाज जैसी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष करने को मजबूर हो सकता है। कई परिवारों में नशे के कारण घरेलू विवाद बढ़ते हैं। व्यक्ति की कार्यक्षमता घटती है और दुर्घटनाओं तथा सामाजिक अपराधों का खतरा भी बढ़ सकता है। इस दृष्टि से नशे की रोकथाम को केवल व्यक्तिगत पसंद का विषय मानना पर्याप्त नहीं है। यह समाज और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। शराब का व्यसन भी इसी समस्या का एक भयावह रूप है। शराब का सेवन करने वाला व्यक्ति धीरे-धीरे अपने विवेक और आत्मनियंत्रण को कमजोर कर सकता है। अत्यधिक सेवन से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और व्यक्ति की पारिवारिक तथा सामाजिक जिम्मेदारियां प्रभावित होने लगती हैं। कई बार शराब की आदत व्यक्ति की आर्थिक स्थिति को इस हद तक बिगाड़ देती है कि वर्षों की मेहनत से अर्जित धन नष्ट हो जाता है। इसीलिए शराब को लेकर समाज में केवल उपदेश नहीं, बल्कि जागरूकता, आत्मसंयम और परिवार के सहयोग की आवश्यकता है। नशे की समस्या में संगति की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। कई युवा केवल मित्रों के दबाव या उत्सुकता के कारण पहली बार किसी नशीले पदार्थ का सेवन करते हैं। उन्हें लगता है कि कभी-कभार सेवन करने से कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन यही शुरुआत आगे चलकर आदत में बदल सकती है। इसलिए परिवारों को बच्चों और युवाओं से संवाद बनाए रखना चाहिए। उन्हें नशे के नुकसान के बारे में डराने के बजाय तथ्य और समझ के साथ जागरूक करना चाहिए। युवाओं को खेल, शिक्षा, रचनात्मक गतिविधियों और सामाजिक कार्यों से जोड़ना भी नशे से दूर रखने का प्रभावी माध्यम हो सकता है। नशे के खिलाफ संघर्ष में समाज की भूमिका भी सरकार जितनी ही महत्वपूर्ण है। केवल कानून बना देने से समस्या समाप्त नहीं होगी। जिस समाज में नशे को प्रतिष्ठा, आधुनिकता या मनोरंजन का प्रतीक समझा जाता है, वहां कानून के साथ सामाजिक सोच में बदलाव आवश्यक है। सार्वजनिक स्थानों के आसपास नशीले पदार्थों की बिक्री पर निगरानी, अवैध बिक्री के खिलाफ कार्रवाई और युवाओं को नशे से बचाने के लिए लगातार अभियान चलाना जरूरी है। परिवार, विद्यालय, सामाजिक संगठन और धार्मिक संस्थाएं मिलकर इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसी व्यापक संदर्भ में कर्नाटक सरकार का हालिया फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कर्नाटक सरकार ने लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए गुटखा, पान मसाला तथा तंबाकू या निकोटिन युक्त उत्पादों के निर्माण, भंडारण, वितरण और बिक्री पर एक वर्ष के लिए रोक लगाने का निर्णय किया है। राज्य के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने 10 अगस्त को इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। यह प्रतिबंध अधिसूचना जारी होने की तारीख से एक वर्ष तक प्रभावी रहेगा। हालांकि व्यक्तिगत सेवन को इस प्रतिबंध के दायरे में शामिल नहीं किया गया है। सरकार ने यह आदेश खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 तथा खाद्य सुरक्षा और मानक विनियम, 2011 के तहत प्राप्त अधिकारों का उपयोग करते हुए जारी किया है। कर्नाटक सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य राज्य में तंबाकू की लत पर अंकुश लगाना और स्वस्थ एवं नशामुक्त कर्नाटक की दिशा में आगे बढ़ना है। सरकार ने प्रतिबंध लागू करने के साथ निरीक्षण अभियान भी शुरू किए हैं। संबंधित विभागों की टीमें प्रतिबंधित तंबाकू और निकोटिन युक्त उत्पादों के निर्माण, बिक्री और वितरण पर नजर रखेंगी। उल्लंघन की स्थिति में उपलब्ध कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

सरकार ने नागरिकों से भी अपील की है कि यदि उन्हें ऐसे प्रतिबंधित उत्पादों की बिक्री या वितरण की जानकारी मिलती है तो संबंधित अधिकारियों को सूचित करें। यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि तंबाकू उत्पादों से जुड़े व्यापार से सरकारों को राजस्व प्राप्त होता है। ऐसे में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए कठोर कदम उठाना आसान नहीं होता। कर्नाटक का निर्णय इस बात का संकेत है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य को आर्थिक हितों से ऊपर रखने की दिशा में प्रयास किए जा सकते हैं। हालांकि किसी भी प्रतिबंध की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसका जमीन पर कितना प्रभावी पालन होता है। प्रतिबंध के बाद सबसे बड़ी चुनौती इसकी प्रभावी निगरानी होगी। अतीत में यह देखा गया है कि जब किसी उत्पाद पर रोक लगती है तो कुछ लोग उसके विकल्प तलाशने लगते हैं। तंबाकू और दूसरे घटकों को अलग-अलग खरीदकर प्रतिबंधित मिश्रण तैयार करने जैसी कोशिशें भी सामने आ सकती हैं। इसलिए केवल तैयार उत्पादों की बिक्री रोकना पर्याप्त नहीं होगा। प्रशासन को अवैध निर्माण, भंडारण और वितरण की पूरी श्रृंखला पर नजर रखनी होगी। साथ ही लोगों को यह समझाना होगा कि किसी पदार्थ को अलग-अलग खरीदकर सेवन करना भी स्वास्थ्य के लिए उतना ही नुकसानदेह हो सकता है।दुनिया के कई देशों ने तंबाकू उत्पादों के खिलाफ कड़े कदम उठाए हैं। ऑस्ट्रेलिया, भूटान, सिंगापुर और श्रीलंका जैसे देशों में कुछ तंबाकू उत्पादों के निर्माण, बिक्री और आयात पर कड़े प्रतिबंध लागू किए गए हैं। इससे स्पष्ट है कि तंबाकू नियंत्रण आज केवल भारत की नहीं, बल्कि वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य की चुनौती है। कर्नाटक का फैसला निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन नशामुक्त समाज का निर्माण केवल सरकारी आदेश से संभव नहीं होगा। इसके लिए व्यक्ति को स्वयं संकल्प लेना होगा, परिवार को सहयोग देना होगा और समाज को नशे के खिलाफ वातावरण तैयार करना होगा। जो लोग पहले से नशे की गिरफ्त में हैं, उनके प्रति तिरस्कार के बजाय उन्हें इससे बाहर निकलने में सहायता देने की आवश्यकता है। नशा छोड़ने की इच्छा रखने वाले व्यक्ति को परिवार और समाज का समर्थन मिले तो उसके लिए नई शुरुआत करना आसान हो सकता है।

अल्पसंख्यकों की असुरक्षा से आतंकवाद तक पाक का यथार्थ

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी का स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिया गया हालिया बयान केवल एक जहरीली एवं कड़वी राजनीतिक टिप्पणी ही नहीं है, बल्कि पाकिस्तान की उस मानसिकता का आईना है, जिसमें भारत के प्रति कटुता, अविश्वास, नफरत और वैचारिक विरोध आज भी गहरे पैठे हुए हैं। जरदारी ने 'अखंड भारत' की अवधारणा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भारतीय इसमें विश्वास करते हैं, लेकिन वे मुसलमान होने के नाते इससे सहमत नहीं हैं। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान में हिंदुओं के सुरक्षित और सुखी होने का दावा भी किया। सवाल यह है कि दुनिया किसी राष्ट्राध्यक्ष के दावे पर विश्वास करे या आंकड़ों और जमीन पर दिखाई देने वाली वास्तविकता पर? इतिहास का न्याय भावनाओं से नहीं, तथ्यों से होता है। और पाकिस्तान के संदर्भ में जनसांख्यिकी, अल्पसंख्यकों की स्थिति, धार्मिक स्वतंत्रता और आतंकवाद-ये चारों क्षेत्र ऐसे आईने हैं जिनमें उसकी अपनी तस्वीर साफ दिखाई देती है।

1947 में जब पाकिस्तान वजूद में आया एवं 1951 की जनगणना में पूरे तत्कालीन पाकिस्तान में हिंदुओं की हिस्सेदारी लगभग 14.6 प्रतिशत थी, पाकिस्तान की 2023 की आधिकारिक जनगणना में 'हिंदू जाति' की आबादी 3,867,729 और 'अनुसूचित जाति' की आबादी 1,349,487 दर्ज की गई है। कुल आबादी 240.46 मिलियन है। इन दोनों श्रेणियों को जोड़ें तो हिस्सा लगभग 2.17 प्रतिशत बैठता है। अर्थात आज के पाकिस्तान में हिंदू समुदाय की जनसंख्या हिस्सेदारी अत्यंत सीमित रह गई है। इसके विपरीत भारत की स्थिति को भी तथ्यों के साथ ही देखना चाहिए। भारत की अंतिम प्रकाशित पूर्ण जनगणना 2011 की है। उसमें मुस्लिम आबादी 14.23 प्रतिशत, यानी 17.22 करोड़ दर्ज हुई थी। यही वह बिंदु है जहां भारत और पाकिस्तान के बीच वास्तविक अंतर सामने आता है। भारत ने धर्म के आधार पर नागरिकता की अवधारणा को राज्य की नागरिकता का आधार नहीं बनाया। संविधान ने हर नागरिक को समान नागरिक अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता और अपनी आस्था के पालन की स्वतंत्रता दी। भारत में मुसलमानों ने राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, न्यायपालिका, सेना, शिक्षा, उद्योग, कला, खेल और प्रशासन सहित जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। इसके विपरीत पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं की रिपोर्टें गंभीर प्रश्न उठाती हैं। ह्यूमन राइटस वाच की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों के दुरुपयोग ने धार्मिक अल्पसंख्यकों को हिंसा, मनमानी गिरफ्तारी और सामाजिक दबाव के प्रति अत्यंत संवेदनशील बना दिया है। रिपोर्ट में हिंदुओं, ईसाइयों और अहमदियों सहित अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और जबरन विवाह-धर्मांतरण जैसी समस्याओं का उल्लेख है। 2023 में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के जरनवाला में ईशनिंदा के आरोपों के बाद चर्चों और ईसाई घरों पर भीड़ के हमले हुए। ह्यूमन राइटस वाच ने पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों के इस्तेमाल से अल्पसंख्यकों की संपत्ति पर कब्जे और उन्हें घर छोड़ने के लिए मजबूर किए जाने के मामलों का भी दस्तावेजीकरण किया है। ऐसे में जरदारी का यह कहना कि पाकिस्तान के हिंदू बहुत खुश हैं, एक झूठा, गुमराह करने वाला एवं भ्रामक राजनीतिक दावा तो हो सकता है, लेकिन उसे व्यापक तथ्यात्मक प्रमाण की कसौटी पर परखा जाना चाहिए। किसी देश में अल्पसंख्यक सुरक्षित हैं या नहीं, इसका प्रमाण केवल राष्ट्राध्यक्ष का बयान नहीं, बल्कि उनके नागरिक अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता, मंदिरों और पूजा स्थलों की सुरक्षा, कानून के सामने समानता तथा भयमुक्त जीवन है।

भारत में सरकारों के खिलाफ मुसलमानों एवं अन्य अल्पसंख्यकों के द्वारा आवाज उठाई जा सकती है, न्यायालयों में चुनौती दी जा सकती है। यही लोकतांत्रिक भारत और धार्मिक-सामुदायिक असुरक्षा से जूझते पाकिस्तान के बीच बुनियादी अंतर है। दूसरा बड़ा प्रश्न पाकिस्तान के भारत-विरोधी आतंकवाद का है। पिछले कई दशकों में सीमा पार आतंकवाद भारत की सुरक्षा के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में रहा है। संसद पर हमला, मुंबई हमले, पठानकोट, उरी, पुलवामा और जम्मू-कश्मीर में लगातार हिंसक घटनाएं इस समस्या का हिस्सा रही हैं। 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारत ने बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के प्रशिक्षण शिविर पर कार्रवाई की। विदेश मंत्रालय ने उस समय स्पष्ट किया था कि पाकिस्तान की जमीन पर चल रहे आतंकवादी ढांचे के विरुद्ध कार्रवाई की गई क्योंकि पाकिस्तान उन्हें नष्ट करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहा था। 2025 में पहलगाम के आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सुरक्षा नीति में एक और महत्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत दिया।

22 अप्रैल 2025 के हमले में 26 लोगों की हत्या के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत जम्मू-कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। भारत सरकार ने इसे आतंकवादी ढांचे के विरुद्ध लक्षित और नियंत्रित कार्रवाई बताया। यह परिवर्तन केवल सैन्य कार्रवाई तक सीमित नहीं है। भारत ने आतंकवाद के साथ-साथ उसके वित्तीय और नशीले पदार्थों के नेटवर्क पर भी ध्यान केंद्रित किया है। सरकार ने विदेशी तत्वों द्वारा नशीले पदार्थों को सीमा पार भेजकर 'नार्को-टेरर' को वित्त उपलब्ध कराने की बात कही है। यहां भारत की चुनौती केवल सीमा पर बंदूक लेकर खड़े आतंकवादी से नहीं है। चुनौती उस पूरे तंत्र से है जिसमें आतंकवाद, हथियार, ड्रोन, नशीले पदार्थ, फर्जी सूचनाएं और सामाजिक विभाजन-सब एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। पिछले एक दशक से अधिक समय में भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही है कि उसने पाकिस्तान को यह संदेश दिया है कि आतंकवाद और बातचीत को समानांतर रास्तों पर नहीं चलाया जा सकता। 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट कार्रवाई और 2025 का ऑपरेशन सिंदूर अलग-अलग घटनाएं जरूर हैं, लेकिन इनके पीछे एक समान संदेश दिखाई देता है-भारत अब आतंकवाद को केवल सहने या निंदा करने तक सीमित नहीं रहेगा। इस बदले हुए भारत की तस्वीर पाकिस्तान की बेचैनी को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण है। भारत की अर्थव्यवस्था, तकनीकी क्षमता, अंतरिक्ष कार्यक्रम, रक्षा उत्पादन, डिजिटल बुनियादी ढांचा, वैश्विक कूटनीति और रणनीतिक प्रभाव लगातार बढ़े हैं। आज भारत को विश्व राजनीति में केवल दक्षिण एशिया की शक्ति के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक निर्णय-प्रक्रिया के महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में देखा जाता है। पाकिस्तान की समस्या केवल यह नहीं है कि भारत उससे आर्थिक और सामरिक रूप से आगे निकल रहा है, उसकी ब?ी समस्या यह है कि भारत अपनी बहुलतावादी लोकतांत्रिक पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है।

जरदारी का बयान इसलिए भी विचारणीय है कि पाकिस्तान को भारत के भीतर की विविधता पर टिप्पणी करने से पहले अपने घर के भीतर झांकना चाहिए। भारत में मुसलमानों की आबादी ब?ती आबादी का तथ्य स्वयं बताता है कि भारत में मुस्लिम समुदाय का अस्तित्व, विस्तार और सामाजिक जीवन किसी 'समाप्ति' की कहानी नहीं है। दूसरी ओर पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर आज भी अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाएं गंभीर चिंता व्यक्त कर रही हैं। इसलिए दुनिया के उन देशों को भी पाकिस्तान के प्रति अपनी नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए, जो केवल रणनीतिक या राजनीतिक हितों के कारण उसकी हर बात का समर्थन करते हैं। किसी राष्ट्र का मूल्यांकन उसके भाषणों से नहीं, उसके व्यवहार से होना चाहिए। यदि कोई देश एक तरफ आतंकवाद के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रतिबद्धता जताए और दूसरी तरफ उसकी धरती से सक्रिय आतंकी नेटवर्क लगातार पड़ोसी को निशाना बनाते रहें, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को केवल कूटनीतिक शब्दों से संतुष्ट नहीं होना चाहिए। भारत की शक्ति का अर्थ किसी धर्म या देश के प्रति घृणा नहीं, बल्कि अपने नागरिकों की सुरक्षा, सीमाओं की रक्षा और आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई है। भारत के मुसलमान भी उतने ही भारतीय हैं जितने हिंदू, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध और अन्य समुदाय। आज पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न भारत नहीं, बल्कि स्वयं पाकिस्तान है-वह कब यह स्वीकार करेगा कि आतंकवाद को विदेश नीति का औजार बनाना अंतत: उसी समाज को अस्थिर करता है जिसने उसे जन्म दिया? पाकिस्तान में आतंकवादी संगठनों की हिंसा का दंश स्वयं वहां के नागरिक भी झेल रहे हैं। ह्यूमन राइटस वाच के अनुसार 2025 में पाकिस्तान में विभिन्न उग्रवादी संगठनों के हमलों में सैकड़ों लोग मारे गए। जरदारी को भारत के 'अखंड भारत' की चिंता करने से पहले अपने वर्तमान पाकिस्तान की अखंडता, शांति और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की चिंता करनी चाहिए। इतिहास का सबसे बड़ा व्यंग्य यही है कि जो राष्ट्र भारत की एकता पर प्रश्न उठाता है, वह स्वयं आतंकवाद, राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और सामाजिक विभाजन से जूझता रहा है।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। मंगलवार को भी स्थानीय सियागंज किराना बाजार में शक्कर बाजार सुर्ख रहे। सूखे मेवों में तेजी की धारणा रही। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। तिलहनों में सोयाबीन सुस्त रहा। दलहनों में चने में बाजार तेजी के रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार शक्कर में बाजार 5500 रू. क्विंटल पर आ गये है। सूखे मेवों में आयात पड़तल ऊँची जाने से भावों में जोरदार तेजी है। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही है। तिलहनों में सोयाबीन बाजार घटाकर बोले गये। दलहनों में चना पूर्वस्तर पर मजबूत रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 5380-5500, खोपरा गोला 360-425, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3500-3800, मीडि?यम 4000-4200, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3500, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-525, काजू (240) 925-950, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1050-1100, अमेरिकन 975-1075, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीर्डि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300, (160) 3800, (200) 4400, (250) 5000,

तेल- सींगदाना 1730-1750, मुम्बई 1770, राजकोट तेलिया 2730, सोया साल्वेंट 1390-1400, सोया रिफाइंड 1460-1470, कपास्या 1640, धूलिया 1650, कड़ी 1650,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1675-1700, मुम्बई पाम 1490, मुम्बई सोया 1490,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 7200-7400, सोयाबीन 6300, टोली (महुआ बीज) 5500-5600, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6600-6650, एवरेज 6300-6400, विशाल 6350-6425, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5850, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9300-9500, उड़द गर्मी 8600-9300, ग्रेविटी क्लीन 9700-10000, हल्की 5000-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्कालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 275 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 233000, चाँदी (99) 232800, टंच 232200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 150300,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतय रुपया 13 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.74 पर बंद हुआ। आज अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.68 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को 19 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.61 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत टूटकर 99.63 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट कच्चा तेल की कीमत के करीब 91 डॉलर प्रति बैरल पहुंचने से तेल से संबंधित डॉलर की मांग में वृद्धि हुई है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दूनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया जिससे भी घरेलू बाजार पर दबाव आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 492.70 अंक टूटकर 77,235.46 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 132.75 अंक फिसलकर 24,154.90 पर बंद हुआ। बाजार में गिरावट के पीछे मुख्य रुप से आईटी शेयरों का नीचे आना रहा। आज निफ्टी आईटी में सबसे अधिक गिरावट रही। निफ्टी रियल्टी , निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी सर्विसेज , निफ्टी मेटल , निफ्टी कंजप्शन और निफ्टी इन्फ्रा के शेयरों में भी गिरावट रही। दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी मीडिया, निफ्टी ऑटो, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी ऑयल एंड गैस तेजी के साथ बंद हुआ। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप शेयरों में दबाव रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 277.60 अंक फिसलकर 63,539.40 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स करीब 19,808.85 पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स पैक में एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, एमएंडएम, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, बजाज फिनसर्व और एनटीपीसी के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे थे जबकि एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल, टीसीएस, एचयूएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडिगो, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और मारुति सुजुकी के शेयरों में गिरावट रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लाल निशान पर खुले। सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 260 अंक गिरकर 77,468.44 पर और निफ्टी 52 अंक की गिरावट के साथ 24,234.75 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजार में भी आज मिलाजुला कारोबार हुआ।

ट्रंप ने की भारतीय चुनाव प्रणाली की प्रशंसा

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत की चुनाव प्रणाली की सराहना करते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका में चुनावी नियमों को सख्त बनाने की वकालत की है। उन्होंने मतदान के लिए वैध फोटो पहचान पत्र अनिवार्य करने और डाक मतपत्रों के उपयोग को सीमित करने पर जोर दिया, जिसके लिए उन्होंने भारत का उदाहरण प्रस्तुत किया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया कि भारत के पिछले आम चुनाव में 64.6 करोड़ से अधिक लोगों ने मतदान किया, जिसमें एक फीसदी से भी कम वोट डाक मतपत्र के जरिये डाले गए। उन्होंने भारतीय मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का भी जिक्र किया, जिन्होंने अमेरिकी प्रशासन के अधिकारियों से वैध फोटो पहचान पत्र के बिना चुनाव कराने पर सवाल किया था। ट्रंप ने कहा कि भारत में हर मतदाता के पास मतदान के लिए वैध फोटो पहचान दस्तावेज होना जरूरी है। भारत की इस व्यवस्था का हवाला देते हुए ट्रंप अमेरिका में भी मतदाता पहचान संबंधी नियम सख्त करने पर जोर दे रहे हैं। वह सेफगार्ड अमेरिकन वोटर एलिजिबिलिटी अमेरिका एक्ट के लिए समर्थन जुटा रहे हैं। यह प्रस्तावित कानून मतदान पंजीकरण के लिए अमेरिकी नागरिकता का प्रमाण, देशव्यापी मतदाता पहचान संबंधी आवश्यकताएं लागू करना और डाक के जरिये मतदान को काफी हद तक सीमित करने की बात करता है। हालांकि, चुनावी नियमों को लेकर अमेरिका में राजनीतिक मतभेद बने हुए हैं और यह विधेयक सीनेट में फिलहाल आगे नहीं बढ़ सका है।

किसानों को राहत, फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 अगस्त तक बढ़ी

नई दिल्ली। एजेंसी। खरीफ 2026 की फसलें खेतों में उम्मीद जगा रही हैं, लेकिन बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि, जलभराव या कीट-रोग का खतरा हमेशा मंडराता रहता है। ऐसे में किसानों की महीनों की मेहनत को सुरक्षित रखने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाय) एक मजबूत आर्थिक सहारा बन सकती है। सरकार ने ऋणी किसानों के लिए अपनी फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 31 अगस्त 2026 कर दिया है, जिससे उन्हें मौसम की मार से निपटने का अतिरिक्त समय मिल गया है। केसीसी धारकों के लिए अहम जानकारी किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) धारक किसानों के लिए 24 अगस्त 2026 की तारीख बेहद महत्वपूर्ण है। यदि कोई ऋणी किसान फसल बीमा नहीं कराना चाहता है, तो उसे इस तिथि तक अपनी संबंधित बैंक शाखा में लिखित रूप से ऑप्ट-आउट आवेदन जमा करना होगा। ऐसा न करने पर, बैंक निर्धारित नियमों के अनुसार किसान के खाते से प्रीमियम काटकर फसल का बीमा कर देगा। व्यापक कवरेज, कई आपदाओं में सुरक्षा यह योजना केवल बाढ़ या सूखे तक सीमित नहीं है, बल्कि कई आपदाओं को कवर करती है। सूखा, बाढ़, ओलावृष्टि, जलभराव, तूफान, चक्रवात, आकाशीय बिजली, रोग और कीट से खड़ी फसल को हुए नुकसान पर बीमा का लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त, प्रतिकूल मौसम के कारण बुवाई प्रभावित होने, या बुवाई के एक माह बाद से कटाई के 15 दिन पहले तक संभावित उपज में 50 प्रतिशत से अधिक नुकसान होने पर भी सहायता प्रदान की जाएगी। स्थानीय आपदाओं जैसे ओलावृष्टि, भूस्खलन, बादल फटना और आकाशीय बिजली से आग लगने पर भी किसान लाभ उठा सकते हैं। कटाई के बाद खेत में सुखाने के लिए रखी फसल को 14 दिन तक ओलावृष्टि या बेमौसम बारिश से हुए नुकसान को भी योजना में शामिल किया गया है। प्रीमियम और बीमित राशि (खरीफ 2026) खरीफ 2026 के लिए इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को नामित किया गया है। धान के लिए 86 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की बीमित राशि पर किसान को 1,720 रुपये प्रति हेक्टेयर प्रीमियम देना होगा।

मेष- आज साझेदारी के कामों में आपकी समझदारी और मेहनत रंग लाएगी। अपनी जिम्मेदारियां समय पर पूरी करके आप लोगों का भरोसा जीतने में सफल रहेंगे। हालांकि किसी मुद्दे पर बहस की स्थिति बन सकती है, इसलिए बातचीत में शब्दों का खास ध्यान रखें। दिल की कोई बड़ी इच्छा पूरी होने से मन बेहद प्रसन्न रहेगा। कानूनी मामलों में जल्दबाजी करने के बजाय किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना आपके लिए ज्यादा फायदेमंद रहेगा।

वृषभ- आज बढ़ते खर्च आपकी जेब पर दबाव डाल सकते हैं, इसलिए आर्थिक मामलों में सोच-समझकर कदम बढ़ाएं। विरोधी आपकी राह में अड़चन डालने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन धैर्य और सूझबूझ से आप उन्हें मात दे देंगे। प्रॉपर्टी खरीदने की योजना बन सकती है और लोन लेने पर भी विचार कर सकते हैं। भाई-बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा। मामा पक्ष से धन लाभ या कोई अच्छी आर्थिक खबर मिलने की संभावना है।

मिथुन- आज आपकी पहचान और मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी, जिससे आपको गर्व और खुशी दोनों महसूस होंगे। हालांकि, पिता की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता बनी रह सकती है। यात्रा के दौरान अनजान लोगों पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। किसी छोटी बात को लेकर मन परेशान हो सकता है, लेकिन कुल मिलाकर आपके अधिकांश काम सफलता के साथ पूरे होंगे।

कर्क- आज भाग्य आपके साथ खड़ा नजर आएगा। काम के सिलसिले में यात्रा हो सकती है और सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी से मन को सुकून मिलेगा। माता-पिता का सहयोग आपके कई रुके हुए काम पूरे कराने में मदद करेगा। करियर में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखें और अनावश्यक विवादों से दूर रहें। परिवार में किसी सदस्य की नौकरी से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है, जिससे पूरे घर का माहौल खुशनुमा हो जाएगा।

सिंह- आज कमाई बढ़ाने के कई नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं और आप उनका भरपूर फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। किसी कानूनी मामले को लेकर भागदौड़ करनी पड़ सकती है, इसलिए जरूरी कागजात और सलाह को लेकर सतर्क रहें। दोस्तों के साथ घूमने या पार्टी का कार्यक्रम बन सकता है। सिंगल लोगों की किसी खास व्यक्ति से मुलाकात होने की संभावना है। कारोबार के अटके हुए काम भी आज गति पकड़ सकते हैं।

कन्या- आज आपके भीतर नई ऊर्जा और कुछ अलग करने का उत्साह रहेगा। अपनी समझदारी और कार्यकुशलता से आप दूसरों को प्रभावित करेंगे। नया वाहन खरीदने की योजना बन सकती है और काम करने की क्षमता में भी बढ़ोतरी होगी। संतान से जुड़ी कोई अच्छी खबर आपका दिन बना सकती है। हालांकि, पैसों से जुड़े मामलों में सावधानी बरतें और बिना जरूरत के खर्च करने से बचें।

तुला- आज भावनाओं के बजाय समझदारी से फैसले लेना आपके लिए बेहतर रहेगा। जल्दबाजी में उठाया गया कोई कदम नुकसान पहुंचा सकता है। जीवनसाथी के साथ खूबसूरत समय बिताने का अवसर मिलेगा और रिश्ते में नजदीकी बढ़ेगी। दूसरी ओर, बढ़ते खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी हाथ लग सकती है, जो आगे आपके काम आएगी। सेहत से जुड़ी छोटी परेशानी को भी नजरअंदाज न करें।

वृश्चिक- आज किसी बड़े जोखिम में पैसा या समय लगाने से बचना ही समझदारी होगी। कारोबार में तकनीकी समस्या या कोई छोटी अड़चन परेशानी दे सकती है। किसी व्यक्ति के बहकावे में आकर फैसला न लें और हर बात की अच्छी तरह जांच कर लें। सही साझेदार के साथ काम करने पर फायदा मिलेगा। परिवार में शादी-विवाह से जुड़ी कोई पुरानी अड़चन दूर हो सकती है।

धनु- आज आलस्य आपके लिए सबसे बड़ी परेशानी बन सकता है। काम को टालते रहेंगे तो छोटी समस्या भी बड़ी हो सकती है, इसलिए सक्रिय रहना जरूरी है। घर में बदलाव या सजावट का मन बनेगा, लेकिन टालमटोल के कारण योजना अटक सकती है। नौकरी में काम का दबाव बढ़ेगा, फिर भी भाग्य का साथ मिलने से आप परिस्थितियों को संभाल लेंगे।

मकर- आज लाभ के अच्छे संकेत मिल रहे हैं। दांपत्य जीवन में चल रही परेशानियां धीरे-धीरे दूर होंगी और रिश्ते में फिर से मधुरता आएगी। किसी नए व्यक्ति से दोस्ती हो सकती है, जो आगे चलकर आपके लिए महत्वपूर्ण साबित हो। आपके नए प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिलेगा।

कुंभ- आज का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव वाला रह सकता है, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। काम से जुड़ी किसी बात पर बहस हो सकती है, फिर भी आपकी ऊर्जा और आत्मविश्वास आपको स्थिति संभालने में मदद करेंगे। परिवार में तालमेल बना रहेगा। विद्यार्थियों को मानसिक तनाव से राहत मिलेगी और पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगे।

मीन- आज आपको जीवन के अलग-अलग क्षेत्रों में संतुलन बनाकर चलना होगा। सोच-समझकर लिए गए फैसले आपकी तरक्की का रास्ता खोलेंगे। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई बड़ा अवसर मिल सकता है। अपनी किसी समस्या को टालते रहने के बजाय उसका समय रहते समाधान निकालें।

शब्दजाल - 8354

शब्द जाल में आंध्रप्रदेश के10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

प्र	अ	मे	आ	ए	का	धि	का	र	प	क
न	का	क	दि	इं	डो	ने	ग	ति	मा	री
अ	दा	र	ला	मा	ग	अ	द	ह	प	म
है	द	रा	बा	द	न	स	नं	ह	लि	न
त	अ	अ	द	न	कृ	ष्णा	ह	त	न	ग
ख	म्म	न	र	व	प	का	त	ह	पु	र
ग	मा	ल	मा	व	चि	ला	र	मा	न	र
र	न	भा	र	न	प	तु	रा	ल	वि	ला
क	गुं	बा	क	ड	प्पा	प	र	न	जू	दे
र	टु	ति	मा	न	सिं	ब्रा	रु	का	प	श
बां	र	ल	प	रु	स	क	र्नू	ल	र	र

आदिलाबाद, हैदराबाद, अनंतपुर, गुंटूर, चितुर, कृष्णा, कर्नूल, कडप्पा, खम्मन करीमनगर,

शब्दजाल - 8353 का हल

म	अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	धे	मा	जी
रा	वि	ली	प्रे	क	ब्या	स	दे	ज	कां	ड़
चु	बा	र	पे	टा	छ	मि	रां	ब	वृ	डि
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	ग	ल	ष	ब्रु
बो	आ	मी	ल	म	चा	न	क्रो	न	भ	ग
य	ग	न	र	रा	गो	ली	ती	जो	घ	ढ़
द	सं	ईं	ग	ट्रे	न	ला	स	र	व	स
धु	ह	अ	गां	द	ब	क	घा	हा	श	क
ब	म	तु	ला	व	म	स	या	ट	र	आ
री	गॉ	ल	क	छा	र	कुं	भ	म	प	द
क	ड	क	र्क	या	क	र्त	का	म	रू	प

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7298

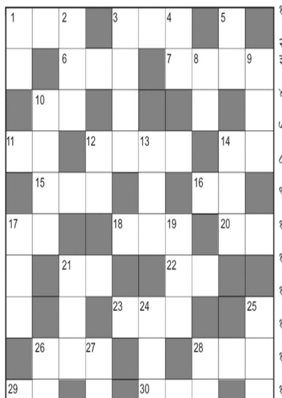

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
२. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. राज कपूर, नर्गीस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था?-४
१२. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम की फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म-३
१७. जॉय मुखर्जी, सायरा की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'ऐ दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
२४. फिल्म 'अंखियों से गोली मारे' की नायिका कौन है?-३
२५.'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म-३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है?-२
२८. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म-३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राजेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
१०. फिल्म 'नरसिम्हा' में नायक कौन था-२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन थी-४
१४. 'अनपढ़' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है?-३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कौशल की फिल्म-२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
१८. शशिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मीला की फिल्म-२
२१. आमिर, माधुरी की 'खंभे जैसी खड़ी हैं' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी?-२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'ऊपरवाला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, सायरा बानो की फिल्म-३
२८. प्रसिद्ध बालगीत 'आओ बच्चों तुम्हें दिखायें' किस फिल्म का हैं?-३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैंया' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7297

सं	गी	त	■	भा	भी	■	दी	दा	र
ग्रा	■	ह	स्ती	■	गी	ता	■	स्ता	■
म	ह	ल	■	ही	रा	■	जा	न	म
■	■	का	श	■	त	मि	ल	■	न
शो	ले	■	गु	ड्डु	■	थु	■	■	मौ
र	■	शा	न	■	जा	न	की	बा	जी
■	डॉ	न	■	स	नी	■	■	द	■
क	■	दा	सी	■	दु	■	स	ल	मा
सौ	■	र	■	दु	श्म	न	■	■	चि
टी	ना	■	माँ	■	न	■	पा	र	स

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

19 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	सिंह	05.29 बजे से
चंद्र	तुला में	कन्या	07.45 बजे से
मंगल	मिथुन में	तुला	09.56 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.10 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	14.26 बजे से
शुक्र	कन्या में	मकर	16.32 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.18 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	19.51 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	21.21 बजे से
राहुकाल		वृष	23.02 बजे से
12.00 से 1.30		मिथुन	01.00 बजे से
बजे तक		कर्क	03.13 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 231 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 19.20 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 06.47 बजे को समाप्त।
योग ब्रह्म 03.44 बजे रात्र को समाप्त।
करण गर 06.31 बजे तदनन्तर वणिज 19.20 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 6.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 12° 50'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872806
जूलियन दिन 2461271.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उलावल **तारीख** 05
विशेष तुलसीदास जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: मन की ताकत

गणेश शंकर विद्यार्थी अपने समय के जाने-माने पत्रकार थे। वह राष्ट्रीय एकता और आम आदमी के हक के लिए हमेशा संघर्षरत रहे। जिन दिनों वह कानपुर में थे, उन दिनों वहां कुछ शरारती तत्व शहर का सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने पर लगे थे। शहर की हालत से गणेश शंकर विद्यार्थी बेहद परेशान थे और किसी तरह शांति स्थापित करना चाहते थे। उन्होंने दंगा-फसाद करने वालों को सबक सिखाने की ठान ली। विद्यार्थी जी शरीर से दुबले-पतले थे, मगर आत्मविश्वास और साहस उनमें कूट-कूट कर भरा हुआ था। एक दिन वह लोगों को शांत कराते हुए जनरल गंज की ओर निकल गए। वहां पहुंचकर उन्होंने देखा कि पहलवान जैसा दिखने वाला एक आदमी जूते की दुकान को लूट रहा है। वह जूतों को एक बोरे में भर रहा था और दुकानदार उसके सामने हाथ जोड़े गिड़गिड़ा रहा था। यह देखकर विद्यार्थी जी जोर से बोले, 'ठहरो।' वहां कई लोग खड़े थे। वे यह देखकर हैरान रह गए कि एक दुबला-पतला व्यक्ति भीमकाय शरीर वाले बदमाश को ललकार रहा है। बदमाश विद्यार्थी जी की ओर लपका तो वह उसे दुत्कारते हुए बोले, 'तुम्हें शर्म नहीं आती? दुकान का माल क्या मुफ्त का है? इतने तगड़े होकर भी सेवा या मदद तो कर नहीं रहे, उलटे दूसरों को लूट रहे हो।' बदमाश यह सुनकर शर्म से गड़ गया और सारा सामान छोड़कर वहां से चंपत हो गया। उसके जाने के बाद लोग विद्यार्थी जी से बोले, 'वह व्यक्ति आपसे तगड़ा था, आपको उससे डर नहीं लगा?' विद्यार्थी जी बोले, 'वह तगड़ा कहां था! सिर्फ शरीर से तगड़े को मैं तगड़ा नहीं मानता। मन से वह दुर्बल था, तभी तो गलत काम कर रहा था। गलत काम करने वाला शरीर से भले ही मजबूत हो, मन से बहुत कमजोर होता है। यदि हम मनुष्य होकर भी मनुष्यता से दूर भागते हैं तो मनुष्यता का अर्थ ही क्या रह जाता है?' विद्यार्थी जी की इस बात पर वहां उपस्थित सभी लोग शर्मिंदा हो गए।

सूडोकु नवताल- 7607

मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल -7606 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 8822

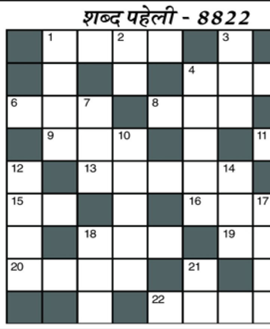

बाएँ से दाएँ

1.वटवृक्ष, बट-4
4.मितव्यय,बचत-4
6. ......-सनाप, बेतुकी बकवास-3
8.भाड़ा-3
9.मृत्यु होना-3
11.खुशी, सहमत-2
13.अक्लमंद, समझ वाला-5
15.बलिदान, उत्सर्ग-2
16.जबान, जीभ, जिह्वा-3
18.गिरोह, मंडली, समूह-3
19.अपनापन, प्रेम, स्नेह-3
20.फूलना-फलना-4
22.अभिलाषा, आकांक्षा, हसरत-4

ऊपर से नीचे

1.कलंकित, निंदित, लांछित-3
2.दुख, शोक, अफसोस-2
3.खात्मा, समाप्ति, बर्बाद-3
4.मकान आदि भाड़े पर लेने वाला-5
5.संस्कृति, सभ्यता-4
7.स्पर्श, छूना-3
10.ख्याति अर्जित करना (मु.-2,3)
12.वह आरोप जो किसी आरोप के जवाब में किया जाय-4
14.परंपरा, नियम, चाल -3
17.ख्याति, जाना-पहचाना-3
18.माला आदि फैरना-3
21.जेबकतरा, ठग, डाकू-2

शब्द पहेली -8821 का हल

र	म	णी	य	■	ब	र	स	■
बा	म	■	की	■	ह	■	म	त
य	■	अ	न	ब	न	■	■	म
त	म	स	■	री	■	स	र	स
■	■	बा	ज	■	पा	रो	■	■
स	ली	ब	■	मी	■	व	ज	ह
ली	■	■	म	न	ह	र	■	रा
का	म	■	न	■	र	■	श	र
■	द	म	न	■	म	हा	ब	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

जनसुनवाई में सुनी गई आवेदकों की समस्याएँ

118 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में 18 अगस्त को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर कुमार सत्यम की अध्यक्षता में अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, श्री एमआर कोल, विजय यादव तथा एसडीएम गोपाल सोनी ने आवेदकों की समस्याएँ सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 118 आवेदक अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचे।

जनसुनवाई में कटंगी तहसील अंतर्गत ग्राम बाहकल के जितेंद्र वगारे मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना की ऋण राशि भुगतान नही किये जाने की शिकायत लेकर आये थे। जितेंद्र का कहना था कि उसने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत सेंट्रिंग कार्य व्यवसाय के लिए सेंट्रल बैंक आफ इंडिया शाखा आगरी में आवेदन प्रस्तुत किया था, किंतु अब तक उसे योजना की राशि प्राप्त नही हुई है। उसने बताया कि शाखा प्रबंधक से संपर्क करने पर टालमटोल किया जा रहा है। अत: शीघ्र योजना की राशि प्रदाय की जाए, ताकि वह अपना व्यवसाय शुरू कर सके। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बालाघाट तहसील अंतर्गत ग्राम रट्टा के जानुसिंह तेकाम प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि दिलाये जाने की मांग लेकर आये थे। उसका कहना था कि उसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 03 किश्त मिली लेकिन चौथी किश्त से उसे योजना की राशि मिलना बंद हो गई। उसने बताया कि इस संबंध में हल्का पटवारी से जानकारी प्राप्त करने पर टालमटोल किया जाता है। अत: शीघ्र योजना का लाभ प्रदान किया जाए। इस प्रकरण में तहसीलदार बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

तहसील तिरोडी निवासी भुषण खेलकर सांप द्वारा उसके बैल को काटे जाने पर मुआवजा राशि दिलाये जाने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि विगत तीन माह पहले खेत में सांप द्वारा उसके बैल को काटे जाने के पश्चात बैल की मृत्यु हो गई है। बैल की मृत्यु उपरांत उसने मुआवजे की राशि के लिए तिरोडी तहसील कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया था किंतु अब तक उसे शासन से मुआवजा की राशि प्राप्त नही हुई है। इससे उसकी आर्थिक स्थिति पर प्रभाव पड रहा है। अत: शीघ्र मुआवजा की राशि प्रदान की जाए। इस प्रकरण में तिरोडी तहसीलदार को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में बिरसा तहसील के ग्राम पटेलटोना निवासी बनिया हिरवाने भूमि सीमांकन में हो रही देरी की समस्या लेकर आये थे। बनिया ने बताया कि उसने 26 मई को भूमि सीमांकन के संबंध में जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत किया था, लेकिन वर्तमान समय तक आरआई और पटवारी द्वारा उनकी शिकायत का संतोषजनक निराकरण नहीं किया गया है। उसका कहना है कि भूमि का सीमांकन तो किया जा चुका है, लेकिन उनकी पूरी जमीन को सीमांकन में शामिल नहीं किया गया है। इस कारण वह अपनी भूमि के पूर्ण सीमांकन और मामले के उचित निराकरण की मांग को लेकर पुन: जनसुनवाई में पहुंचे। इस प्रकरण में तहसीलदार बिरसा को आवश?यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बालाघाट के वार्ड क्रमांक 23 के रहवासी दीनदयाल पुरम कॉलोनी की सड़क मरम्मत की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि कॉलोनी की मुख्य सड़क पिछले 10 वर्षों से अधिक समय से जर्जर है और जगह-जगह बड़े गड्ढे बने हुए हैं। नल पाइपलाइन कार्य के बाद सड़क की उचित मरम्मत नहीं होने से आवागमन मुश्किल और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। अत: वार्ड के रहवासियों ने प्रशासन से जनहित और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सड़क का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण पुनर्निर्माण कराने की मांग की है। इस प्रकरण में नगर पालिका सीएमओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

तिरोड़ी के वार्ड क्रमांक 10 निवासी चंदन वनवे खाद्यान्न पर्ची निरस्त हो जाने से हों रही असुविधा की शिकायत लेकर आये थे। चंदन का कहना था कि उसे वर्ष 2011 से खाद्यान्न मिल रहा था और उसका नाम बीपीएल सूची में शामिल था। किंतु वर्ष 2025 में पुत्र द्वारा आय प्रमाण पत्र बनवाए जाने के बाद उनकी खाद्यान्न पर्ची निरस्त कर दी गई। पिछले 9 माह से खाद्यान्न नहीं मिलने के कारण परिवार के सामने परेशानी खड़ी हो गई है। अत: पात्रता पर्ची पुन: जारी की जाए। इस प्रकरण में जिला आपूर्ति अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

लांजी तहसील के ग्राम पंचायत दिघोरी की निवासी सरिता जीवतोड़े प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की सर्वे सूची में नाम जोड़ने की मांग लेकर आयीं थी। सरिता का कहना था कि उसके कच्चे मकान का सर्वे, जियो-टैग और सत्यापन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी। तकनीकी खराबी के कारण उनका नाम सर्वे सूची से विलोपित हो गया, जिससे योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उसने प्रशासन से प्रकरण की पुन: जांच कर सर्वे सूची में नाम जोड़ने की मांग की है। इस प्रकरण में जिला पंचायत की परियोजना अधिकारी आवास को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

लालबर्रा तहसील अंतर्गत ग्राम कटंगझरी निवासी देवराम सूर्यवंशी कच्चा मकान गिरने उपरान्त सहायता राशि दिलाये जाने की मांग लेकर आये थे। उसका कहना था कि 4 जुलाई 2026 को हुई बारिश के कारण उसका मकान पूरी तरह गिर गया है। मकान के मलबे में गृहस्थी का सामान दबकर नष्ट होने से परिवार को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। अत: उसने प्रशासन से उचित मुआवजा एवं आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है। इस प्रकरण में एसडीएम वारासिवनी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

कटंगी तहसील के ग्राम सावंगी निवासी राजेंद्र चौधरी पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत टूल किट उपलब्ध कराने की मांग लेकर आये थे। राजेन्द्र का कहना था कि उसका योजना में पंजीयन है और वे करीब 20 माह पूर्व प्रशिक्षण भी पूरा कर चुके हैं। इसके बावजूद अब तक उसे टूल किट प्रदान नहीं की गई, जिससे काम करने में परेशानी हो रही है। इस प्रकरण में आईटीआई बालाघाट के प्राचार्य एवं जिला व्यापार उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए है।

बिरसा तहसील अंतर्गत ग्राम छपला निवासी पार्वतीबाई यादव वन भूमि पर लंबे समय से काबिज होने का दावा करते हुए वन अधिकार पट्टा देने की मांग लेकर आयीं थी। पार्वती का कहना है कि वह 0.805 हेक्टेयर वन भूमि पर खेती कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं। उनका वन अधिकार दावा ग्राम वन समिति द्वारा मान्य कर उपखंड बैहर में जमा किया जा चुका है। अत: उसने प्रशासन से वन अधिकार पुस्तिका प्रदान कर शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने की मांग की है। इस प्रकरण में एसडीएम बैहर को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए है।

गोवारी समाज के गोठान की जमीन पर गार्डन निर्माण का विरोध-कलेक्टर से लगाई रोक की गुहार

जनसुनवाई में कलेक्टर को सौंपा आवेदन, 100-150 वर्षों से चली आ रही परंपरा का हवाला, आलेझरी के ग्रामीणों ने पंचायत पर लगाया मनमानी का आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनपद पंचायत वारासिवनी के अंतर्गत ग्राम आलेझरी में गोवारी समाज के पारंपरिक खिलिया मुठया (गोठान) की भूमि पर ग्राम पंचायत द्वारा उद्यान बगीचा निर्माण कराए जाने का मामला सामने आया है। निर्माण कार्य का विरोध करते हुए गोवारी समाज के दो दर्जन से अधिक लोगों ने मंगलवार को बालाघाट कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जनसुनवाई में हस्ताक्षरयुक्त आवेदन सौंपा और निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

गोवारी समाज के लोगों ने आवेदन में बताया कि ग्राम की आबादी भूमि पर पूर्व से भगवान कृष्ण का मंदिर स्थित है। इसी मंदिर के समीप गोवारी समाज के आराध्य देव खिलिया मुठया जिसे समाज पारंपरिक गोठान के रूप में मानता है की जगह भी स्थित है। समाज का दावा है कि उक्त स्थान पर उनके पूर्वजों के समय से करीब 100 से 150 वर्षों से परंपरागत रूप से पूजा-अर्चना और गोठान संबंधी गतिविधियां होती आ रही हैं। इसी स्थान के समीप शासकीय पशु चिकित्सालय भी बना हुआ है।

समाज के लोगों का आरोप है कि ग्राम पंचायत आलेझरी के सरपंच एवं कार्यकारी सदस्यों द्वारा उक्त स्थान से कृष्ण मंदिर और खिलिया मुठया की जगह को हटाकर वहां उद्यान बगीचा बनाने की घोषणा की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने इस संबंध में पंचायत को आवेदन देकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी ।लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं किया गया।आवेदन में पंचायत प्रतिनिधियों पर कथित तौर पर गोवारी समाज की परंपरागत भूमि पर अधिकार को नकारने का भी आरोप लगाया गया है। समाज के लोगों का कहना है कि यदि पंचायत को विकास कार्य करना है तो समाज की धार्मिक एवं पारंपरिक मान्यताओं को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक स्थान पर उद्यान का निर्माण किया जाए। लेकिन खिलिया मुठया एवं कृष्ण मंदिर को हटाकर निर्माण कार्य न कराया जाए।

हनवासी सहारे ने बताया कि आलेझरी गांव में गोवारी समाज का गोठान करीब 100 वर्ष से भी अधिक समय से है। समाज के लोग हर वर्ष इसी स्थान पर परंपरा के अनुसार गाय खिलाते हैं। यह परंपरा उनके पूर्वजों के समय से चली आ रही है। उन्होंने कहा कि गोठान की जगह पर गार्डन बनाए जाने से समाज की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा प्रभावित होगी ।वहीं गोवर्धन राऊत ने कहा कि गोवारी समाज के गोठान की जगह पर पंचायत द्वारा गार्डन का निर्माण कराया जा रहा है। उनके अनुसार यह स्थान समाज की पुरानी परंपरा से जुड़ा है और यहां प्रतिवर्ष गाय खिलाने की रस्म निभाई जाती है। उन्होंने मांग की कि उक्त स्थान पर गोठान को यथावत रखा जाए। गोवारी समाज के लोगों ने कलेक्टर से मामले की जांच कराते हुए उद्यान-बगीचा निर्माण कार्य पर रोक लगाने खिलिया मुठया (गोठान) एवं कृष्ण मंदिर को सुरक्षित रखने तथा समाज की वर्षों पुरानी परंपरा को बनाए रखने की मांग की है।

संत शिरोमणि रविदास जी के सामाजिक समसरता एवं समानता का संदेश देने जिले में 20 अगस्त से निकाली जायेंगी कलश यात्रा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। संत शिरोमणि गुरू रविदास महाराज की 650वीं जन्म जयंती के अवसर पर प्रदेश में उनके जीवन दर्शन तथा समता, भक्ति, सेवा, सामाजिक न्याय, एवं मानवता के संदेश के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्यं से श्री गुरू रविदास महाराज समसरता संकल्प अभियान एवं कलश यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। बालाघाट जिले में 20 अगस्त से प्रारंभ होने वाले इस संकल्प अभियान एवं यात्रा की तैयारियों को लेकर आज 18 अगस्त को अपर कलेक्टर श्री जी एस धुर्वे की अध्यक्षता में अधिकारियों एवं सामाजिक लोगों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संकल्प अभियान एवं कलश यात्रा के मार्ग एवं उसमें शामिल होने वाले ग्रामों में कार्यक्रम आयोजन के संबंध में चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि अभियान अंतर्गत जिला मुख्यालय बालाघाट में 20 अगस्त, 2026 को बुढी स्थित संत रविदास मंदिर में कलश वंदन एवं सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद पावन कलश को कलश रथ में स्थानीय रविदास मंदिर एवं ग्राम स्तर तक ले जाया जाएगा। कलश यात्रा जिले में 20 अगस्त से 10 सितम्बर 2026 तक निर्धारित मार्ग पर आयोजित की जाएगी। बैठक में तय किया गया कि कलश यात्रा 20 अगस्त को बुढी-बालाघाट से प्रारंभ होकर लालबर्रा विकासखंड के ग्राम गर्रा पहुंचेंगी और रात्रि विश्राम करेगी।

21 अगस्त को यात्रा गर्रा से अमोली होते हुए बोरी पहुंचेंगी और रात्रि विश्राम बोरी में करेगी। 22 अगस्त को बोरी से कलश यात्रा कटंगी विकासखंड के ग्राम कटेदरा होते हुए बासी पहुंचेगी और रात्रि विश्राम बासी में करेगी। 23 अगस्त को यात्रा बासी से पौनिया पहुंचेगी और रात्रि करेगी, 24 अगस्त को पौनिया से यात्रा प्रारंभ होकर सोनेगांव होते हुए बोथवा पहुंचेगी और रात्रि विश्राम बोथवा में करेगी। 25 अगस्त को यात्रा बोथवा से प्रारंभ होकर बोनकट्टा होते हुए हरदोली पहुंचेगी और रात्रि विश्राम हरदोली में करेगी तथा 26 अगस्त को हरदोली से यात्रा प्रारंभ होकर सावरी होते हुए नांदी पहुंचेगी और रात्रि विश्राम नांदी स्थित मंदिर में करेगी।

कलश यात्रा 27 अगस्त को नांदी से प्रारंभ होकर खैरलांजी विकासखंड के ग्राम मिरगपुर, कटोरी पहुंचेगी और रात्रि विश्राम कटोरी में करेगी। 28 अगस्त को कटोरी से अतरी होते हुए नोनसा पहुंचेगी और रात्रि विश्राम नोनसा में करेगी। 29 अगस्त को नोनसा से यात्रा प्रारंभ होकर वारासिवनी विकासखंड के ग्राम बघोली, बकेरा होते हुए नारवांजपार पहुंचेगी और रात्रि विश्राम करेंगी। 30 अगस्त को नारवांजपार से यात्रा शुरू होगी और खण्डवा होते हुए वारासिवनी पहुंचेगी और रात्रि विश्राम वारासिवनी में करेगी। 31 अगस्त को यात्रा वारासिवनी से शुरू होकर किरनापुर विकासखंड के वारा होते हुए बटरमारा पहुंचेगी और रात्रि विश्राम करेगी। 01 सितम्बर को यात्रा बटरमारा से शुरू होकर बोडूंदा व खारा पहुंचेगी एवं रात्रि विश्राम खारा में करेगी। 02 सितम्बर को यात्रा खारा से प्रारंभ होकर नेवरगांवकला होते हुए नक्सी पहुंचेगी और नक्सी में रात्रि विश्राम करेगी। 03 सितम्बर को यात्रा नक्सी से बम्हनगांव, पाला, किरनापुर होते हुए वारा पहुंचेगी और वारा में रात्रि विश्राम करेगी।

कलश यात्रा 04 सितम्?बर को वारा से प्रारंभ होकर लांजी विकासखंड के ग्राम टेमनी व भानेगांव पहुंचेगी और रात्रि विश्राम करेगी। 05 सितम्बर को भानेगांव मंदिर से यात्रा प्रारंभ होकर बोरी होते हुए टेडवा पहुचेगी और रात्रि विश्राम करेगी। 06 सितम्बर को टेडवा से यात्रा शुरू होगी और देवलगांव में रात्रि विश्राम करेगी। यात्रा 07 सितम्बर को देवलगांव से पालडोंगरी पहुचेगी और रात्रि विश्राम करेगी। 08 सितम्बर को पालडोंगरी से बेलगांव पहुंचकर यात्रा रात्रि विश्राम करेगी। 09 सितम्बर को लांजी में यात्रा रात्रि विश्राम करेगी और 10 सितम्?बर को लांजी से प्रारंभ होकर यात्रा आवा पहुचेगी और उसका समापन होगा।

स्थानीय स्तर पर होंगे धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

अभियान के दौरान कलश यात्रा में चिन्हित स्थानीय मंदिरों में विविध स्वरुप के आयोजन यथा सामूहिक आरती, गुरुवाणी पाठ, भजन संध्या, समरसता संकल्प और अन्य स्थानीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें स्थानीय संतों, गुरुओं, समाज के प्रतिनिधियों एवं नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक में कलश यात्रा के दौरान प्रत्येक विकासखंड के लिए रथ प्रभारी नियुक्त करने का निर्णय लिया गया और इसके लिए जनजातीय कार्य विभाग के अधीक्षक को नियुक्त किया गया है। सामाजिक पदाधिकारियों को भी यात्रा रथ प्रभारी बनाया गया है।

बैठक में संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर, नगर पालिका सीएमओ सुर्यप्रकाश उके, बसंत कुमरे, भैयालाल मोहबे, हरिशचंद मोहबे, साहेबलाल बरैया एवं श्री छविलाल भोंडेकर उपस्थित थे।

एक्सप्रेस ट्रेनों का लामता स्टेशन में दिया जाए स्टॉपेज

6 सितंबर को संपूर्ण लामता बंद, चक्काजाम और रेल रोको आंदोलन की चेतावनी

पद्मेश न्यूज। लामता। लामता रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज दिए जाने की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों, ग्रामीणों, व्यापारियों, विद्यार्थियों एवं यात्रियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसी मांग को लेकर मंगलवार, 18 अगस्त को क्षेत्रवासियों ने लामता रेलवे स्टेशन पहुंचकर स्टेशन प्रबंधक को रेल प्रबंधक के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में जबलपुरङ्करायपुर मूकमाटी इंटरसिटी एक्सप्रेस एवं जबलपुरङ्कचंदाफोर्ट एक्सप्रेस का लामता रेलवे स्टेशन पर स्टॉपेज दिए जाने तथा स्टेशन पर रिजर्वेशन काउंटर की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की गई। क्षेत्रवासियों ने बताया कि 15 अगस्त को आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया था कि यदि लामता स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज नहीं दिया गया तो 6 सितंबर 2026, रविवार को संपूर्ण लामता बंद, चक्काजाम एवं रेल रोको आंदोलन किया जाएगा। इसी क्रम में मंगलवार को ज्ञापन सौंपकर रेलवे प्रशासन से शीघ्र मांग पूरी करने की अपील की गई।

बड़ा क्षेत्र, लेकिन एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज नहीं

क्षेत्रवासियों का कहना है कि लामता रेलवे स्टेशन आसपास के मलाजखंड, बैहर, परसवाड़ा, चांगोटोला, उगली सहित अनेक क्षेत्रों के यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण है। यात्री, व्यापारी, किसान, मजदूर एवं विद्यार्थी इसी स्टेशन से अपने गंतव्य की ओर आवागमन करते हैं। इसके बावजूद एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज नहीं होने के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। क्षेत्रवासियों के अनुसार एक्सप्रेस ट्रेनों में यात्रा करने के लिए उन्हें करीब 50 किलोमीटर दूर बालाघाट रेलवे स्टेशन जाना पड़ता है, जिससे समय और अतिरिक्त किराए का भार भी उठाना पड़ता है

मांग पूरी नहीं हुई तो आंदोलन

क्षेत्रवासियों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि लामता स्टेशन पर दोनों एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज शीघ्र प्रदान किया जाए तथा रिजर्वेशन काउंटर की सुविधा शुरू की जाए। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो 6 सितंबर को संपूर्ण लामता बंद, चक्काजाम एवं रेल रोको आंदोलन कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान लामता क्षेत्र के बड़ी संख्या में नगरवासी, ग्रामीण, व्यापारी एवं अन्य क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मोहन कैबिनेट में लिए गए कई अहम और बड़े फैसले

भोपाल । भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना को अगले पांच साल तक जारी रखने का फैसला लिया गया। सरकार लाड़ली बहना योजना पर 1,14,365 करोड़ रुपए और लाड़ली लक्ष्मी योजना पर 16,326 करोड़ रुपए खर्च करेगी। कैबिनेट ने नर्मदा मिशन, एमपी सड़क विकास निगम में 35 नए पदों समेत 18 प्रस्तावों को मंजूरी दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट बैठक से पहले कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लालकिले की प्राचीर से 5 से 15 साल के बच्चों की प्रतिभाओं की खोज के लिए टैलेंट हंट अभियान चलाने की बात कही है। युवाओं के लिए फ्री ऑनलाइन कोचिंग का बड़ा नेटवर्क तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश के एक करोड़ युवाओं को एआई स्किल की ट्रेनिंग दी जाएगी। दुनिया का सबसे लोकतांत्रिक युवा देश होने के नाते एआई के विस्तार और विकास में भारत की अहम भूमिका होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशामुक्त भारत के लिए देश में 100 सप्ताह का बड़ा अभियान चलाया जाएगा। इसमें प्रमुख हस्तियों, समाजसेवी संस्थाओं और हर वर्ग के लोगों को जोड़ा जाएगा। उन्होंने सिविल डिफेंस नेटवर्क तैयार करने की आवश्यकता भी बताई। महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रस्ताव के मुताबिक मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना-2023 को अगले पांच साल तक जारी रखा जाएगा। योजना पर इस अवधि में 1,14,365 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना भी जारी रहेगी। इसके लिए अगले पांच साल में 16,326 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

मातृ वंदना योजना भी जारी रहेगी

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना को वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने के प्रस्ताव को भी कैबिनेट ने मंजूरी दी है। इसमें 60प्रतिशत केंद्रांश और 40% राज्यांश रहेगा। योजना के लिए पांच साल में 2,137 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

स्वास्थ्य योजनाओं पर 11,835 करोड़

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की मौजूदा योजनाओं को अगले पांच साल तक जारी रखने की मंजूरी दी गई है। इनमें उप स्वास्थ्य केंद्रों की निरंतरता, स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर और मजबूत करना तथा अस्पतालों और औषधालयों के भवन निर्माण से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। आशा कार्यकर्ताओं को मिलने वाले अतिरिक्त प्रोत्साहन को जारी रखने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। स्वास्थ्य योजनाओं के लिए पांच साल में 11,835 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं।

किसानों की 3 योजनाएं 5 साल जारी

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की 500 करोड़ रुपए से कम वित्तीय आकार वाली तीन विभागीय योजनाओं को अगले पांच साल तक जारी रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इनकी अवधि 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक रहेगी।

सड़क विकास निगम में 35 नए पद

मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के सुचारू संचालन के लिए स्वीकृत संरचना में 35 नए पदों के सृजन को मंजूरी दी गई है। इसके साथ पहले से स्वीकृत 7 पदों को 19 सितंबर 2026 के बाद अगले पांच साल तक बनाए रखने की स्वीकृति भी दी गई है।

विज्ञान विभाग की योजनाओं को मंजूरी

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की 'अनुसंधान, योजना तथा विकासीय गतिविधियां', 'निर्देशन एवं प्रशासन' और 'विज्ञान को लोकप्रिय करना, विज्ञान के प्रसार हेतु सहायता' योजनाओं को जारी रखने की मंजूरी दी गई है। मंत्री राकेश सिंह ने बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में पांच साल के लिए 492 करोड़ रुपए से अधिक की योजनाएं प्रस्तावित हैं। वर्तमान में विभाग का बजट 734 करोड़ रुपए है, जबकि कांग्रेस सरकार के समय यह 7 करोड़ रुपए था।

पुलिस के 2 चिकित्सा बिल मंजूर

गृह विभाग के दो मामलों में राज्य के बाहर निजी अस्पतालों में कराए गए इलाज के देयकों के भुगतान को मंजूरी दी गई है। इनमें भोपाल जिले के निरीक्षक कर्ण सिंह और छतरपुर जिले के सहायक उप निरीक्षक स्व. चन्द्रभान सिंह के मामले शामिल हैं।

वनपाल की 10 प्रतिशत पेंशन 3 साल रुकेगी

वन विभाग के सेवानिवृत्त तत्कालीन वनपाल रघुवीर सिंह यादव के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इसमें हानि की राशि की वसूली और 10 प्रतिशत पेंशन तीन साल के लिए रोकने का फैसला शामिल है।

सेवानिवृत्त सहकारी निरीक्षक पर जांच

सहकारिता विभाग के सेवानिवृत्त सहकारी निरीक्षक प्रवीण जैन के खिलाफ विभागीय जांच शुरू करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है।

न्यायालयीन मामलों को भी मंजूरी

कैबिनेट ने विभिन्न अदालतों में चल रहे मामलों में दिए गए आदेशों के पालन से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी दी। इनमें उर्मिला चौहान से संबंधित इंदौर हाईकोर्ट का मामला, सुप्रीम कोर्ट के तीन मामलों और प्रोग्राम्स के नियमितीकरण से जुड़ा जबलपुर हाईकोर्ट का मामला शामिल है।

कृषि विज्ञान केंद्र को 20 हेक्टेयर जमीन

कृषि विज्ञान केंद्र के निर्माण के लिए आईसीएआर (नेशनल सोयाबीन रिसर्च इंस्टीट्यूट) को ग्राम भाउखेड़ी, तहसील इछावर, जिला सीहोर में जमीन आवंटित करने को मंजूरी दी गई है। कुल 36.022 हेक्टेयर भूमि में से 20 हेक्टेयर भूमि स्थायी पट्टे पर आवंटित की जाएगी।

60 हजार शिक्षकों को देनी होगी टीईटी की परीक्षा

भोपाल। मध्यप्रदेश में प्राथमिक और माध्यमिक कक्षाओं में पढ़ा रहे करीब 60 हजार शिक्षकों को अब शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) देनी होगी। सुप्रीम कोर्ट के 1 सितंबर 2025 के आदेश के बाद कर्मचारी चयन मंडल ने पात्रता परीक्षा-2026 की नियम पुस्तिका जारी कर दी है। परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 21 अगस्त से शुरू होकर 4 सितंबर तक चलेगी। अभ्यर्थी 9 सितंबर तक आवेदन में सुधार कर सकेंगे। परीक्षा 12 अक्टूबर से आयोजित की जाएगी। परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 10 से दोपहर 12:30 बजे तक रहेगी, जबकि रिपोर्टिंग सुबह 8 से 9 बजे तक होगी। दूसरी पाली दोपहर 3 से शाम 5:30 बजे तक होगी और इसकी रिपोर्टिंग दोपहर 1 से 2 बजे तक करनी होगी। आवेदन शुल्क सामान्य वर्ग के लिए 1000 रुपए और एससी, एसटी, ओबीसी व दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए 500 रुपए निर्धारित किया गया है।

महंगाई भत्ते-सीपीसीटी के विरोध में कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

- नारेबाजी कर विरोध जताया और जल्द कैशलेस हेल्थ स्कीम लागू करने की मांग की

भोपाल । आठ माह से लंबित महंगाई भत्ते और सीपीसीटी की अनिवार्यता के विरोध में तृतीय वर्ग कर्मचारी संगठन ने मंगलवार को मंत्रालय के सामने प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने नारेबाजी कर सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध जताया और जल्द कैशलेस हेल्थ स्कीम लागू करने की मांग की।

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ मध्य प्रदेश के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने बताया कि प्रदर्शन में संघ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल हुए। कर्मचारियों ने प्रदेश में कार्यरत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 1 जनवरी 2026 से 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता और महंगाई राहत देने की मांग की।

नए कर्मचारियों को 100 प्रतिशत वेतन देने की मांग

कर्मचारियों ने नवनियुक्त कर्मचारियों को तीन साल तक 70, 80 और 90 प्रतिशत वेतन देने के प्रावधान को खत्म करने की मांग की। संघ का कहना है कि इस व्यवस्था के कारण प्रत्येक कर्मचारी को करीब 1.74 लाख से 4 लाख रुपए तक का आर्थिक नुकसान होता है।

कैशलेस इलाज और सीपीसीटी की अनिवार्यता खत्म करने की मांग

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा कर्मचारियों के लिए कैशलेस इलाज की सुविधा देने की घोषणा की जा चुकी है, लेकिन अभी तक इसका लाभ नहीं मिल रहा है। संघ ने योजना को जल्द लागू करने की मांग की। कर्मचारियों ने कहा कि किसी भर्ती में सीपीसीटी की अनिवार्यता रखी जा सकती है, लेकिन अनुकंपा नियुक्ति और चतुर्थ श्रेणी से तृतीय श्रेणी में पदोन्नति के लिए, इसकी बाध्यता खत्म की जानी चाहिए। अनुकंपा नियुक्ति में भी सीपीसीटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग की गई। इसके अलावा कर्मचारियों ने ई-अटेंडेंस व्यवस्था खत्म करने की मांग भी उठाई। प्रदर्शन का नेतृत्व संघ के प्रदेश अध्यक्ष अतुल मिश्रा ने किया। इस दौरान संघ के जिला अध्यक्ष सलीम खान सहित अन्य पदाधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

यूथ कांग्रेस की राष्ट्रीय रैंकिंग में एमपी का दबदबा

तीन श्रेणियों में टॉप-5; संगठन की जमीनी सक्रियता पर लगी मुहर

भोपाल। मध्यप्रदेश में कांग्रेस के लिए युवा संगठन की सक्रियता अब सिर्फ सड़कों पर नजर आने वाले आंदोलनों तक सीमित नहीं है। भारतीय युवा कांग्रेस की जुलाई की राष्ट्रीय रैंकिंग में मध्यप्रदेश के तीन प्रमुख पदाधिकारियों का टॉप-5 में पहुंचना संगठन की जमीनी सक्रियता का नया संकेत माना जा रहा है। खास बात यह है कि प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक परमार ने देशभर में पहला स्थान हासिल किया, जबकि प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया चौथे नंबर पर रहे। जिला स्तर पर मंदसौर के दुर्गेश पंवार पटेल तीसरे और दतिया के परबेंद्र सिंह गुर्जर चौथे स्थान पर पहुंचे। युवा कांग्रेस की इस रैंकिंग को संगठन के भीतर केवल व्यक्तिगत प्रदर्शन का आकलन नहीं माना जा रहा, बल्कि इससे यह भी संकेत मिल रहा है कि मध्यप्रदेश में युवा कांग्रेस नेतृत्व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराने में सफल हो रहा है।

भारतीय युवा कांग्रेस की ओर से जुलाई महीने के कामकाज के आधार पर जारी रिपोर्ट कार्ड में मध्यप्रदेश की मौजूदगी तीन अलग-अलग स्तरों पर दिखाई दी। प्रदेश उपाध्यक्षों की श्रेणी में अभिषेक परमार ने पहला स्थान हासिल किया। प्रदेश अध्यक्षों की श्रेणी में यश घनघोरिया चौथे स्थान पर रहे। वहीं जिला अध्यक्षों की सूची में मंदसौर के दुर्गेश पंवार पटेल तीसरे और दतिया के परबेंद्र सिंह गुर्जर चौथे स्थान पर रहे। यानी राष्ट्रीय सूची में मध्यप्रदेश का प्रदर्शन किसी एक पदाधिकारी तक सीमित नहीं रहा। प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक संगठन के चेहरे टॉप रैंक में जगह बनाने में कामयाब रहे।

अभिषेक परमार ने बनाई नंबर-1 जगह

प्रदेश उपाध्यक्षों की सूची में अभिषेक परमार का प्रदर्शन सबसे खास रहा। उन्होंने देशभर में पहला स्थान हासिल किया। उनके बाद हरियाणा के दिनेश कुमार पोसवाल और सौमिल संधू क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। इस श्रेणी में पहले स्थान पर पहुंचना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय स्तर के मूल्यांकन में अलग-अलग राज्यों के पदाधिकारियों के कामकाज की तुलना की जाती है। ऐसे में मध्यप्रदेश के किसी पदाधिकारी का शीर्ष स्थान हासिल करना संगठन के लिए उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है।

प्रदेश अध्यक्षों में यश घनघोरिया चौथे

प्रदेश अध्यक्षों की रैंकिंग में उत्तराखंड के विशाल भोजक पहले, दिल्ली के अक्षय लाकरा दूसरे और चंडीगढ़ के दीपक कुमार लुबाना तीसरे स्थान पर रहे। मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष यश घनघोरिया ने चौथा स्थान हासिल किया। तमिलनाडु के सूर्य प्रकाश पांचवें नंबर पर रहे। घनघोरिया की रैंकिंग को प्रदेश संगठन के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि प्रदेश अध्यक्ष की सक्रियता का असर सीधे जिला और विधानसभा स्तर के संगठन पर पड़ता है।

जिला स्तर पर भी एमपी के दो चेहरे

रैंकिंग का सबसे दिलचस्प हिस्सा जिला अध्यक्षों की सूची है। यहां भी मध्यप्रदेश के दो पदाधिकारियों ने टॉप-5 में जगह बनाई। मंदसौर के दुर्गेश पंवार पटेल देश में तीसरे स्थान पर रहे, जबकि दतिया के परबेंद्र सिंह गुर्जर चौथे नंबर पर पहुंचे। दिल्ली के पटपड़गंज से मसूद आलम पहले और तमिलनाडु के सेंट्रल चेन्नई वेस्ट से नेल्लई एन.जे. आनंद बाबू दूसरे स्थान पर रहे। हरियाणा के हिसार से सोविन कुमार पांचवें स्थान पर रहे।

रैंकिंग से ज्यादा महत्वपूर्ण इसका राजनीतिक संदेश

इस रिपोर्ट कार्ड को सिर्फ संगठनात्मक उपलब्धि के तौर पर देखने के बजाय इसके राजनीतिक संकेत भी अहम हैं। मध्यप्रदेश में कांग्रेस लगातार भाजपा सरकार के खिलाफ बेरोजगारी, भर्ती, युवाओं और सरकारी नीतियों से जुड़े मुद्दों को उठाती रही है। इन मुद्दों पर युवा कांग्रेस को सड़क पर उतरने वाले प्रमुख संगठन के तौर पर आगे किया जा रहा है। ऐसे में राष्ट्रीय रैंकिंग में प्रदेश के पदाधिकारियों का बेहतर प्रदर्शन यह बताने की कोशिश भी है कि पार्टी का युवा संगठन सिर्फ प्रदेश नेतृत्व के निर्देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय कार्यक्रमों को स्थानीय स्तर पर लागू करने में भी सक्रिय है।

धन-धान्य योजना में मध्य प्रदेश का डिंडोरी अव्वल

भोपाल । प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना में मध्य प्रदेश का डिंडोरी जिला देश के 100 चयनित जिलों में पहली रैंक हासिल कर रहा है। जिले में 38,518 हेक्टेयर क्षेत्र में कृषि मशीनीकरण हुआ है, जबकि 15,928 किसान प्राकृतिक खेती से जुड़े हैं। कोदो-कुटकी की खेती 34,700 हेक्टेयर तक पहुंच गई है, जिससे 52,282 किसान परिवार और 14 एफपीओ सीधे जुड़े हैं। पारंपरिक कोदो-कुटकी को जीआई टैग मिलने से इसे राष्ट्रीय पहचान भी मिली है। योजना के तहत किसानों से 3,000 क्विंटल कोदो-कुटकी खरीदी जा चुकी है और इस साल लक्ष्य 10 हजार क्विंटल का है। जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए 33 जैव संसाधन केंद्रों के जरिए 67 हजार लीटर जैविक खाद-दवाएं तैयार की गई हैं। महिला समूह भी प्रसंस्करण और बिक्री में सक्रिय हैं।

कर्मचारियों पर लटकी सीपीसीटी की तलवार

- अब सायबर सिक्योरिटी की भी लेनी होगी ट्रेनिंग

भोपाल। मध्य प्रदेश में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की पदोन्नति में भले ही सीपीसीटी परेशानी न बने, लेकिन कर्मचारियों को अब कम्प्यूटर की सामान्य परीक्षा यानी सीपीसीटी के साथ सायबर सुरक्षा की जानकारी रखना भी जरूरी हो गया है। इसकी शुरुआत नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय से की गई है। प्रदेश के नगर पालिका, नगर निगम और नगर परिषदों में काम करने वाले कम्प्यूटर ऑपरेटर्स को अब सायबर सिक्योरिटी से जुड़े कम से कम 10 कोर्स भी पूरे करने होंगे।

प्रदेश के नगरीय निकायों में बड़ी संख्या में कर्मचारी बतौर कम्प्यूटर ऑपरेटर काम करते हैं। इन कर्मचारियों के जिम्मे ही प्रदेश के निकायों का तमाम ऑनलाइन कामकाज भी होता है। अब ऐसे सभी कर्मचारियों की तकनीकी क्षमता की दिशा में नगरीय विकास विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। इन सभी कम्प्यूटर ऑपरेटर्स के लिए तीन शर्तें अनिवार्य कर दी गई हैं और इन्हें पूरा करने के लिए 30 दिन की समय सीमा दी गई है। इन शर्तों को पूरा न करने वाले कर्मचारियों के वेतन भुगतान और मानदेय पर असर पड़ सकता है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की अपर आयुक्त मिशा सिंह ने इस संबंध में सभी निगरीय निकायों के पदाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। अपर आयुक्त मिशा सिंह के मुताबिक नगरीय निकायों में ऑनलाइन कामकाम लगातार बढ़ रहा है, इसलिए इन ऑपरेटर्स का कम्प्यूटर में दक्ष होना जरूरी है, ताकि सरकारी डेटा को भी सुरक्षित रखा जा सके।

कम्प्यूटर में टेस्ट किया गया अनिवार्य

प्रदेश के सभी कम्प्यूटर ऑपरेटरों के लिए कम्प्यूटर प्रोफिशिएंसी सर्टिफिकेशन टेस्ट यानी सीपीसीटी को अनिवार्य किया गया है। निर्देश दिए गए हैं कि सभी ऑपरेटर्स को यह टेस्ट में पास होना जरूरी है। इसके अलावा इन कर्मचारियों के लिए केन्द्र सरकार के कर्मयोगी पोर्टल पर साइबर सिक्योरिटी और आईटी से जुडे कम से कम दस सर्टिफिकेट कोर्स भी पूरे किए जाने चाहिए। निर्देश दिए गए हैं कि कर्मचारियों को इन कोर्स को पूरा करने के बाद कम से कम 50 क्रेडिट प्वाइंट हासिल करना होगा। इन कोर्सेस में कम्प्यूटर से जुड़े सामान्य कोर्स के अलावा साइबर सिक्योरिटी बेकिस, एआई यूजिंग गूगल बोर्ड कोर्स शामिल हैं।

सीपीसीटी से राहत की मांग

उधर, कर्मचारी संगठन चतुर्थ और तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों के प्रमोशन और अनुकंपा नियुक्ति में सीपीसीटी से छूट दिए जाने की मांग लगातार उठा रहा है। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी के मुताबिक इस मामले को लगातार उठाया जा रहा है। हाल ही में सीपीसीटी परीक्षा पास न कर पाने की वजह से कर्मचारियों को रिवर्ट करने की स्थिति पैदा हुई थी, हालांकि मुख्यमंत्री डॉ।

सरकारी स्कूलों के मर्जर पर तत्काल रोक लगे, शिक्षकों के खाली पद भरे जाएं- अजय सिंह

बोले- स्कूल दूर होने से ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राएं पढ़ाई छोड़ने को मजबूर

भोपाल। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने प्रदेश में सरकारी स्कूलों के मर्जर की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन कर दूर-दराज के क्षेत्रों में किए गए सभी मर्जर आदेश निरस्त किए जाएं। साथ ही प्राथमिकता के आधार पर बजट आवंटित कर जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत और शिक्षकों के रिक्त पदों को तत्काल भरा जाए।

अजय सिंह ने मध्यप्रदेश सरकार की 'एक परिसर, एक शाला' और 'संदीपनी स्कूल' नीति के तहत सरकारी स्कूलों के मर्जर की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार मर्जर के बहाने सरकारी स्कूलों को बंद करने का काम कर रही है। इसका सबसे अधिक नुकसान ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब विद्यार्थियों और विशेषकर छात्राओं को हो रहा है। उन्होंने कहा कि स्कूलों के मर्जर के लिए दो किलोमीटर के दायरे का नियम है, लेकिन कई स्थानों पर पांच से दस किलोमीटर दूर स्थित स्कूलों को भी आपस में मर्ज किया जा रहा है। सागर, उज्जैन, सीहोर, सतना, रायसेन और विदिशा सहित प्रदेश के कई जिलों में इसके विरोध में आवाजें उठ रही हैं। उज्जैन में छात्राओं को सड़क पर उतरकर विरोध करना पड़ा।

श्री सिंह ने कहा कि स्कूलों की दूरी बढ़ने और बार-बार स्कूल बदलने से छात्राओं को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। सुरक्षा और परिवहन की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण ग्रामीण क्षेत्र की बेटियां बीच में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो रही हैं। उन्होंने कहा कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा देने वाली सरकार की यह नीति बेटियों के भविष्य के लिए चिंताजनक है।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार को जर्जर भवनों की मरम्मत, शिक्षकों की कमी दूर करने तथा पेयजल और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर ध्यान देना चाहिए, न कि स्कूलों को मर्ज कर उन्हें बंद करने का रास्ता अपनाना चाहिए।

धान की रोपाई कर घर लौट रहे आठ मजदूरों की मौत, शव लेने एमपी गए परिजन

लखीमपुर खीरी। मध्य प्रदेश में धान की रोपाई का काम पूरा कर अपने घरों को ओर लौट रहे मजदूरों से भरा वाहन भिंड नेशनल हाईवे-719 पर गोहद चौराहा थाना क्षेत्र के छीमका गांव के पास भीषण हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना में लखीमपुर खीरी के आठ मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 23 लोग घायल हो गए। हादसे की खबर जैसे ही मजदूरों के गांवों में पहुंची, चीख-पुकार मच गई। कई परिवारों की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर शोक व्यक्त किया है।

लाड़ली बहना योजना की 39वीं किस्त आज सीएम यादव मैहर से कर सकते हैं ट्रांसफर

भोपाल। मध्य प्रदेश की लाड़ली बहना योजना की 39वीं किस्त को लेकर करीब 1.25 करोड़ महिला हितग्राहियों के बीच इंतजार बढ़ गया है। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री मोहन यादव 19 अगस्त को मैहर से योजना की राशि महिलाओं के खातों में ट्रांसफर कर सकते हैं। सीएम यादव के मैहर दौरे को लेकर इस संभावना की उम्मीद जागी है। मुख्यमंत्री मोहन यादव के संभावित मैहर दौरे को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। मैहर कलेक्टर के आधिकारिक एक्स हैंडल पर भी मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर व्यवस्थाओं की समीक्षा की जानकारी सामने आई है। इसी के बाद 19 अगस्त को किस्त जारी होने की संभावना जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि लाड़ली बहना योजना के तहत महिलाओं को फिलहाल 1500 रुपए की मासिक सम्मान राशि मिलती है। रक्षाबंधन और भाई दूज जैसे अवसरों पर सरकार की ओर से अतिरिक्त 250 रुपए का शगुन दिए जाने की परंपरा रही है। ऐसे में महिलाओं के बीच इस बार 1750 रुपए मिलने को लेकर चर्चा है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के अनुसार सरकार ने इस बार अलग से 250 रुपए के शगुन को लेकर कोई घोषणा नहीं की है। पिछले साल भाई दूज के अवसर पर सम्मान राशि 1250 रुपए से बढ़ाकर 1500 रुपए कर दी गई थी और अलग से 250 रुपए नहीं दिए गए थे। इसलिए इस बार भी 1750 रुपए मिलने की संभावना कम मानी जा रही है।

रीवा वन वृत्त में चार कर्मचारियों के पदोन्नति आदेश निरस्त

मप्र वन कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर की जांच की मांग

भोपाल । वन विभाग में पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर गड़बड़ी के आरोप एक बार फिर सामने आए हैं। रीवा वृत्त के वन संरक्षक ने चार वन कर्मचारियों के पदोन्नति आदेश जारी होने के करीब एक माह बाद निरस्त कर दिए। मध्य प्रदेश वन कर्मचारी मंच ने इसे पदोन्नति प्रक्रिया में अनियमितता का मामला बताते हुए पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर मांग की है कि रीवा वृत्त में पदोन्नति प्रक्रिया की मुख्यालय स्तर के वरिष्ठ अधिकारी से जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि पदोन्नति आदेश जारी होने के बाद उन्हें निरस्त करने की स्थिति यह सवाल खड़ा करती है कि संबंधित पदोन्नति समिति ने कर्मचारियों की पात्रता और नियमों का परीक्षण किस आधार पर किया था।

रीवा वृत्त में जिन चार कर्मचारियों के पदोन्नति आदेश निरस्त किए गए हैं, उनमें सिंगरौली के जनकीलाल पानिक, सीधी के राजेंद्र यादव, सतना के सतीश साकेत और मैहर के वाल्मीकि कोल शामिल हैं। कर्मचारी मंच का कहना है कि इन कर्मचारियों को पदोन्नति दिए जाने के करीब एक महीने बाद आदेश निरस्त करना पड़ा। संगठन के अनुसार यह घटनाक्रम रीवा वृत्त की पदोन्नति प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है। मंच का आरोप है कि पदोन्नति समिति ने दर्जनों अपात्र कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ दिया, जबकि कई पात्र कर्मचारी पदोन्नति से वंचित रह गए।

खंडवा में भी सूची हुई थी निरस्त

अशोक पांडे ने कहा कि पदोन्नति प्रक्रिया में गड़बड़ी का यह मामला केवल रीवा वृत्त तक सीमित नहीं है। खंडवा वृत्त में भी पदोन्नति सूची को निरस्त कर दोबारा जारी करना पड़ा था। अब रीवा में चार कर्मचारियों के आदेश निरस्त होने के बाद कर्मचारी मंच ने पूरे प्रदेश में पदोन्नति प्रक्रिया की समीक्षा की मांग की है। मंच का आरोप है कि वन विभाग के अधिकारियों ने नियमों की अनदेखी कर अपात्र कर्मचारियों को लाभ पहुंचाया और पात्र कर्मचारियों को पदोन्नति से वंचित किया। संगठन ने मांग की है कि पदोन्नति के लिए तैयार वरिष्ठता सूची, पात्रता, रिक्त पदों और समिति के निर्णयों की जांच की जाए।

दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि रीवा वृत्त में हुई कथित गड़बड़ी की जांच वन विभाग मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी से कराई जाए। जांच में यदि नियमों के उल्लंघन या लापरवाही की पुष्टि होती है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाए। साथ ही जिन पात्र कर्मचारियों को पदोन्नति से वंचित किया गया है, उनके मामलों की दोबारा समीक्षा कर नियमानुसार पदोन्नति का लाभ देने की मांग भी की गई है। मंच का कहना है कि पदोन्नति कर्मचारियों की सेवा और भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है, इसलिए प्रक्रिया में पारदर्शिता और नियमों का पालन जरूरी है। चार पदोन्नति आदेश निरस्त होने के बाद अब कर्मचारी संगठन ने रीवा वृत्त की पूरी पदोन्नति प्रक्रिया की जांच की मांग तेज कर दी है। संगठन का कहना है कि निष्पक्ष जांच से ही यह स्पष्ट होगा कि पदोन्नति में गलती कहां हुई और इसके लिए कौन जिम्मेदार है।

एमपी में आयुष्मान योजना में बड़ी कार्रवाई

11 अस्पताल सस्पेंड, 3 पर लगा भारी जुर्माना; क्लेम भुगतान और एम्पैनलमेंट पर भी रोक

भोपाल। मध्य प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना के कार्यान्वयन में सामने आई अनियमितताओं को लेकर राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण ने कड़ा रुख अपनाया है। अस्पतालों की कार्यप्रणाली और क्लेम भुगतानों की विस्तृत समीक्षा के दौरान गंभीर कमियां पाए जाने के बाद प्रशासन ने प्रदेश के 11 अस्पतालों को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही इन अस्पतालों के क्लेम भुगतान और एम्पैनलमेंट प्रक्रिया पर भी तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा की गई इस कार्रवाई का असर राज्य के विभिन्न हिस्सों में देखने को मिला है। निलंबित किए गए अस्पतालों में भोपाल, इंदौर, डिंडोरी, उमरिया और नर्मदापुरम सहित कई अन्य जिलों के चिकित्सा संस्थान शामिल हैं। समीक्षा जांच में पाया गया कि ये अस्पताल निर्धारित मानकों और योजना के नियमों का ठीक से पालन नहीं कर रहे थे।

प्रशासनिक निलंबन के अलावा, नियमों के उल्लंघन पर तीन विशिष्ट अस्पतालों पर भारी वित्तीय जुर्माना भी लगाया गया है।

ग्लोबल स्पेशलिटी हॉस्पिटल (ग्वालियर), विधाता मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल (रीवा), वेदा हॉस्पिटल (उज्जैन)

इन तीनों अस्पतालों पर कुल मिलाकर 15 लाख 88 हजार 245 रुपये की वित्तीय पेनल्टी ठोकी गई है। राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के अनुसार, आयुष्मान योजना के तहत मरीजों को मिलने वाले लाभ में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आगे भी निरंतर समीक्षा और सख्त निगरानी जारी रहेगी।

भारत ने श्रीलंका को दिया 372 रनों का लक्ष्य

गॉल। भारतीय टीम ने मेजबान श्रीलंकाई क्रिकेट टीम को पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के लिए 372 रनों का लक्ष्य दिया है। अब देखना है कि श्रीलंकाई टीम अंतिम दिन इस लक्ष्य को हासिल कर पाती है या नहीं इससे पहले भारतीय टीम ने चौथे दिन ऋषभ पंत के अर्धशतक से अपनी दूसरी पारी में 193 रन बनाये। वहीं भारतीय टीम को पहली पारी के आधार पर 178 रनों की बढ़त मिली हुई है। भारतीय टीम ने पहली पारी में 462 रन जबकि श्रीलंकाई टीम ने 284 रन पर बनाये थे। भारतीय टीम की दूसरी पारी का आकर्षण ऋषभ की आक्रामक पारी रही। ऋषभ ने केवल 69 गेंदों पर 66 रन बनाये। उनकी इस पारी ने टीम की कुल बढ़त को तेजी से आगे बढ़ाया। ऋषभ के 66 रन बनाकर आउट होने के बाद हालांकि भारतीय पारी ढ़ह गयी। भारतीय टीम ने अपने आखिरी पांच विकेट केवल 19 रनों पर ही खो दिये। रवींद्र जडेजा 9 रन, मानव सुथार 9 रन और कुलदीप यादव 5 रन बनाकर आउट हो गये।

श्रीलंका की ओर से प्रभात जयसूर्या और असिथा फर्नांडो ने तीन-तीन विकेट भारतीय टीम को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। वहीं इससे पहले भारतीय टीम ने देवदत्त पडिक्कल के 167 रनों की शानदार शतकीय पारी से पहली पारी में 462 रनों का बड़ा स्कोर बनाया था। पडिक्कल के अलावा केएल राहुल ने 82 और ध्रुव जुरेल ने 51 रन बनाये थे। इसके जवाब में श्रीलंकाई टीम 284 रनों पर ही आउट हो गयी थी। अब, श्रीलंका को गॉल की चुनौतीपूर्ण पिच पर जीत के लिए 372 रन बनाने होंगे। चौथे दिन का खेल अभी बाकी है और मेजबान टीम के सामने यह एक बेहद कठिन चुनौती होगी। भारत के पास मैच जीतने के लिए श्रीलंका के सभी 10 विकेट लेने का अवसर है। अब देखना होगा कि अंतिम दिन भारतीय गेंदबाजों का सामना श्रीलंकाई बल्लेबाज कैसे करते हैं।

कमेंट्री बॉक्स में कार्तिक और मांजरेकर में हुई बहस, वीडियो हुआ वायरल

गॉल। यहां भारत और मेजबान श्रीलंकाई टीम के बीच पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन पूर्व क्रिकेट से कमेंटेटर बने मुरली कार्तिक और संजय मांजरेकर के बीच जमकर बहस हुई। जिससे वहां मौजूद अन्य लोग हैरान हो गये। इसका एक वीडियों भी आया है। इस दौरान कार्तिक ने मांजरेकर पर व्यंग्य कसते हुए कहा, मेरे और यहां मौजूद सभी लोगों की ओर अनुरोध है कि आप जो पाउट बनाते हैं, उसकी वजह से बातें समझ पाना मुश्किल हो जाता है। कृपया करके पाउट को नियंत्रण में लाने की कोशिश कीजिएगा। यह टिप्पणी टीवी पर की गई थी, जिसने तुरंत दर्शकों का ध्यान खींचा।

इससे मांजरेकर भी भड़क गये और उन्होंने तुरंत जवाब देते हुए कैमरामैन से कैमरे को पहली बार कमेंट्री कर रहे अजिंक्य रहाणे की तरफ मोड़ने को कहा। मांजरेकर ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, क्या हम कैमरे को किसी दूसरे व्यक्ति अजिंक्य रहाणे की तरफ घुमा सकते हैं, क्योंकि उनसे बात करना ज्यादा सुखद होता है और उनका चेहरा भी ज्यादा अच्छा दिखता है। मामला तब और आगे बढ़ गया जब मांजरेकर ने मुरली कार्तिक पर एक और व्यक्तिगत टिप्पणी कर दी। उन्होंने कहा, शीशे में देखने से एक प्रोत्साहन मिलता है, लेकिन मैं समझता हूं कि आपके लिए यह अधिक प्रेरणादायक नहीं होगा। यह टिप्पणी साफ तौर पर कार्तिक की शारीरिक बनावट पर निशाना साधने वाली थी, जिसने बहस एक सीमा लांघती दिखी। इस तीखी नोकझोंक के बीच ही मांजरेकर ने इस बात को माना कि यदि वे और मुरली कार्तिक ऐसे ही बहस करते रहेंगे तो दोनों ही कुछ ज्यादा ही आगे बढ़ जाएंगे। उन्होंने कहा कि उनकी ये बहस सोशल मीडिया पर खूब धूम मचाएगी, और असल में ऐसा हुआ भी। इस पूरे घटनाक्रम का जमकर वायरल हुआ और लोगों ने इसपर अपनी प्रतिक्रियाएं भी दी हैं।

नितीश राणा ने मां को समर्पित किया अर्धशतक

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में वेस्ट दिल्ली लायंस की ओर से खेलते हुए बल्लेबाज नितीश राणा अपनी दिवंगत मां को याद करते हुए भावुक हो गये। नितीश ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के खिलाफ लगाये अर्धशतक को भी अपनी मां को समर्पित किया। वह अर्धशतक लगाने के बाद अपने अपने आंसू नहीं रोक पाए और अपनी मां को याद करते हुए आसमान की ओर देखने लगे। इस दौरान मैदान पर मौजूद साथी खिलाड़ियों ने उन्हें संभाला। नितीश अर्धशतक लगाने के बाद आसमान की ओर खेलने लगे। मानो अपनी मां से बात कर रहे हों तभी उनकी आंखों से आंसू निकल पड़े। नितीश की मां का इसी माह लंबी बिमारी के बाद निधन हो गया था।

बार्सिलोना के स्टार फुटबॉलर फेरान अब पीएसजी से खेलते दिखेंगे

मैड्रिड। विश्वप कप में स्पेन की टीम को जीत दिलाने वाले बार्सिलोना के स्टार फुटबॉलर फेरान टोरेस अब पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से जुड़ सकते हैं। बार्सिलोना अपने फारवर्ड टोरेस को करीब 50 मिलियन यूरो में फ्रांसीसी क्लब को बेचने के लिए तैयार है। इस मामले में दोनों क्लबों के बीच बातचीत पूरी हो गयी और अब केवल जरूरी औपचारिकताएं ही बची हैं। बताया जा रहा है कि फेरान का पीएसजी के साथ पांच साल का करार है। इस स्थानांतरण की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए अभी मेडिकल जांच और कुछ कागजी कार्रवाई होनी बाकी है।

गौरतलब है कि टोरेस को जनवरी 2021 में मैनचेस्टर सिटी ने 55 मिलियन यूरो से अधिक की रकम लेकर बार्सिलोना को बेचा था। उसके बाद से ही वह स्पेनिश क्लब के साथ बने हुए हैं। हालांकि, क्लब में उनका सफर हमेशा एक प्रमुख शुरुआती खिलाड़ी के तौर पर नहीं रहा। हांसी फ्लिक के 2024 में टीम की जिम्मेदारी संभालने के बाद, टोरेस को मुख्य रूप से रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के विकल्प के तौर पर सेंटर फारवर्ड की भूमिका में उपयोग किया गया। इसके बावजूद, उन्होंने सीमित अवसरों का पूरा लाभ उठाया भुनाया है और कई मुकाबलों में स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर मैदान पर उतरकर टीम के लिए निर्णायक साबित हुए। पिछले दो सत्रों में, उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर

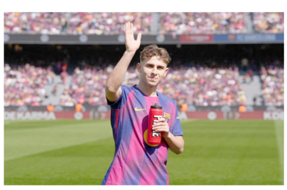

94 मैचों में 40 गोल किए हैं। उनकी गति, गेंद पर नियंत्रण और आक्रमण में कई स्थानों पर खेलने की क्षमता ने उन्हें बार्सिलोना के लिए एक उपयोगी खिलाड़ी बनाए रखा।

टोरेस ने हाल ही में स्पेन की विश्व कप जीत में भी अहम भूमिका निभाई थी। पिछले महीने स्पेन और अर्जेंटीना के बीच हुए विश्व कप फाइनल में उन्होंने अतिरिक्त समय में स्पेन के लिए निर्णायक गोल दागा था, जिससे स्पेन ने दूसरी बार विश्व कप खिताब जीता। राष्ट्रीय टीम के लिए इतनी बड़ी भूमिका निभाने के कुछ ही समय बाद उनका क्लब बदलना फुटबॉल जगत में खासा चर्चा का विषय बन गया है। टोरेस ने अपने फुटबॉल करियर की शुरुआत वालेंसिया की युवा व्यवस्था से की थी, जिसके बाद वह मैनचेस्टर सिटी और फिर बार्सिलोना का हिस्सा बने। अब पेरिस सेंट-जर्मेन में उनका जाना उनके करियर को एक नई महत्वपूर्ण दिशा दे सकता है।

बार्सिलोना के लिए यह फैसला आक्रमण की मौजूदा स्थिति को देखते हुए काफी महत्वपूर्ण है। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की और मार्कस रैशफोर्ड जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के क्लब से अलग होने के बाद टीम को आगे के मोर्चे पर नए विकल्पों की सख्त जरूरत है, और टोरेस के जाने से यह जरूरत और भी बढ़ जाएगी। मुख्य कोच हांसी फ्लिक को अब आक्रमण में अधिक विकल्प जुटाने पर विशेष ध्यान देना होगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट के लिए वेदराल्ड की जगह रेनशॉ को शामिल किया

साउथ मैके। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम में बांग्लादेश के खिलाफ पहले ही टेस्ट में मिली करारी हार के बाद अपनी टीम में बदलाव किया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अपनी टीम में एक बड़ा बदलाव करते हुए 22 अगस्त से यहं शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए अपनी टीम में अनुभवी मैट रेनशॉ को शामिल किया है। वहीं पहले टेस्ट में असफल रहे सलामी बल्लेबाज जेक वेदराल्ड को बाहर कर दिया है। वेदराल्ड पहले टेस्ट में रन बनाने में विफल रहे थे। इस बल्लेबाज ने अपनी पहली पारी में केवले 23 रन बनाये थे जबकि दूसरी में वह खाता भी नहीं खोल पाये थे।

वेदराल्ड के स्थान पर ही रेनशॉ की टीम में वापसी हुई है। रेनशॉ के दूसरे टेस्ट में ट्रेविस हेड के साथ पारी शुरु करने की संभावना है। उनका चयन ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी को मजबूती देने के लिए किया गया है। रेनशॉ ने अब तक 14 टेस्ट मैचों की 24 पारियों में 1 शतक और 3 अर्धशतकों के साथ 645 रन बनाए हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 184 रन रहा है। गौरतलब है कि वॉर्नर के संन्यास के बाद से रेनशॉ ऑस्ट्रेलिया की ओर से पारी शुरु करने वाले सातवें सलामी बल्लेबाज होंगे। इससे पहले हेड, स्मिथ, मैकस्वीनी, कोंस्टास, लाबुशेन और वेदराल्ड को पारी की शुरुआत के लिए उतारा गया है पर कोई भी सफल नहीं रहा है। इससे साफ है कि टीम बेहतर सलामी बल्लेबाजी नहीं तलाश पायी है।

मार्नस लाबुशेन को टीम में बरकारार रखा गया है पर उन्हें अब रन बनाने होंगे। पहले टेस्ट में वह 1 और 31 रन ही बना पाये थे।

पहले टेस्ट में खराब बल्लेबाजी के कारण ही ऑस्ट्रेलियाई टीम हारी थी। अब उन्हें सिर्फ बल्लेबाजी ही नहीं अपनी गेंदबाजी में भी सुधार करना होगा। दूसरे टेस्ट के लिए

ऑस्ट्रेलिया की 13 सदस्यीय टीम इस प्रकार है-

पैट कमिंस (कप्तान), ट्रेविस हेड, मैट रेनशॉ, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी, ब्यू वेबस्टर, मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, जोश हेजलवुड, जोश इंग्लिस, स्कॉट बोलैंड।

एफआईएच हॉकी विश्वकप में आज होगा भारत और पाकिस्तान का मुकाबला

एम्सटेलवीन । भारतीय पुरुष हॉकी टीम बुधवार को एआईएच हॉकी विश्व कप में परंपरागत प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर जीत दर्ज करने उतरेगी। भारतीय टीम पिछले एक दशक से पाक के खिलाफ सभी मैच जीती है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच को जीतकर विश्व कप के दूसरे दौर में जगह बनाना है। भारतीय टीम ने पहले मैच में वेल्स को 3-1 से हराया था पर उसे दूसरे मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 2-4 से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में पाक के खिलाफ मुकाबले में उसे इंग्लैंड के खिलाफ की गयी गलतियों से बचते हुए अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत करना होगा। भारतीय टीम पाक के खिलाफ मुकाबले में जीत की प्रबल दावेदार है क्योंकि पिछले कुछ समय में हुए मुकाबलों में उसे लगातार जीत मिली है। विश्व स्तर पर भारतीय टीम की रैंकिंग भी पाक से कही ऊपर है। पाक के खिलाफ मैच में खिलाड़ियों पर दबाव भी रहता है जिससे भारतीय टीम को बचना होगा। । भारतीय टीम ने हालांकि विश्व कप से ठीक पहले लंदन में प्रो लीग के यूरोप चरण में पाकिस्तान को 7-1 और 4-3 से हराया था। पाक टीम अंतिम

बार साल 2016 चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत से जीती थी। उसके बाद पिछले एक दशक से वह भारतीय टीम के सामने टिक नहीं पायी है। उसके बाद से ही भारतीय टीम ने लगातार दो ओलंपिक पदक जीते हैं जबकि पाक को प्रवेश तक नहीं मिला था। पाक टीम को आठ साल बाद इस टूर्नामेंट में वापसी का अवसर मिला है। वहीं भारतीय टीम के अनुभवी खिलाड़ी मनप्रीत सिंह ने कहा है कि विश्व कप में किसी भी टीम को हलके में नहीं लिया जा सकता और भारतीय टीम को अपनी पिछली गलतियों में सुधार करने के साथ ही अवसरों का लाभ उठाना होगा।

गौरतलब है कि भारत-पाक के बीच विश्व कप में अंतिम मुकाबला साल 2010 में दिल्ली में हुआ था जब राजपाल सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने 4-1 से जीत दर्ज की थी। इसके बाद पाकिस्तान 2014 और 2023 विश्व कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर सका और 2018 में दोनों टीमों का सामना नहीं हुआ। पाकिस्तान के कप्तान अबु बकर महमूद और अम्माद बट ही मौजूदा टीम में दो खिलाड़ी हैं जिन्होंने पहले विश्व कप खेला है।

बकर ने कहा कि उनकी टीम अच्छे प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। साथ ही कहा कि विश्वकप में रैंकिंग नहीं ये मायने रखता है कि उस दिन टीम कैया खेलती है।

सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में जीत के साथ की शुरुआत

नई दिल्ली। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने यहां खेले जा रहे बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में जीत के साथ शुरुआत की है। सिंधु ने महिला एकल में अपने पहले ही मुकाबले में आयरलैंड की सोफिया नोबल को सीधे सेटों में 21-7, 21-11 से हराकर राउंड ऑफ 32 में प्रवेश किया है। इस मुकाबले में सिंधु अपनी प्रतिद्वंद्वी पर पूरी तरह से हावी रहीं। अब अगले दौर में सिंधु की टक्कर कनाडा की वेन यू झांग से होगा।

सिंधु के सामने, सोफिया टिक नहीं पायी। सोफिय के लिए, मैच की शुरुआत कठिन रही। सिंधु के आक्रामक खेल का वह मुकाबल नहीं कर पायीं। भारतीय खिलाड़ी ने शुरु में ही 8-0 की बढ़त बना ली। दोनों खिलाड़ियों के अनुभव का अंतर कोर्ट पर साफ तौर पर झलक रहा था। सिंधु ने रैलियों पर पूरा नियंत्रण बनाए रखा और सोफिया को कोईअवसर नहीं दिया।

सोफिया अंत में अपना खाता खोलने में सफल रहीं पर तब तक सिंधु ने पहले गेम पर पकड़ बना ली थीं और सिंधु ने इसे आसानी से 21-7 से जीत लिया।

कपिल हुए नाराज, बोले पहले ही बता देते कि फोटो के लिए बुलाया है

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है। इसमें वह स्वतंत्रता दिवस समरोह में जारी अव्यवस्था पर नाराज दिखे। ये वीडियो एक स्कूल का है जिसमें कपिल को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है क्योंकि कपिल आम तौर पर बेहद शांत रहते हैं और वह पहली बार किसी बात को लेकर गुस्से में दिखे। इस समारोह में छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करने पहुँचे कपिल आयोजन की अव्यवस्था पर भड़क गये। मंच से ही उन्होंने खुले तौर पर अपनी नाराजगी व्यक्त की और कहा कि किसी स्कूल में ऐसा होना बेहद चिन्ताजनक है। उन्होंने यहां पढ़ने वाले बच्चों के भविष्य पर भी चिन्ता जतायी।

कपिल ने सीधे तौर पर कार्यक्रम के आयोजकों को व्यवस्था की कमी के लिए फटकार लगा रहे हैं। उन्होंने उचित व्यवस्था के महत्व पर ज़ोर दिया और शिक्षकों के प्रति अपने सम्मान को भी व्यक्त किया। उनके शब्दों में गुस्सा साफ झलक रहा था जब उन्होंने कहा, यहां कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसा कैसे हो सकता है? शिक्षक बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। अगर आपने मुझे सीधे-सीधे बता दिया होता कि मैं सिर्फ फोटो खिंचवाने आ रहा हूं, तो मैं अपने कार्यक्रम में आपके लिए अलग से समय निकाल लेता। कुछ उचित नियम और व्यवस्थाएं होनी चाहिए।

कपिल की यह टिप्पणी केवल उस विशेष कार्यक्रम की अव्यवस्था तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह आयोजन प्रबंधकों द्वारा सामान्य तौर पर बरती जाने वाली लापरवाही और महत्वपूर्ण व्यक्तियों के समय एवं सम्मान के प्रति अनादर की ओर भी इशारा करती है। उन्होंने विशेष रूप से शिक्षकों के महत्व पर जोर दिया, यह रेखांकित करते हुए कि एक अव्यवस्थित वातावरण शिक्षा के माहौल और शिक्षकों के प्रयासों को कैसे कमजोर कर सकता है। उनके अनुसार, शिक्षकों का सम्मान और उनके कार्यक्षेत्र में उचित व्यवस्था का होना अत्यंत आवश्यक है।

इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर तत्काल और व्यापक ध्यान आकर्षित किया है। दर्शकों ने कपिल देव की बेबाक प्रतिक्रिया और उनकी स्पष्टवादिता की जमकर सराहना की है। कई यूज़र्स ने आयोजनों में व्याप्त अव्यवस्था पर खुलकर बोलने के लिए उनकी प्रशंसा की, जबकि अन्य लोगों ने शिक्षकों के महत्व पर उनकी टिप्पणियों का समर्थन किया।

द हंड्रेड में सट्टेबाजी का प्रयास विफल, मैच की जानकारी बाहर भेजने वाले पकड़े गये

लंदन। इंग्लैंड में खेली जाने वाली लीग द हंड्रेड में मैच फिक्सिंग का एक प्रयास अधिकारियों ने विफल कर दिया। ये मामला यहां लंदन स्पिरिट और एमआई लंदन के बीच हुए मैच का है। यहां भ्रष्टाचार रोधी अधिकारियों ने एक ऐसे जोड़े को पकड़ा गया है जो मैदान की जानकारी बाहर दे रहा था। यह जोड़ा पिच-साइडिंग या कोर्ट-साइडिंग के नाम से जानी जाने वाली तकनीक का इस्तेमाल कर रहा था, जिसमें लाइव एक्शन और टीवी प्रसारण के बीच के कुछ सेकंड के अंतर का फायदा उसे मिल रहा था। आमतौर पर यह अंतर 12 सेकंड तक का हो सकता है, जिससे सट्टेबाजों को बाजार से आगे रहने और दांव लगाने का समय मिल जाता है।

यह पहली बार नहीं था जब इस जोड़े को इस गतिविधि में लिप्त पाया गया हो। इस हफ्ते की शुरुआत में सदर्न ब्रेव के मैच के दौरान लॉर्ड्स और फिर एजबेस्टन में टी20 ब्लास्ट फाइनल डे पर भी इन्हें देखा गया था, और दोनों ही बार अधिकारियों ने इन्हें मैदान से बाहर निकाल दिया था।

आईपीएल में खिलाड़ियों को ट्रेड किये जाने की रकम का खुलासा करें फ्रैंचाइजी -गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि आईपीएल में ट्रेड के जरिये खिलाड़ियों के एक टीम से दूसरे में जाने की पूरी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिये। गावस्कर के अनुसार ऐसा करने से अन्य आईपीएल फ्रेंचाइजियों को भी यह पक्का करने में मदद मिलेगी कि सभी टीमें लीग निर्धारित सैलरी कैप का सही ढंग से पालन कर रही हैं या नहीं।

गावस्कर ने कहा वर्तमान में, किसी खिलाड़ी के ट्रेड करार पर उसकी डील की रकम की जानकारी केवल दोनो ही फ्रेंचाइजियों, खिलाड़ी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को ही रहती है। अन्य टीमों को इस बारे में कोई जानकारी नहीं होती। उन्होंने कहा कि इसी कारण दूसरी टीमों को यह पता नहीं चलता कि किसी भी फ्रेंचाइजी ने अपने लिए तय सैलरी कैप का पालन किया है या नहीं । गावस्कर ने कहा कि ट्रेड डील केवल दो पार्टियों का मामला नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव पूरी लीग पर पड़ता है। ऐसे में

विश्व की सबसे बड़ी टी20 लीग होने के कारण आईपीएल को अपनी कार्यप्रणाली में उच्चतम स्तर की पारदर्शिता बनाए रखना चाहिये। । पूर्व कप्तान का मानना है कि ट्रेड से जुड़ी हर जानकारी को सार्वजनिक करने से लीग की विश्वसनीयता बढ़ेगी और किसी भी तरह के सवाल या संदेह नहीं रहेंगे। उनका मानना है कि यदि सैलरी कैप का सही से पालन हो रहा है, तो इस जानकारी को छिपाने का कोई मतलब नहीं है।

गौरतलब है कि हाल के समय में आईपीएल ने कई बड़े खिलाड़ियों के ट्रेड्स देखे हैं, जो इस मामले की प्रासंगिकता को और बढ़ाते हैं। 2026 सीजन से पहले संजू सैमसन का राजस्थान रॉयल्स से चेन्नई सुपर किंग्स में ट्रेड हुआ था, जिसकी मौजूदा लीग फीस 18 करोड़ रुपए बताई गई। इसी तरह, 2026 सीजन समाप्त होने के बाद, ऋषभ पंत और कुलदीप यादव जैसे प्रमुख खिलाड़ियों का भी ट्रेड हुआ। पंत लखनऊ सुपर जायंट्स से दिल्ली कैपिटल्स में लौटे और उनकी नई फीस 15 करोड़ रुपए निर्धारित की गई, जबकि कुलदीप यादव दिल्ली से लखनऊ गए और उनकी फीस 13.50 करोड़ रुपए है। ये सभी ट्रेड्स बड़े नामों से जुड़े थे और इनकी वित्तीय जानकारी सार्वजनिक होने पर लीग की निष्पक्षता पर कोई सवाल नहीं उठते। इससे ये भी पक्का हो जाएगा कि लीग अपनी निर्धारित नियमों और विनियमों का ईमानदारी से पालन कर रही है या नहीं। इससे सभी फ्रैंचाइजियों को समान अवसर मिलेंगी।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में नजर आयेगे वॉर्नर, युवराज और विलियर्स सहित कई स्टार बल्लेबाज

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर, भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह, दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक बल्लेबाज एबी डी विलियर्स और वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो सहित कई दिग्गज क्रिकेटर 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर के बीच होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्लयूसीएल) के तीसरे सत्र में खेलते नजर आयेंगे। ऐसे में प्रशंसकों को एक बार फिर इन बल्लेबाजों का आक्रामक खेल देखने को मिलेगा। चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स लीग से कई पूर्व क्रिकेटरों को एक मंच मिलता है। इस बार बांग्लादेश के महमुदुल्लाह रियाद जैसे खिलाड़ी भी इस लीग में शामिल हो रहे हैं।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स का यह तीसरा सत्र है। वहीं लीग के पहले सत्र में इंडिया चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को हराकर खिताब जीता था। वहीं, दूसरे सत्र में दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को हराकर ट्रॉफी जीती थी। इस बार टूर्नामेंट में बांग्लादेश चैंपियंस को भी शामिल किया गया है, जिससे टूर्नामेंट में नई टीमों और खिलाड़ियों का प्रवेश होगा होगा और प्रतिस्पर्धा और भी बढ़ने की उम्मीद है।

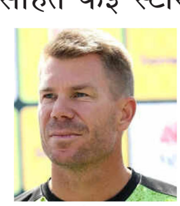

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स की ओर से कहा गया है कि दो सफल सत्र के बाद, लीग का तीसरा सत्र अधिक रोमांचक रहने की उम्मीद है। ये सत्र प्रशंसकों को एक अभूतपूर्व अनुभव देने का वादा करता है, जहां क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी एक बार फिर अपने पुराने और आकर्षक अंदाज में नजर आएंगे। लीग का लक्ष्य रिटायर हो चुके खिलाड़ियों को एक मंच देना है, जिससे वे खेल के प्रति अपने जुनून को जीवित रख सकें और प्रशंसकों का मनोरंजन कर सकें। लीग के सीईओ हर्षित तोमर ने आगामी सीजन को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। उन्होंने कहा, सीजन 3 बहुत खास होने वाला है। इस सत्र का आयोजन इंग्लैंड से बाहर होगा। इस सत्र में क्रिकेट के सबसे बड़े नाम और ऐसे स्टार्स को लेकर आएंगे जिनके बारे में प्रशंसक सोच सकते हैं।

सावन में आस्था का प्रमुख केंद्र बना सती धाम, दर्शन और मन्नत के लिए दूर-दूर से पहुंच रहे श्रद्धालु

पद्मेश न्यूज। चरेगांव। सावन माह के पवित्र अवसर पर जनपद पंचायत बालाघाट क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम गुडरू से करीब दो किलोमीटर दूर स्थित मां सती धाम मंदिर इन दिनों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मंदिर से जुड़ी धार्मिक मान्यता और सावन के दौरान नाग-नागिन का जोड़ा दिखाई देने की चर्चाओं के चलते यहां आसपास के गांवों के साथ ही दूर-दराज क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।स्थानीय श्रद्धालुओं के बीच मान्यता है कि सावन माह में मां सती धाम परिसर में नाग-नागिन का जोड़ा दिखाई देता है। श्रद्धालु इसे धार्मिक आस्था और मंदिर की प्राचीन मान्यता से जोड़कर देखते हैं।इसी विश्वास के चलते सावन के दौरान मंदिर में भक्तों की संख्या बढ़ जाती है। सुबह से ही श्रद्धालुओं के

पहुंचने का सिलसिला शुरू हो जाता है और दिनभर मंदिर परिसर में पूजा-पाठ एवं धार्मिक गतिविधियों के चलते भक्तिमय वातावरण बना रहता है।

सच्चे मन से मांगी मन्नत होती है पूरी

मां सती धाम में आने वाले श्रद्धालुओं के बीच यह विश्वास गहराता जा रहा है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई मन्नत मां के आशीर्वाद से पूरी होती है। श्रद्धालु मंदिर में मत्था टेककर परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य, खुशहाली और शांति की कामना करते हैं। कई श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी होने के बाद भी मां के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए यहां पहुंचते हैं।स्थानीय लोगों के अनुसार यह धाम काफी प्राचीन है। मंदिर परिसर में स्थित एक प्राचीन वृक्ष को लेकर भी क्षेत्र में धार्मिक मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। श्रद्धालु मां सती धाम को केवल पूजा-अर्चना का स्थान नहीं, बल्कि आस्था, विश्वास और धार्मिक परंपराओं से जुड़ा पवित्र स्थल मानते हैं।

नाग-नागिन को लेकर बनी हुई है चर्चा

सावन के दौरान मंदिर परिसर में नाग-नागिन का जोड़ा दिखाई देने की चर्चा श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का विषय बनी हुई है। भक्त इसे मां सती की कृपा और मंदिर की धार्मिक मान्यता से जोड़कर देखते हैं।उधर सावन माह में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मंदिर परिसर में व्यवस्था और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्थानीय लोगों एवं समिति द्वारा स्वच्छता, श्रद्धालुओं की सुविधा और मंदिर परिसर की व्यवस्था बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं।सावन माह समाप्त होने तक मां सती धाम में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहने की उम्मीद है। धार्मिक आस्था, प्राचीन मान्यताओं और नाग-नागिन के जोड़े को लेकर चर्चाओं के चलते मां सती धाम इन दिनों क्षेत्र में विशेष धार्मिक आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

हिर्री से 20 को निकलेगी बाबा कोटेश्वर धाम के लिए कांवड़ यात्रा

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मां कोराडी समिति हिर्री द्वारा श्रावण मास के पावन अवसर पर 20 अगस्त 2026 दिन गुरूवार को ग्राम हिर्री के शिव मंदिर में पूजन अर्चन कर लांजी स्थित बाबा कोटेश्वर धाम तक जीवंत झाकियों के साथ विशाल कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। मां कोराडी समिति हिर्री के समस्त सदस्यों ने ग्रामीण नागरिकों से बाबा बर्फानी भोले शंकर की कांवड़ यात्रा में शामिल होकर पुण्य लाभ लेने का आव्हान किया है।

बम्हनगांव से कोटेश्वर धाम तक 24 को निकलेगी विशाल कांवड़ यात्रा

किरनापुर। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बोल सेवा समिति बम्हमगाव के द्वारा दिनांक 23/8/2026, दिन रविवार को गांव के शिव चौक के शिव मंदिर में सुंदरकांड रामायण पाठ सुबह समय 12,00, बजे से किया जाएगा और दिनांक 24/8/2026, दिन सोमवार को बम्हमगाव के कांवड़ियों के साथ बाघ नदी एवं सोन जी के संगम स्थल दो मोहान मुडेसरा संगम तट से जल लेकर दादा कोटेश्वर धाम पैदल यात्रा 45, किलोमीटर की यात्रा तय की जाएगी। इस कांवड़ यात्रा में बाबा भोलेनाथ की झांकी डीजे के धुन के साथ लांजी के लिए प्रस्थान करेंगे। इस अवसर पर समस्त ग्राम वासियों एवं श्रद्धालु भक्त जनों से कांवड़ यात्रा में शामिल होकर पुण्य लाभ लेने की अपील बोल बम सेवा समिति अध्यक्ष महेश ठाकरे ,संचालक कैलाश सोनी, उपाध्यक्ष जितेन्द्र वनवे ,सचिव पप्पू चौरागडे ,कोषाध्यक्ष महेश तिवारी ,कार्यक्रम प्रमुख राहुल बाहे, सहसचिव विनोद पाचे ,कैलाश कनौजे ,संरक्षक महेश पाचे, चैनलाल ठाकरे, दिनाराम पाचे, संजय बाहे, नन्दू पाचे ,झीलराज धुवारे , नंदू नागेश्वर ,नीलेश कनौजे ,मुंशीलाल बाहे, तुलसीराम बाहे, राजेश नागेश्वर ,समल पाचे भुवमेश्रर चौधरी ,दिलीप पाचे, महेश पाचे, जितेन्द्र महादेयकर, देवाराम खरे, राजकुमार पाचे ,ओमप्रकाश बमानकर, गौतम खरे एवं समस्त सदस्यों ने की है।

उपदान राशि के भुगतान के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के खिलाफ राजस्व वसूली प्रमाण पत्र जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सेवानिवृत्त स्थल सहायक परमेश्वर कावड़े को उपदान (ग्रेच्युटी) की राशि का भुगतान नहीं किए जाने के मामले में नियंत्रण प्राधिकारी उपदान भुगतान अधिनियम 1972 एवं श्रम पदाधिकारी बालाघाट दामिनी सिंह ने सख्त कार्रवाई की है। अधिनियम की धारा 8 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लोक निर्माण विभाग भवन/सड़क संभाग बालाघाट के कार्यपालन अधिकारी तथा लोक निर्माण विभाग भवन/सड़क उप संभाग क्रमांक-1 के अनुविभागीय अधिकारी के विरुद्ध 4,26,655 रुपये की उपदान राशि तथा वसूली की तारीख तक दो प्रतिशत प्रतिमाह ब्याज सहित राशि वसूलने के लिए राजस्व वसूली प्रमाण पत्र (आरआरसी) जारी किया गया है। जानकारी के अनुसार सेवानिवृत्त स्थल सहायक परमेश्वर कावड़े ने उपदान भुगतान अधिनियम 1972 की धारा 7(4) के तहत उपदान राशि के भुगतान के लिए नियंत्रण प्राधिकारी एवं श्रम पदाधिकारी, बालाघाट के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया था। प्रकरण क्रमांक 85/2024 को 30 दिसंबर 2024 को पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण में सुनवाई के बाद अधिनियम की धारा 7(4)(ग) के तहत 60 दिनों के भीतर 4,26,655 रुपये की उपदान राशि का भुगतान करने हेतु 17नवम्बर 2025 को आदेश संबंधित अनावेदक पक्षों को दिया गया था।बताया गया है कि निर्धारित समयावधि बीत जाने के बाद भी विभागीय अधिकारियों द्वारा आवेदक परमेश्वर कावड़े को उपदान राशि का भुगतान नहीं किया गया। आदेश का पालन नहीं होने पर 11 अगस्त 2026 को नियंत्रण प्राधिकारी दामिनी सिंह ने अधिनियम की धारा 8 के तहत कार्रवाई करते हुए संबंधित लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से उपदान राशि के साथ वसूली दिनांक तक देय दो प्रतिशत प्रतिमाह ब्याज भी वसूल कर आवेदक को भुगतान कराने के लिए राजस्व वसूली प्रमाण पत्र जारी किया है।

आर्थिक परेशानी और बीमारी का दिया हवाला

इधर सेवानिवृत्त स्थल सहायक परमेश्वर कावड़े ने 12 अगस्त 2026 को कलेक्टर बालाघाट को आवेदन प्रस्तुत कर उपदान राशि का तत्काल भुगतान करवाने की मांग की है। आवेदन में उन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति खराब होने के साथ ही गंभीर बीमारी से ग्रसित होने का हवाला देते हुए लंबित उपदान राशि शीघ्र दिलाए जाने का अनुरोध किया है।

कावड़े का कहना है कि सेवानिवृत्ति के बाद लंबे समय से उपदान की राशि का भुगतान नहीं होने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गंभीर बीमारी के उपचार के लिए भी राशि की आवश्यकता है। ऐसे में उन्होंने जिला प्रशासन से मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर न्यायालय के आदेशानुसार उपदान राशि का भुगतान सुनिश्चित कराने की मांग की है।

बैहर में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस, नगर में निकली भव्य रैली

पद्मेश न्यूज। बैहर। देश की आजादी का 80वां वर्ष बैहर नगर में शुक्रवार को पूरे हर्षोल्लास और राष्ट्रीय भावना के साथ मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर के सभी शासकीय-अशासकीय कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों एवं राष्ट्रीय स्मारकों पर संस्था प्रमुखों द्वारा पूरे सम्मान के साथ ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान राष्ट्रगान के साथ भारत माता की जय और अमर शहीदों की जय के नारों से नगर का वातावरण देशभक्ति से ओत-प्रोत रहा।

प्रात: करीब 7:30 बजे विभिन्न शासकीय एवं गैर शासकीय कार्यालयों तथा शिक्षण संस्थानों में ध्वजारोहण किया गया। इसके बाद उत्कृष्ट विद्यालय के एनसीसी, स्काउट-गाइड, खिलाड़ी छात्र-छात्राओं तथा अन्य विद्यार्थियों ने गणवेश में रैली निकाली। रैली का नेतृत्व विद्यालय के प्राचार्य आलोक चोरे एवं शिक्षकगण ने किया। इनके पीछे शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राएं नवीन गणवेश में प्राचार्य एनसी पटले एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं के नेतृत्व में शामिल हुईं।

राष्ट्रीय स्मारकों पर हुआ ध्वजारोहण

रैली एसडीएम कार्यालय से होते हुए रानी दुर्गावती चौक, आंबेडकर चौक और नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरी। आंबेडकर चौक पर विवेक ज्योति शाला एवं पब्लिक चक्रवर्ती स्कूल के विद्यार्थी पहले से मौजूद रहे। यहां अधिवक्ता संघ अध्यक्ष आरके चौहान ने ध्वजारोहण किया तथा राष्ट्रगान हुआ।

इसके बाद रैली जय स्तंभ चौक पहुंची, जहां व्यापारी संघ की ओर से बसंतलाल साहू ने तिरंगा फहराया। इसके पश्चात रैली बस स्टैंड पहुंची। यहां व्यापारी एवं बस एजेंट समिति की ओर से ध्वजारोहण की परंपरा के तहत सरस्वती शिशु मंदिर के अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय कतिया समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामचरण नागरे ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के बाद रैली गांधी चौक के लिए रवाना हुई।

गांधी चौक पर विधायक ने फहराया तिरंगा

गांधी चौक पर प्रतिवर्ष स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस के अवसर पर विधायक द्वारा ध्वजारोहण करने की परंपरा है। इस वर्ष विधायक संजय उइके ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं नगरवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। लिटिल किंगडम पब्लिक स्कूल, सरस्वती शिशु मंदिर और विवेकानंद स्कूल के छात्र-छात्राओं ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

कार्यक्रम के बाद रैली वापस बस स्टैंड पहुंची, जहां ध्वजारोहण समिति द्वारा विद्यार्थियों को चॉकलेट एवं बिस्किट वितरित किए गए।

मेधावी विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

स्वतंत्रता दिवस समारोह का समापन नगर परिषद कार्यालय में हुआ। यहां केवल मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती यशवंती

गुड्डा मरकाम, एसडीएम अर्पित गुप्ता आईएएस, तहसीलदार अनुराग मेरावी, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष रणजीत सिंह बैस, पुलिस एसडीओ, विधायक संजय उइके, नगर परिषद उपाध्यक्ष सुनील धारवे, भाजपा मंडल अध्यक्ष संकेत राठौर एवं नगर परिषद अधिकारी हितेश हलमारे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा नगर परिषद की ओर से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के अंत में नगर परिषद उपाध्यक्ष सुनील धारवे ने आभार व्यक्त किया।

भाजपा कार्यालय सहित अन्य संस्थानों में भी फहराया तिरंगा

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रात: 7:15 बजे भाजपा कार्यालय में प्रदेश मंत्री सुरेंद्र गुड्डा मरकाम ने मंडल अध्यक्ष संकेत राठौर सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया।जनपद पंचायत कार्यालय में मुख्य कार्यपालन अधिकारी बीएस मरावी एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती भगवंती सैय्याम ने ध्वजारोहण किया। शहीद मनीष सिंह स्मारक स्थल पर उनकी बहन अंजू सिंह ने तिरंगा फहराया।सरस्वती शिशु मंदिर में नितिन जैन, उत्कृष्ट विद्यालय में प्राचार्य आलोक चोरे तथा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्य एनसी पटले ने विद्यार्थियों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय में एसडीएम अर्पित गुप्ता आईएएस ने कर्मचारियों की मौजूदगी में ध्वजारोहण किया।स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या एवं 15 अगस्त की रात नगर के शासकीय कार्यालयों को आकर्षक रोशनी से सजाया गया। पुलिस प्रशासन की चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था के बीच स्वतंत्रता दिवस समारोह शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

यौमे आजादी पर मुस्लिम प्रतिभामान विद्यार्थियों का सम्मान समारोह सम्पन्न

128 से अधिक विद्यार्थियो को 3 लाख रु से अधिक के दिए गए नकद इनाम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। यौमे आजादी के 80 वे मुबारक मौके पर, हर साल की तरह इस साल भी मुस्लिम एजुकेशनल एंड कल्चरल सोसायटी की जानिब से मुस्लिम समाज के प्रतिभामान विघार्थियों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।जहां कक्षा 10 वीं, कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को पुष्प गुच्छ, नगद राशि, स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र ,स्कूल बैग सहित विभिन्न पुरस्कारों से नवाजा गया। मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह का यह आयोजन बैहर रोड स्थित अंजुमन शादी हाल में आयोजित किया गया।जिसमे 128 से अधिक प्रतिभामान विघार्थियो का सम्मान कर 3 लाख रु के अधिक के नकद इनाम, प्रमाण पत्र ,स्मृति चिन्ह, स्कूल बैग व विभिन्न पुरस्कारों का वितरण कर उनकी हौसला अफजाई की गई।वही कार्यक्रम के दौरान समाज के उच्च पदों, पर आसीन व्यक्तियों ,प्रतिष्ठित व्यक्तियों सहित अन्य समाजसेवको का सम्मान कर समाज के बच्चो का मार्गदर्शन कराया गया।वही स्वल्पाहार का वितरण कर देर शाम इस सम्मान समारोह का समापन किया गया।इस मुबारक मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों में समाजसेवी अनुराग जायसवाल, संदीपनी विद्यालय के उपप्राचार्य साजिद मोहित और डॉ. साजिया तब्बसुम, सहायक प्राध्यापक एवं पीएचडी भूगर्भशास्त्र सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।समिति द्वारा अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें प्रतीकचिन्ह भेंट किए।

10 वी के इन विद्यार्थियों का किया गया सम्मान

आयोजित कार्यक्रम के दौरान कक्षा 10 वी के विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय क्रम में क्रमश: 5100, 3100 और 2100 रूपए की नगद राशि प्रदान की गई। इसके साथ ही पुष्प गुच्छ, फ्रेमिंग प्रमाण पत्र, स्कूल बैग और स्मृति चिन्ह के रूप में शील्ड देकर सम्मानित किया गया।जिसमे मो जिशान खान(94.8) अशफिया कुरैशी (94.8), तबस्सुम कुरैशी(94.2), अलविया खान(94),महीन खान(94) मो. अली खान, अमान खान, फाईजा कुरैशी, अलबीरा खान, अमीना फातेमा खान, उजैर खान, आर्या निशा शेख, आफिया खान, तस्मिया शेख, गौसीया खान, जीनत खान, मो. आदीब खान, मो. शमशुल हुदा, संजरी मेमन, आयशा शेख,अलीशा खान, तनजिला अंसारी, नियाजा खान, आफरिन हुसैन,अर्शिया खान, इकरा कुरैशी, मो. अर्सलान शेख, नरगिस खान, मो. मुजक्किर ,अस्मिरा खान, आलैन खान, मो. नसीम फैजा नाज कुरैशी, मो. रेहान खान,सहना खान, अदीबा खान, माजिदा वडगामा, समा खान, अलवीना खान, अनम कुरैशी, शहरीश मेमन, लायबा अंजुम राईन, सादिया खान, अरिशा खान, फरहान कुरैशी, अल्तमश कुरैशी, अनम शेख, मनतशा, लुविजा फातिमा शेख, मो. यूसुफ, अबीसा खान, हुजैफा अली, कुलसुम कुरैशी, इरा अंजुम सौदागर, किरत खान, फैजान शेख, मो. साकीब, इकरा सोहेल शेख, अमारा फातिमा खान, मो. आमिर खान, मो. फरमान शेख, महावीश शेख, जुनैद कुरैशी, मो.अब्बू साकिब अंसारी, जोया खान, अमान कुरैशी, शिफा साबरी, इवान खान, मो.आरिज कुरैशी, तौफिक कुरैशी, रेहान खान, अयाना अंजुम, असमीरा मोहम्मदी, मो. अनस अली,आशना अंजुम, और साजिया अली को सम्मानित किया गया।

12 वी के इन विद्यार्थियों का किया गया सम्मान

विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय क्रम में क्रमश: 5100, 3100 और 2100 रूपए की नगद राशि प्रदान की गई। इसके साथ ही पुष्प गुच्छ, फ्रेमिंग प्रमाण पत्र, स्कूल बैग और स्मृति चिन्ह के रूप में शील्ड देकर सम्मानित किया गया।जिसमे अलबीरा खान (94.4) अरशिया कौसर(91.8),फातमा अली(91.8), शिफत परवीन (91.4)अनस खान, मो. नोमान शेख, नाजिश शेख, तहरीन मिर्जा, अलीशा अली, रोजी खान, साजिद शेख, अलमाज अली, नैशीन खान, नरैन खान,रुश्दा खान, आदिला आलम, हुमैरा कुरेशी,हिबा खान, अयान कुरैशी, मो.असमत मंसूरी, अस्मा मेमन, अतिका अंसारी, सिमरा खान, जबीरा सानिया शेख, कनीज फातेमा, उजैना बेग, रेशमा अली, नाईशा अली, शिफा खान,अंजुम कुरैशी, मो. जुबैर, जोया शेख, अ.ताजीम खान, एनुल खान, इकरा खान, अशरफुल अली, मो. फरीद खान, अफिरा जैनब, लाईबा हुसैन, रुखसार खान, खुशनुमा शेख, उमैमा बेग, आलिया खान, आशिया अंसारी, उजैफा अली,माजिदा कुरैशी, जावेद अली, तहसीन फातेमा जीलानी, उमेंमा सदफ, औऱ माविया मलिक सहित अन्य बच्चों को सम्मानित किया गया।

इनका रहा विशेष योगदान

आयोजन समिति के द्वारा कार्यक्रम में पधारे अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।कार्यक्रम का संचालन गुलअफसा खान, अरसी खान एवं तफीम खान ने किया। समारोह में आयोजन समिति के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।सोसायटी ने शिक्षा एवं छात्रों के सम्मान से जुड़े इस कार्यक्रम में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देने वाले सभी पक्षों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि भविष्य में उन्हें यह सहयोग इसी तरह से प्राप्त होते रहेगा और वह दुगने उत्साह के साथ इस कार्यक्रम को संचालित करेगें।

15 नवंबर को होगी इज्तेमाई शादी- आदिल खान

अध्यक्ष आदिल खान पटेल ने बताया कि पिछले वर्ष लगभग 78-80 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया था, जबकि इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 128 हो गई है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या इस बात का प्रमाण है कि मुस्लिम समाज में शिक्षा के महत्व को लेकर जागरूकता लगातार बढ़ रही है। माता-पिता अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए प्रयासरत हैं, जो समाज की प्रगति के लिए सकारात्मक संकेत है। उन्होंने आगे बताया कि समाज के प्रतिभामान बच्चों को सम्मानित करने का कार्यक्रम आज संपन्न हुआ है जबकि अगला बड़ा प्रोग्राम इज्तेमाई शादी का आयोजन 15 नवंबर को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह सभी कार्यक्रम समाज की इमदाद से संपन्न कराए जाते हैं।उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, अभिभावकों, नागरिकों व पदाधिकारियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

वायरस प्रभावित क्षेत्रों में 108 एंबुलेंस बनी ग्रामीणों की मददगार

बिरसा क्षेत्र के गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों को आपातकालीन सेवा की दी जानकारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा क्षेत्र में इन दिनों फैल रहे वायरस के बीच 108 एंबुलेंस सेवा ग्रामीणों के लिए लगातार मददगार साबित हो रही है। बीमारी से प्रभावित मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने के साथ ही उपचार के बाद जरूरतमंद मरीजों को सुरक्षित उनके घर तक पहुंचाने का कार्य भी 108 एंबुलेंस द्वारा किया जा रहा है।ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों कुंडेकसा, डाबरी, सोनगुड्डा और मछुरदा सहित आसपास के गांवों में स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी एवं आपातकालीन सहायता को लेकर 108 सेवा द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 108 के जिला समन्वयक पवन जेतवार ने बिरसा क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर ग्रामीणों को 108 एंबुलेंस सेवा की जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों को किसी भी आपात स्थिति में तत्काल 108 नंबर पर कॉल करने के लिए जागरूक किया।क्षेत्र में वायरस से प्रभावित मरीजों को आवश्यकता

के अनुसार 108 एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। अस्पताल में चिकित्सकीय उपचार के बाद जरूरतमंद मरीजों को सुरक्षित उनके घर तक पहुंचाने में भी एंबुलेंस सेवा महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इससे ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के मरीजों को समय पर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिल रही है।108 एंबुलेंस सेवा का मुख्य उद्देश्य आपात स्थिति में मरीजों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराना और उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य सुविधा तक सुरक्षित पहुंचाना है। ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा को लेकर जागरूकता बढ़ने से आपात परिस्थितियों में मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में भी सुविधा मिल रही है।

बालाघाट में भी जेन अल्फा ने बुलंद की आवाज, खोला मोर्चा, गंदे पानी की बोतल लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं छात्राएं

भोजन में इल्लियां मिलने और जातिसूचक टिप्पणी सहित अव्यवस्थाओं के लगाए गंभीर आरोप

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जेन अल्फा पीढ़ी के स्कूली और कॉलेज विद्यार्थियों द्वारा अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर मुखर होकर आवाज उठाने की तस्वीरें सामने आती रही हैं। अब इसी तरह का एक स्वर बालाघाट में भी दिखाई देने लगा है, जहां स्कूली छात्र-छात्राएं अपनी बुनियादी जरूरतों और अधिकारों से जुड़े सवालों को लेकर स्कूलों और छात्रावासों की चारदीवारी से बाहर निकलकर सीधे प्रशासन के दरवाजे तक पहुंच रहे हैं। बीते कुछ महीनों में जिले के अलग-अलग शासकीय स्कूलों और छात्रावासों से जुड़ी समस्याओं को लेकर विद्यार्थियों के कलेक्टर कार्यालय पहुंचने के मामले सामने आए हैं। मंगलवार को वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय संयुक्त आदिवासी सीनियर कन्या छात्रावास की करीब दर्जनों छात्राओं का कलेक्टर कार्यालय पहुंचना भी इसी बदलते माहौल का हिस्सा माना जा रहा है। अब छात्राएं केवल शिकायत करने और चुपचाप व्यवस्था सहने के बजाय अपने साथ सबूत लेकर प्रशासन के सामने अपनी बात रख रही हैं।

18 अगस्त को छात्रावास की छात्राएं जनसुनवाई में पहुंचीं तो उनके हाथ में एक बोतल भी थी। इस बोतल में छात्रावास में इस्तेमाल किया जा रहा पानी भरा हुआ था। छात्राओं ने प्रशासन को यह दिखाने की कोशिश की कि उन्हें किस तरह के पानी का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। छात्राओं का कहना था कि छात्रावास में लंबे समय से साफ पानी, अच्छा भोजन, स्वास्थ्य सुविधा, साफ-सफाई और अन्य मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। कई बार शिकायत करने के बावजूद जब स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो उन्होंने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर अपनी आवाज उठाने का निर्णय लिया। छात्राओं का आरोप है कि जिस बोरवेल से पानी लिया जाता है, उसके आसपास गंदा पानी जमा रहता है और इसी स्त्रोत का पानी उन्हें पीने तथा दैनिक उपयोग के लिए दिया जाता है। छात्राओं के अनुसार पानी में दुर्गंध आती है और वह देखने में भी साफ नहीं है। उनका कहना है कि दूषित पानी के इस्तेमाल के कारण कई छात्राओं की तबीयत प्रभावित हो रही है। छात्राओं ने प्रशासन से मांग की कि पानी की जांच कराई जाए और उन्हें तत्काल स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। छात्रा पायल मड़ावी ने बताया कि छात्रावास में करीब 150 छात्राएं रहकर पढ़ाई कर रही हैं, लेकिन लंबे समय से उन्हें मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रावास की कुछ महिला कर्मचारी छात्राओं के साथ अभद्र व्यवहार करती हैं और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर अपमानित करती हैं। पायल के अनुसार कई छात्राएं डर और दबाव के कारण अपनी बात खुलकर नहीं रख पातीं, लेकिन अब छात्राओं ने तय किया है कि वे अपनी समस्याओं को दबाकर नहीं रखेंगी और संबंधित अधिकारियों के सामने खुलकर अपनी बात रखेंगी। छात्राओं ने भोजन की गुणवत्ता को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए। उनका आरोप है कि छात्रावास में निर्धारित मेनू के अनुसार भोजन नहीं दिया जाता। कई बार भोजन इतना खराब होता है कि उसे खाना मुश्किल हो जाता है। छात्राओं ने दावा किया कि भोजन में इल्लियां तक निकल चुकी हैं। ऐसी स्थिति में कई छात्राएं भोजन करने से बचती हैं और बाहर से खाना खरीदने के लिए मजबूर होती हैं। छात्राओं का कहना है कि छात्रावास में रहने वाली छात्राओं के लिए भोजन की व्यवस्था सरकार की जिम्मेदारी है, फिर भी यदि उन्हें खाने के लिए सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण भोजन नहीं मिल रहा है तो यह गंभीर लापरवाही है। छात्रा भागरती टेकाम ने स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाते हुए बताया कि बीमार होने पर छात्राओं के इलाज की समुचित व्यवस्था नहीं की जाती। कई बार उन्हें अपने खर्च पर बाहर जाकर इलाज कराना पड़ता है। छात्राओं ने यह भी आरोप लगाया कि छात्रावास में साफ-सफाई के नाम पर उनसे 50-50 रुपये मांगे जाते हैं। इन आरोपों की जांच होने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी, लेकिन छात्राओं द्वारा जनसुनवाई में उठाए गए सवालों ने छात्रावास की व्यवस्थाओं की निगरानी पर गंभीर प्रश्न जरूर खड़े कर दिए हैं। छात्राओं ने महिला कर्मचारी पूजा सिरसाम सहित अन्य कर्मचारियों के व्यवहार को लेकर भी शिकायत दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि स्टाफ का व्यवहार छात्राओं के प्रति सहयोगात्मक नहीं है। छात्राओं ने प्रशासन से पूरे स्टाफ में बदलाव किए जाने की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक छात्रावास की व्यवस्था में जिम्मेदारी तय नहीं होगी और कर्मचारियों के व्यवहार की जांच नहीं होगी, तब तक समस्याओं का स्थायी समाधान मुश्किल है। हालांकि छात्राओं द्वारा लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी, लेकिन सवाल यह है कि जिन छात्राओं को अपना पूरा ध्यान पढ़ाई और भविष्य बनाने पर लगाना चाहिए, उन्हें आखिर पानी, भोजन, स्वास्थ्य और सम्मान जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए प्रशासन के दरवाजे तक क्यों पहुंचना पड़ा। सरकार आदिवासी विद्यार्थियों के लिए छात्रावासों के संचालन और सुविधाओं पर खर्च करती है, ऐसे में छात्राओं की शिकायतों को गंभीरता से लेकर व्यवस्था की वास्तविक स्थिति सामने लाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। अब निगाहें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं। छात्राओं ने जो पानी बोतल में भरकर अधिकारियों के सामने रखा है, वह केवल एक बोतल पानी नहीं बल्कि छात्रावास की व्यवस्थाओं पर उठाया गया बड़ा सवाल है। यदि शिकायतें सही पाई जाती हैं तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई के साथ व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार जरूरी होगा। वहीं यदि आरोपों में तथ्य नहीं हैं तो प्रशासन को जांच के माध्यम से स्थिति स्पष्ट करनी होगी। फिलहाल इतना तय है कि छात्राओं ने अपनी आवाज उठा दी है और अब इस आवाज का जवाब प्रशासन को देना है।

बालाघाट में भी जेन अल्फा ने बुलंद की आवाज

बालाघाट में विद्यार्थियों का इस तरह अपनी समस्याओं को लेकर सीधे प्रशासन तक पहुंचना शिक्षा व्यवस्था में बदलते छात्र व्यवहार का संकेत भी है। पहले जहां छात्र-छात्राएं अपनी समस्याओं को लेकर अभिभावकों या शिक्षकों के माध्यम से शिकायत करते थे, वहीं अब विद्यार्थी स्वयं सामने आकर सवाल पूछ रहे हैं और जवाब मांग रहे हैं। जेन अल्फा पीढ़ी की खास पहचान ही यह मानी जा रही है कि वह उपलब्ध सूचनाओं और संचार के साधनों के बीच अपनी बात रखने से पीछे नहीं हटती। बालाघाट में भी छात्राओं का गंदे पानी की बोतल लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचना इसी मुखरता की एक तस्वीर बनकर सामने आयी है।

मधुमक्खी के हमले से तीन व्यक्ति घायल अस्पताल में उपचार जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। लालबर्रा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम लोहमारा में मधुमक्खियों के अचानक हुए हमले में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल उपचार के लिए सिविल अस्पताल वारासिवनी लाया गया जहां डॉक्टरों के द्वारा उनका इलाज किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार लोहमारा निवासी लोकेश पिता नोहरू लाल मात्रे उम्र २९ वर्ष और संदीप पिता दिलीप हरदे उम्र ३० वर्ष के घर उनका जमाई रेखलाल पिता सराद मानेश्वर निवासी गर्रा रामपायली उम्र ३४ वर्ष आया हुआ था। शाम लगभग ४ बजे तीनों घर से खेत में खाद डालने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों के हमले से तीनों वहीं घायल होकर गिर पड़े। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से तीनों घायलों को वारासिवनी के सिविल अस्पताल पहुँचाया गया जहाँ डॉक्टरों की टीम ने उनका त्वरित उपचार शुरू किया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों की स्थिति पर नज़र रखी जा रही है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
- कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
- माईनिंग इंजीनियरिंग
- सिविल इंजीनियरिंग
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

चातुर्मास बधाई एवं शुभकामनाए

नितिन नवीन जी, नरेन्द्रभाई दामोदर जी एवं अमितभाई का सिलेक्शन, जिसे (बां) का आर्शीवाद मिला जो नो, इगो, वाली **HRD** मंत्री रही आम मतदाता को देखकर संसद भवन जाने के लिये वाहन में बैठकर पी.ए. से बोली गाड़ी रोके और वह बालाघाट के नये भाजपा मेम्बर से मिलती हैं, वह भी सावन का महिना था सत्र भी प्रारम्भ था नारद जी, भगवान ब्रम्हा, विष्णुजी से कहते हैं, वर्षो बाद पश्चिम बंगाल चुनाव में स्मृतिजी पहुंचती है ममता बनर्जी के घोसले कालीघाट में, जिसे जनता का भरपूर आर्शीवाद मिला जिसकी रिपोर्ट, अमितभाई शाहजी, नितिन नबीन जी, नरेन्द्रभाई के पास संघर्ष करने वाली भाजपा नेत्री स्मृति जी और **HRD** मंत्री के बाद बड़ा पद राष्ट्रीय महासचिव जहा। पर कभी सरल स्वभाव के सच्चे रामलालजी, भी विराजमान रहे जो एक अच्छे अपरिचित मतदातों को परखने वाली को महासचिव बना कर पूरे भारत देश के मतदाताओं का भाजपा ने दिल जीत लिया है, पुनः कोटि-कोटि बधाई शुभकामनाएं एक किंगमेकर को रोकना बाकी है। जो देश विदेश में घूम-घूम कर भारत की छबी धूमिल करने में लगे रहते है।

मान.नरेन्द्र मोदी जी प्रधानमंत्री भारत शासन	मान.अमित शाह जी गृह मंत्री भारत शासन	मान.नितीन नवीन जी राष्ट्रीय अध्यक्ष भाजपा	मान.डॉ. मोहन यादव जी मुख्यमंत्री म.प्र. शासन	मान.स्मृति इरानी जी महासचिव भाजपा	मान.फग्गन सिंह जी पूर्व केन्द्रीय मंत्री वरिष्टतम सांसद सदस्य	मान.राजकुमार करहि जी विधायक लांजी

-सौजन्य से-
अनुशासित पत्रकार एवं पूर्व मेम्बर जेड.आर.यू.सी.सी.
दक्षिण पूर्व मध्य रेलजोन बिलासपुर एवं पश्चिम मध्य रेलजोन जबलपुर

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट